जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, मंगलवार 6 जनवरी, 2026

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY
सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
सत्यमेव जयते

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

AI IMPACT SUMMIT
भारत 2026 INDIA

सर्वजन हिताय । सर्वजन सुखाय
WELFARE FOR ALL | HAPPINESS OF ALL

राजस्थान रीजनल AI इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026

AI - सबकी पहुंच में, सबके लिए

6 जनवरी 2026 • JECC, जयपुर

मुख्य अतिथि
श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय केंद्रीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
राजस्थान

विशिष्ट अतिथि
श्री जितिन प्रसाद
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि
कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
माननीय मंत्री, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार
राजस्थान सरकार

AI के क्षेत्र में राज्य सरकार की पहल

- AI द्वारा सिलिकोसिस मरीजों की पहचान
- राजस्थान सम्पर्क 181 के AI वॉइस बॉट से समस्याओं का समाधान
- 4 लाख सरकारी स्कूलों में कमज़ोर विद्यार्थियों को AI से सीखने में मदद
- राज निवेश चैटबॉट से निवेशकों को अपने आवेदन की रियल टाइम जानकारी
- AI से लाखों किसानों को फसल के पोषण और बीमारियों की पहले से ही जानकारी

राजस्थान AI/ML पॉलिसी 2026

- AI आधारित नए पब्लिक प्लेटफॉर्म
- उद्योगों को AI अपनाने हेतु विशेष प्रोत्साहन
- सरकारी सेवाओं में AI का और अधिक इस्तेमाल
- स्कूल, ITI एवं विश्वविद्यालयों में AI एज्यूकेशन पर विशेष ज़ोर
- 50,000+ युवाओं व 20,000+ सरकारी अधिकारियों को AI प्रशिक्षण
- बूटकैंप, हैकेथॉन, इनोवेशन चैलेंज आदि के माध्यम से AI को बढ़ावा

Digital India Power To Empower | INDIAai | DoIT&C RAJASTHAN

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

पराधीन को जिन्दा कहें, तो मुर्दा कौन है। –हितोपदेश

वेनेजुएला पर अमेरिका का आधिपत्य संयुक्त राष्ट्र संघ बना अप्रासंगिक

जिस प्रकार गत शनिवार को 30 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में अमेरिका द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया, उसने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता और प्रासंगिकता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। इसके पहले कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की समाप्त होती प्रासंगिकता पर विचार करें, यह होगा कि इसकी स्थापना की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों का उल्लेख किया जाए।

राष्ट्र संघ द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने में असफल रहने पर द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में 51 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया। इसके मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे–

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और विश्व युद्ध को रोकना
2. इसके सदस्य देशों में मित्रता व्यवहार विकसित करना
3. वैश्विक समस्याओं पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना
4. मानव अधिकारों का सम्मान करना एवं उनका संवर्धन करना
5. उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संवाद स्थापित करने हेतु मंच प्रदान करना

24 अक्टूबर, 1945 को स्थापित किए गए संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान में 193 देश सदस्य हैं। विश्व के लगभग सभी स्वतंत्र राष्ट्र इसके सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसकी अन्य संस्थाएं भी बनाई गई जैसे सुरक्षा परिषद, विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनेस्को, यूनिसेफ आदि।

प्रारंभिक कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ ने विभिन्न देशों के संघर्ष को रोकने में एवं विकासशील देशों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब कोई देश संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा पारित प्रस्ताव का उल्लंघन करता दिखाई दिया, तो उसके विरुद्ध कई प्रकार के प्रतिबंध भी लगाए गए, जिसका अन्य सदस्य देशों ने पालन भी किया।

संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न क्रियाकलापों के लिए अधिकांश वित्तीय सहायता अमेरिका द्वारा दी जाती है। इसका मुख्यालय भी न्यूयॉर्क में है। इस संस्था से यह अपेक्षा थी कि वह विभिन्न देशों के मध्य शांति स्थापित करेगा और प्रत्येक सदस्य राष्ट्र की संप्रभुता पर किसी प्रकार की आंच नहीं आने देगा। जब भी किसी राष्ट्र ने किसी दूसरे राष्ट्र की स्वतंत्रता पर आघात पहुंचाने का प्रयास किया तो संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसकी एक घटक संस्था सुरक्षा परिषद के माध्यम से आक्रामक देश को नियंत्रित करने का काम भी किया। अनेक बार सुरक्षा परिषद और महा सभा द्वारा इस प्रकार के देशों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किए गए।

संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूरे कर चुका है एवं इसकी सफलता का एक पैमाना यह माना जा सकता है कि यह संस्था अभी तक अस्तित्व में है और यह 80 वर्षों में तीसरा विश्व युद्ध रोकने में सफल हुई है। अब संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता एवं इसका महत्व धीरे-धीरे कम हो गया है। ऐसी स्थिति उत्पन्न करने में मुख्य भूमिका अमेरिका ने निभाई है। अमेरिका द्वारा, विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद, संयुक्त राष्ट्र संघ को दी जाने वाली आर्थिक सहायता बहुत कम कर दी गई है, जिसके कारण इसके विभिन्न कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं।

चूंकि संयुक्त राष्ट्र संघ, सभी सदस्य देशों की ही एक संस्था थी है, इसलिए नैतिक रूप से इसके सदस्य राष्ट्रों पर यह दबाव था कि वे संयुक्त राष्ट्र संघ में लिए गए निर्णयों की पालना करें और उनकर सम्मान करें। धीरे-धीरे, कुछ राष्ट्रों ने, विशेष कर ,अमेरिका और चीन ने इसकी परवाह करना बंद कर दिया और अपनी मनमानी करने लगे।

संयुक्त राष्ट्र संघ में अमेरिका का सदा ही वर्चस्व रहा है। सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे किसी भी प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं अर्थात किसी भी प्रस्ताव पारित होने से रोक सकते हैं। जब से चीन संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना है, तब से कई बार भारत के पक्ष में होने वाले निर्णय को चीन ने वीटो के द्वारा रोक दिया है।

यह सही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कोई विश्व युद्ध नहीं हुआ किंतु संघर्ष की स्थिति अनेक स्थानों पर बनी।

गत कुछ वर्षों में विश्व में इस प्रकार के संघर्ष हुए जिससे संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लगे जैसे अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान, इराक और ईरान पर आक्रमण, इजरायल द्वारा फलस्तीन पर आक्रमण, रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण। कुछ साल पहले अमेरिका ने पाकिस्तान में घुसकर ओसामा बिन लादेन को मार दिया और अंतरराष्ट्रीय जगत कुछ नहीं कर पाया। इसी प्रकार चार वर्षो से रूस ने यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध छेड़ रखा है और एक तरह से यूक्रेन को तबाह कर दिया है। यूक्रेन पूर्व सोवियत संघ का ही एक भाग था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन अभी तक अपने आक्रामक रवैए को बनाए रखे है।

अधिकांश वैश्विक संस्थाएं अधिकतर अमेरिका के आर्थिक सहयोग पर निर्भर करती हैं और जब वही इन संस्थाओं को वित्तीय सहायता बंद कर दे, तो इन संस्थाओं को चलाना वैसे भी कठिन हो जाएगा। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता लगभग पूरी तरह खो चुका है और उसे बनाए रखने का अब कोई औचित्य नहीं है।

गत कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एक अधिकार विहीन मूक दर्शक की हो गई है। इसके द्वारा पारित प्रस्तावों की कोई परवाह नहीं करता है।कोई भी देश, जब चाहे, किसी दूसरे देश की संप्रभुता पर चोट कर रहा है।

गत शनिवार को तो अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून की धज्जियां उड़ा दीं जब उसने वेनेजुएला पर आक्रमण करके वहां के राष्ट्रपति को बंदी बनाकर अमेरिका ले गया और उस पर अधिपत्य जमा लिया। उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला की जनसंख्या लगभग तीन करोड़ है और विश्व का सर्वाधिक तेल भंडार यहां है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन था और संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के भी विपरीत भी, किंतु अभी तक संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा सुरक्षा परिषद ने इस बारे में कोई भी कार्रवाई नहीं की है। जब से डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, वे अपने अजीबोगरीब बयानों के लिए जाने जाते रहे हैं। कभी शांति दूत की तरह अपनी पहचान बनाना चाहते हैं और स्वयं को नोबेल शांति पुरस्कार का अधिकारी घोषित कर देते हैं। पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल पुरस्कार देने की सिफारिश भी करवा देते हैं। वे दावा करते हैं कि उन्होंने विश्व में आठ अलग-अलग स्थान पर देशों के बीच में युद्ध को रोका है। इनमें भारत-पाकिस्तान के युद्ध विराम का श्रेय लेने से भी नहीं चूकते और 50 से अधिक बार इस प्रकार का दावा कर चुके हैं। यह अलग बात है कि अब इस प्रकार के दावों को न केवल भारत बल्कि अन्य देश भी गंभीरता से नहीं लेते हैं।

यह एक विडंबना ही है कि ऐसा व्यक्ति जो नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने की दावेदारी कर रहा था, उसने अचानक अपने पड़ोसी देश वेनेजुएला पर आक्रमण करके और उस पर अधिपत्य जमा लिया। संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन के बाद इस प्रकार किसी देश पर दूसरे देश द्वारा कब्जा करना की पहली घटना है। ट्रंप ने यह कार्रवाई वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के ड्रग माफिया में लिप्त होने के आरोप के आधार पर करने की बात कही है। ट्रंप ने यह कार्रवाई करके संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है और इसे लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। देखना यह है कि अमेरिका के आक्रमण के बाद चीन का क्या रुख रहता है? फिलहाल तो अंतरराष्ट्रीय जगत में एक ही बात चरितार्थ होती दिखाई देती है कि "जिसकी लाठी उसकी भैंस"।

किसी भी देश की सीमाओं का अतिक्रमण करके उस पर अधिपत्य जमाना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। यह उल्लंघन अब बार-बार होने लगा है एवं इसका कोई संज्ञान संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा नहीं लिया जा रहा है।

पूर्व में अमेरिका ने इराक पर हमला यह कहते हुए किया था कि इराक के पास रासायनिक हथियार हैं जबकि इराक पर हमला समाप्त होने के बाद भी कभी यह सिद्ध नहीं हो पाया कि इराक के पास कोई रासायनिक हथियार थे।

ट्रंप अब तक पुतिन को यूक्रेन पर हमले करने से रोकने के लिए कह रहे थे किंतु अब उनका यह नैतिक अधिकार भी समाप्त हो गया है। कहीं ऐसा ना हो कि ट्रंप के द्वारा की गई कार्रवाई से प्रेरणा लेकर रूस यूक्रेन को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई तेजी से करने लगे। ऐसी स्थिति चीन और ताइवान के बीच में बन सकती है। यह उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो कम्युनिस्ट पार्टी के थे। रूस और चीन ने उनका समर्थन किया है। अब देखना यह भी है कि क्या रूस और चीन मादुरो का समर्थन करते हुए अमेरिका के विरुद्ध कोई सैनिक कार्रवाई करेंगे? अब तक के घटनाक्रम से ऐसा होने की संभावना कम ही दिखाई देती है।

अमेरिका, विशेष कर राष्ट्रपति ट्रंप ने कई प्रकार के अंतरराष्ट्रीय समझौतों से भी अपना हाथ खींच लिया है। जलवायु परिवर्तन के बारे में जिस प्रकार की सहायता अमेरिका द्वारा अब तक दी जाती रही थी उसे भी बंद करने की घोषणा ट्रंप ने कर दी है। अधिकांश वैश्विक संस्थाएं अधिकतर अमेरिका के आर्थिक सहयोग पर निर्भर करती हैं और जब वही इन संस्थाओं को वित्तीय सहायता बंद कर दे, तो इन संस्थाओं को चलाना वैसे भी कठिन हो जाएगा।

कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता लगभग पूरी तरह खो चुका है और उसे बनाए रखने का अब कोई औचित्य नहीं है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान संपर्क पोर्टल प्रदेशवासियों के भरोसे व संवाद का विश्वसनीय मंच बना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रही है

अंजलिका पंवार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों की समस्याओं का समाधान कर रही है। आमजन की सहायता के लिए स्थापित राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की हेल्पलाइन 181 सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का एक बेहतरीन मंच साबित हो रही है। यह पोर्टल (हेल्पलाइन 181) प्रदेशवासियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और समाधान के सोपान का अनूठा माध्यम बनता जा रहा है। यह प्रणाली एक ही प्लेटफार्म पर सुगम, सरल, पारदर्शी और त्वरित राहत का एक जरिया बनकर उभर रही है।

■ हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की समस्याओं की नियमित सुनवाई हो रही है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय-समय पर स्वयं हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर पर पहुंच कर आमजन की समस्याओं को सुनते हैं और उनके त्वरित निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। राजस्थान संपर्क के माध्यम से प्रदेश में आमजन की शिकायत निवारण और राज्य सरकार के विभागों से संबंधित जानकारी प्रदान करने का मजबूत तंत्र विकसित हुआ है। यह हेल्पलाइन एक एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में कार्य करते हुए ऑनलाइन माध्यम से तय समय सीमा में शिकायतों और सवालों को संबंधित विभागों तक पहुंचाती है। साथ ही, नागरिकों को इस संबंध में लगातार अपडेट करते हुए उनसे फीडबैक भी लेती है। राजस्थान सम्पर्क द्वारा प्रतिदिन लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।

आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धी समस्या का समयबद्ध समाधान :- हनुमानगढ़ निवासी प्रभुराम के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्या का समाधान राजस्थान संपर्क के माध्यम से समयबद्ध रूप से हुआ। जब राजस्व विभाग द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी करने में विलम्ब हुआ तो 11 अक्टूबर, 2025 को शिकायत दर्ज की गई। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग ने 13 अक्टूबर, 2025 को जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। परिवाद के सत्यापन के दौरान शिकायतकर्ता ने संतुष्टि दर्ज करते हुए धन्यवाद भी व्यक्त किया।

इसी तरह कोटा निवासी शिवानी रजत के जनआधार में आय प्रमाण पत्र अपडेट नहीं होने से काम अटका हुआ था। 25 नवम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई और यहीं से समाधान की प्रक्रिया ने गति पकड़ी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए 28 नवम्बर, 2025 को आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जनआधार अपडेट कर दिया गया।

सफाई की शिकायत, तुरंत कार्रवाई :-बीकानेर निवासी गोविंद सिंह ने जब अपने क्षेत्र में सफाई नहीं होने की समस्या को लेकर 11 दिसम्बर, 2025 को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें तुरंत जवाब मिला। नगरपालिका बीकानेर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सफाई करवाकर समस्या का निस्तारण किया। यही नहीं, अंता (बारां) निवासी रवि की कॉलोनी में नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा था, जिससे परेशानी बढ़ती जा रही थी। 2 दिसम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुई और समाधान भी तुरंत हुआ। शिकायत मिलते ही नगर पालिका, बारां ने उसी दिन बताए गए स्थान पर सफाई करवाई। शिकायतकर्ता से संवाद कर निस्तारण का सत्यापन भी किया गया।

खेत तक पहुंची रोशनी, कृषक को मिली राहत :-भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर निवासी श्यामलाल के खेत पर एक महीने तक बिजली आपूर्ति बाधित होने से कृषि संबंधी कार्य बाधित हो रहा था। 26 नवम्बर को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज हुई। शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 28 नवम्बर को खेत पर बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी।

सुविधाओं का सुचारू संचालन हुआ सुनिश्चित :-सलूम्बर के बामनिया निवासी महेश कुमार के क्षेत्र में पाइपलाइन टूट जाने से जल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। कई बार सूचना देने के बाद भी समस्या जस की तस बनी रही, तब 5 दिसम्बर को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई। शिकायत मिलते ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सक्रिय हुआ और 7 दिसम्बर, को संबंधित उपखंड के सहायक अभियंता द्वारा टूटी पाइपलाइन को ठीक करवा दिया गया।

ऐसा ही एक मामला सवाईमाधोपुर जिले के बोली क्षेत्र में देखने को मिला, जब सार्वजनिक हैंडपंप खराब होने से पेयजल समस्या उत्पन्न हो गई। स्थानीय निवासी श्री दिनेश कुमार ने 12 अक्टूबर को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज कराई और प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अगले ही दिन, 13 अक्टूबर को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप को ठीक करवा दिया गया।

उपरोक्त सभी उदाहरण यह साबित करते है कि जब नागरिक अपनी समस्या सही मंच तक पहुंचाते हैं, तो प्रशासन भी उतनी ही संवेदनशीलता और तत्परता से समाधान सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन नागरिक और सरकार के बीच विश्वास की वह कड़ी है, जहां हर शिकायत सिर्फ सुनी ही नहीं जाती, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई के साथ उसका समाधान किया जाता है। यही जनसेवा की सच्ची पहचान है।

अंजलिका पंवार,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा में नवाचार

बच्चों को खेल-खेल में मिलेगी शिक्षा, बच्चों पर किताबों का भार होगा कम

डॉ. अमृता कटारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षित राजस्थान-समर्थ राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षा को अधिक बाल अनुकूल, सरल और सीखने में रुचिकर बनाने के उद्देश्य से पाठ्यपुस्तकों के भार को कम करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। यह पहल न केवल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और रुचि को भी बढ़ाने वाली साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्री स्कूल और प्राथमिक शिक्षा में स्थानीय बोली में शिक्षा देने, बस्ते के बोझ को कम करने तथा खेल-खेल में पढ़ाने पर केन्द्रीत है। राज्य सरकार ने इस शिक्षा नीति की भावना को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें राजकीय विद्यालयों में शनिवार को 'नो बैग डे' आयोजित कर बच्चे को तनावमुक्त कर कला, खेलकूद, नेतृत्व क्षमता, सहकारिता व सहयोग की भावना पर जोर देना शामिल है।

इसी की कड़ी में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों की पुस्तकों को जोड़कर इस शैक्षणिक वर्ष में दो चरणों में, प्रत्येक चरण में दो-दो पुस्तकों के रूप में वितरित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों के स्कूल बैग का भार लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। यह व्यवस्था बच्चों के लिए पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि आनंद का माध्यम बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

अगले शैक्षणिक वर्ष से प्रत्येक तिमाही के लिए केवल एक ही समेकित पुस्तक भेजी जाएगी, जिससे बच्चों पर किताबों का भार और घटकर 25 प्रतिशत रह जाएगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है, जिसमें विद्यार्थियों पर अनावश्यक शैक्षिणक दबाव कम करने, समग्र विकास तथा अनुभवात्मक शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बच्चों को हल्का स्कूल बैग, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व, कौशल और नैतिक मूल्यों के विकास का माध्यम बने। पुस्तक भार कम करने की यह पहल भी इसी सोच का परिणाम है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उद्देश्य-गौरतलब है कि राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर बहुआयामी प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों के तहत विद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। नए कक्षा-कक्ष, स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय तथा स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देते हुए ई-कंटेंट, स्मार्ट बोर्ड और आईसीटी आधारित शिक्षण को प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे बच्चे तकनीक के साथ सीख सकें। नामांकन वृद्धि और ड्रॉपआउट कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हुए दिव्यांग, वंचित एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही है।

व्यवहारिक, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित स्कूल शिक्षा के लिए अभिनव पहल-

इन सभी पहलों का उद्देश्य शिक्षा को व्यवहारिक, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। पुस्तक भार में कमी से बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, सीखने में रुचि विकसित होगी और अभिभावकों की चिंता भी कम होगी। राज्य सरकार की यह दूरदर्शी पहल राजस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह कदम आने वाले वर्षों में बच्चों के शैक्षणिक परिणामों, स्वास्थ्य और समग्र विकास पर सकारात्मक परिणाम का एक बड़ा कदम साबित होगा।

–डॉ. अमृता कटारा,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

टोंक में पुलिस ने गुम हुये 80 मोबाइल बरामद कर परिवादियों को लौटाये

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में जिले में चलाये गये विशेष अभियान के तहत आमजन के गुमशुदा मोबाइल नहीं मिलने के सम्बन्ध में आये दिन प्राप्त हो रहे परिवादों को संज्ञान में लेकर पिछले एक वर्ष में गुमशुदा ऐसे मोबाइलों को बरामद करने हेतु सायबर टीम ने कार्यवाही करते हुए गुमशुदा मोबाइलों की एक्टिवेशन डिटेल प्राप्त करने के बाद बरामद कर सम्बन्धित थाना स्तर पर एक विशेष टीम बनाकर मोबाइल बरामद करने का अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के दौरान अब

■ बरामद मोबाइलों की किमत 14.7 लाख रुपये बताई

तक 80 मोबाइल बरामद किये जा चुके हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित किमत लगभग 14 लाख 7 हजार हैं। बरामद किये गये 80 मोबाईल सम्बन्धित परिवादियों को वितरित करने हेतु नव वर्ष पर जिला एवं थाना स्तर पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित कर सम्बन्धित परिवादियों को मोबाईल वितरित किये गये।

इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृत्ताधिकारी उनियारा आकांक्षा चौधरी एवं सोप थानाधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सोप थाना क्षेत्र स्थित गलवानिया बांध की पाल के पास सार्वजनिक स्थान पर रूपये/पैसों का दांव लगाकर संगठित होकर जुआ सट्टा खेलते हुए आरोपी दिनेश सिंह पुत्र उमराव सिंह, महेन्द्र सिंह पुत्र भवानी, नफीस हुसैन पुत्र शेर खां, गोविन्दा पुत्र कैलाश, राकेश पुत्र रामप्रसाद मीना को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 63 हजार 510 रूपये जुआ राशि एवं सट्टा उपकरण व एक कार को जब्त किया गया।

पुलिस ने जब्त मोबाइल परिवादियों को लौटाये।

राशिफल

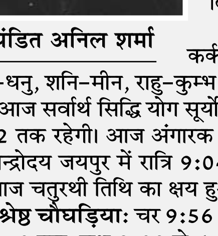

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 6 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र दिन 11:18 तक, प्रीति योग रात्रि 8:21 तक, विष्टि करण प्रातः 8:02 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:18 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:18 तक है। भद्रा प्रातः 8:02 तक रहेगी। आज अंगारक सकष्ट चतुर्थी और तिलकुटा चौथ व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:04 पर होगा। आज सौभाग्य सुन्दरी व्रत है। आज चतुरथी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:56 से 11:14 तक, लाभ-अमृत 11:14 से 1:50 तक, शुभ 3:08 से 4:26 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:44

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Suspicion Didn't Stop Trade Even Then

In the 1850s, Russia's textile industry was booming. The mills relied heavily on American cotton, but the American Civil War disrupted supplies, pushing Russia to look towards India

The History of Samosa

A Global Snack with Ancient Roots in Persia (Iran)

असम चुनाव, प्रियंका के लिए इम्तिहान की घड़ी बना

प्रियंका गांधी को असम चुनाव के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य भी प्रियंका गांधी के भक्त लोग, जैसे इमरान मसूद ही हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। संभवतः यह पहला अक्सर है कि नेहरू-गांधी परिवार के किसी सदस्य को किसी चुनावी राज्य की स्क्रीनिंग कमेटी की ज़िम्मेदारी दी गई है।

प्रियंका गांधी वाड्रा को असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, जहाँ कांग्रेस का मुक़ाबला भाजपा और उसके नेता हेमंत बिस्वा शर्मा से है। हेमंत बिस्वा शर्मा पहले कांग्रेस में थे, बाद में भाजपा में शामिल हुए और जल्दी ही भाजपा नेतृत्व के चहेते बन गए।

इस कमेटी में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद भी शामिल हैं, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से यह माँग की है कि प्रियंका गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए।

- लोकसभा में राहुल की अनुपस्थिति में, प्रियंका गांधी का प्रदर्शन बहुत सराहनीय रहा था और प्रियंका को पार्टी में महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका देने की मांग जोरों से उठी है और यह बात सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी तक भी पहुंचायी जा चुकी है।
- अतः असम में प्रियंका गांधी और उनकी टीम यदि सफल होती है, तो उनकी अवहेलना करना मुश्किल हो जाएगा और प्रियंका गांधी असम में फेल हो जाती हैं तो उन्हें कोई और महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका देने की मांग अपने आप ठंडी पड़ जाएगी।
- यह सब समझते हुए, प्रियंका गांधी असम में यह जोखिम भरी जिम्मेवारी निभाने को क्यों तैयार हो गईं? क्या वे कुछ निराश सी हो गई थीं और जोखिम उठाने के अलावा उनके समक्ष कोई विकल्प नहीं रह गया था। ''बोरियत'', का चक्रव्यूह तोड़ने के अलावा।

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच प्रियंका गांधी को पार्टी में बड़ी भूमिका दिए जाने की माँग लगातार बढ़ती जा रही है। यह बात उन्होंने सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और यहाँ तक कि राहुल गांधी तक को साफ़-साफ़ बता दी है।

राहुल गांधी की अनुपस्थिति में संसद में प्रियंका गांधी के शानदार प्रदर्शन ने इस धारणा को और मज़बूत किया है कि उनकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो रहा है जबकि वे भाजपा और उसके नेतृत्व को चुनौती देने में पूरी तरह सक्षम हैं।

पार्टी में होने वाले संभावित फेरबदल में उनकी भूमिका क्या होगी, इस पर फिर से बहस शुरू हो गई है। यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या उन्हें संगठन में कोई बड़ी और अहम ज़िम्मेदारी मिलेगी या चुनावी प्रबंधन से जुड़ी वह बड़ी भूमिका सौंपी जाएगी, जिसका वादा तो किया गया है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हुआ।

पहले भी यह कहा जाता रहा है कि राहुल गांधी की टीम, प्रियंका गांधी को बड़ी भूमिका देने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे राहुल गांधी की छवि दब सकती है या पार्टी के भीतर कोई वैकल्पिक शक्ति केन्द्र बन सकता है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी एक के बाद एक चुनाव हार रही है और राहुल गांधी अपनी बनाई हुई बिखरी हुई सी टीम के साथ अकेले पार्टी को संभाल पाने में असमर्थ दिख रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अब यही है मेरी ज़िंदगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। पाँच साल जेल में रहने के बाद जब उनके लिए एक और दरवाज़ा बंद हो गया, तो सामाजिक कार्यकर्ता और जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर ख़ालिद ने अपनी महिला मित्र से कहा कि अब जेल में रहना ही उस की ज़िंदगी बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि मामले में पाँच अन्य लोगों को ज़मानत मिल गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साज़िश के मामले में

- सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत अर्जी खारिज़ होने पर बेहद निराशा में उमर खालिद ने कहा, पर अन्य 5 को जमानत मिलने पर खुशी जताई।

ख़ालिद और उसके साथी छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम को ज़मानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ़ आपराधिक साज़िश में शामिल होने के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। हालांकि, कोर्ट ने इसी मामले में नामज़द पाँच अन्य लोगों, कार्यकर्ता गुलफ़िशा फ़ातिमा, मीरान हैदर, शिफ़ा उर रहमान, मोहम्मद सलीम ख़ान और शादाब अहमद को ज़मानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि इन लोगों की स्थिति ख़ालिद और इमाम के समान नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने क्यूबा, कोलंबिया और मैक्सिको को भी सैन्य कार्यवाही की धमकी दी

वेनेज़ुएला के सैन्य ऑपरेशन से ट्रंप बेहद उत्साहित हैं, उन्होंने कहा, अमेरिका पूरी तरह से तैयार है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी ताकत दिखाते हुए क्यूबा, कोलंबिया और मैक्सिको को कड़ी चेतावनी दी है, और आरोप लगाया है कि इन देशों की सरकारें मादक पदार्थों की तस्करी, गैंगवॉर और क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा दे रही हैं। उनका कहना है कि वॉशिंगटन का धैर्य समाप्त हो रहा है, क्योंकि वैस्टर्न हैमिस्फीयर में सुरक्षा खतरों में इजाफा हो रहा है।

मार-ए-लागो से लौटते हुए एयरफोर्स वन पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि यदि ये देश नशीली दवाओं के उत्पादन, सीमा पार अपराध और मादक पदार्थ तस्करों के गिरोहों के प्रभाव को नियंत्रित करने में विफल रहते हैं, तो संयुक्त राज्य अमेरिका पूरी तरह से तैयार है और निर्णायक कार्रवाई करेगा।

क्यूबा पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, ट्रंप ने दावा किया कि वेनेज़ुएला में हाल की अमेरिकी कार्रवाई के बाद हवाना की स्थिति तेज़ी से कमज़ोर हुई है। उन्होंने कहा, यह एक प्रमुख आर्थिक लाइफलाइन के कटने जैसा है।

- ट्रंप ने कहा, वेनेज़ुएला की मादुरो सरकार के पतन के बाद क्यूबा की कोई इनकम नहीं बची है और अब क्यूबा की सरकार भी गिर जाएगी, हमें वहाँ जाने की जरुरत शायद ना पड़े।
- ट्रंप ने कोलंबिया नेतृत्व पर कोकीन उत्पादन और अमेरिका में कोकीन बेचने का आरोप लगाया और सैन्य कार्यवाही का संकेत देते हुए कहा, अमेरिका ज्यादा दिन ऐसा नहीं होने देगा।
- ट्रंप ने मैक्सिको के बारे में कहा कि ड्रग्स तस्करों के गिरोह ही मैक्सिको का शासन चला रहे हैं। वहाँ की राष्ट्रपति खुद ही भयभीत हैं। अगर मैक्सिको में हालात ठीक नहीं हुए तो हमारी सेना वहाँ जाएगी।''

ट्रंप ने कहा, ''क्यूबा की अब कोई आय नहीं है,'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''यह द्वीप राष्ट्र वेनेज़ुएला से तेल आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर था, उन्होंने अपनी सारी आय वेनेज़ुएला से प्राप्त की और अब क्यूबा सचमुच गिरने के कगार पर है।'' ट्रंप ने तत्काल अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप से इनकार किया, लेकिन उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि यहां भारी उटलफेर हो सकता है, हम इस देश में नहीं घुस रहे हैं। मुझे लगता है कि यह खुद गिरने वाला है। यह गिरने के लिए तैयार है।'' उन्होंने यह भी जोड़ा कि क्यूबा मूल के कई अमेरिकी ऐसे परिणाम का स्वागत करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमर खालिद और शर्जील इमाम को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी जमानत

जमानत के लिए अपील करने पर भी एक साल की रोक भी लगाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (5 जनवरी 2025) को एक्टिविस्ट उमर खालिद और शर्जील इमाम को 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया। यह मामला गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें कथित ''बड़ी साजिश'' का आरोप है।

लेकिन कोर्ट ने पांच अन्य आरोपियों, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद की कथित भूमिकाओं में अंतर होने के कारण उनकी जमानत मंजूर कर दीं।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन.वी. अंजरिया की बेंच ने दोनों ऐक्टिविस्टों पर लगाये गये आरोपों की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि ये दोनों एक्टिविस्ट अन्य आरोपियों की तुलना में अलग श्रेणी में खड़े हैं।''

- सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोप में हालांकि उमर खालिद और शर्जील इमाम पर सख्ती की लेकिन 5 अन्य को जमानत दे दी और कहा कि पांचों की भूमिका स्पष्ट नहीं है।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर खालिद और शर्जील इमाम गवाहों की जाँच पूरी होने या वर्तमान आदेश की तारीख का एक वर्ष पूरा होने या इनमें से जो भी पहले हो उसके बाद ही फिर से जमानत याचिका दायर कर सकते हैं।
- फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए साम्प्रदायिक दंगों में 53 लोग मारे गए थे तथा सैकड़ों घायल हो गए थे। इस मामले हाई कोर्ट पहले ही सभी आरोपियों की जमानत खारिज कर चुका था।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर 2025 को इस मामले पर निर्णय सुरक्षित रखा था, जब इन आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 2 सितंबर के उस फैसले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती- डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 5 जनवरी। उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़े के एक बड़े मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने परीक्षा में चयन कराने के लिए सहयोग करने वाले सुनील कुमार विश्नोई को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि

- गिरफ्तार आरोपी सुनील कुमार विश्नोई शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने और अवैध रूप से चयन कराने के संबंध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने भारत के माल पर टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत जानता है कि वे ''भारत द्वारा रूस से ऑयल खरीदने से मैं खुश नहीं हूँ और अगर मैं खुश नहीं हूँ, तो कभी भी टैरिफ बढ़ा सकता हूँ''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। भारत पहले से ही अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत भारी टैरिफ का सामना कर रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि ''रूस से भारत द्वारा तेल ख़रीदने के कारण, वॉशिंगटन बहुत जल्दी नई दिल्ली पर टैरिफ बढ़ा सकता है।''

एयर फ़ोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ''वे (भारत) असल में मुझे खुश करना चाहते थे। मोदी बहुत अच्छे आदमी हैं, वे अच्छे इंसान हैं। उन्हें पता था कि मैं (भारत के रूसी तेल आयात से) खुश नहीं था और मुझे खुश करना ज़रूरी था। वे व्यापार करेंगे और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं। यह उनके लिए बहुत बुरा होगा।''

- ट्रंप के साथ खड़े अमेरिका के सीनेटर लिन्डसे ग्रेहम ने ट्रंप का तर्क दोहराया और कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन के ग्राहकों पर दबाव बनाना जरूरी है।

ट्रंप की यह ताज़ा टिप्पणी, कई महीने पहले दिए गए उनके उस दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें ''आश्वासन दिया था कि भारत रूस से तेल ख़रीदना बंद कर देगा। अब कोई आयात नहीं होगा, वे तेल नहीं ख़रीद रहे हैं।''

भारत ने ट्रंप के इस दावे को ख़ारिज करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई थी।

इधर, ट्रंप के साथ विमान में मौजूद अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ ही ''मुख्य कारण'' हैं कि अब नई दिल्ली रूस से काफ़ी कम तेल ख़रीद रही है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ग्राहकों पर दबाव बनाना ज़रूरी है।

ग्राहम ने कहा कि एक महीने पहले जब उनकी मुलाक़ात भारतीय राजदूत से हुई थी, तो ''वह केवल यही बात करना चाहते थे कि भारत रूस से कम तेल ख़रीद रहा है। क्या आप राष्ट्रपति से टैरिफ हटाने के लिए कहेंगे।''

ग्राहम के दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन रूस से भारत के तेल आयात में गिरावट का रुझान ज़रूर दिख रहा है। भारत ने कहा है कि उसकी नीतियाँ बाज़ार में उपलब्ध विकल्पों और भारतीय उपभोक्ताओं की ज़रूरतों के आधार पर तय होती हैं।

हालाँकि हाल के महीनों में आयात घटा है, फिर भी रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कंपनियाँ रूस से ख़रीदे गए तेल को फिर से बेचकर अरबों डॉलर का मुनाफ़ा कमा रही हैं।

साल के पहले कार्यदिवस पर वकीलों ने पैरवी नहीं की

जयपुर, 5 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में माह के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित कर मुकदमों की सुनवाई करने के निर्णय का वकीलों ने विरोध किया है। हाईकोर्ट में इस साल के पहले कार्यदिवस पर वकीलों ने मुकदमों में

- वे इवनिंग कोर्ट के पायलट प्रोजैक्ट तथा माह में दो शनिवार कार्यदिवस घोषित होने का विरोध कर रहे हैं।

पैरवी नहीं की। निचली अदालत में इवनिंग कोर्ट आरंभ करने का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने के विरोध में वकीलों ने अदालतों का बहिष्कार किया और प्रकरणों में पैरवी नहीं की। ये दोनों निर्णय हाल ही में हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ की बैठक में लिए गए थे। इसके तहत हर माह के दो शनिवार को कार्य दिवस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिंदुओं पर ''अत्याचार'' के खिलाफ हो रहे हल्ले व क्रोध का कोई असर नहीं है, बांग्लादेश के प्रशासन पर

एक नवीन घटना में एक हिंदू विधवा के साथ सरे मार पिटाई के बाद, कई बार बलात्कार हुआ, वह चीखती-चिल्लाती रही, पर, कोई बचाने नहीं आया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। भारत की भावनाओं और जन आक्रोश के बावजूद, बांग्लादेश हिंदू समुदाय की पीड़ा के प्रति पूरी तरह उपेक्षा बरत रहा है।

बांग्लादेश ने भारत की बार-बार की अपीलों और वहाँ हिंदुओं के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर आम लोगों की गहरी पीड़ा की भावनाओं पर बहुत कम ध्यान दिया है।

हाल की एक घटना में, एक हिंदू विधवा का पीछा किया गया, उसे परेशान किया गया और बाद में दो लोगों ने उसकी गुहार की अनदेखी करते हुए, उसे पकड़कर प्रताड़ित किया। स्थानीय प्रशासन ने भी उसे सुरक्षा देने के लिए प्रयास नहीं किए।

आखिरकार उसके पीछा करने वालों ने उसे पकड़ लिया, उसे बेरहमी से यातनाएँ दीं, पेड़ से बाँध दिया और उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। बाद में स्थानीय लोगों ने उसे बेहोशी की हालत में पाया और उसे एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। उसका इलाज शुरू होने और होश में आने के बाद ही उसकी पीड़ा और दुर्गति की पूरी जानकारी सामने आ सकी।

महिला पर हुए इस भयानक हमले का खुलासा होने के बाद ही पुलिस ने कुछ कदम उठाए और दो अपराधियों को गिरफ़्तार किया। वह इतनी डरी हुई थी कि उसने शुरू में अपनी ओर से कुछ भी बताने की हिम्मत नहीं की। बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए डर और धमकाने का ऐसा ही माहौल बना हुआ है।

- डर इतना व्याप्त था कि उस महिला को रिपोर्ट लिखाने की हिम्मत नहीं हुई। पर, अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी दुर्दशा देखकर, घटना सामने आई।
- हंगामा बढ़ता देख पुलिस हरकत में आई और दो अपराधियों को गिरफ्तार किया।
- दूसरी ओर, बांग्लादेश के खिलाड़ी को आईपीएल मैचों से बाहर करने के बाद, आईपीएल मैचों के बांग्लादेश में प्रसारण पर रोक लगाई। पर, इसका कोई असर नहीं हो रहा, क्योंकि, भारत में ही इन मैचों की ''व्यूअरशिप'' इतनी है कि आईपीएल मैच की लोकप्रियता पर बांग्लादेश की रोक का कोई महत्व नहीं दिख रहा।

जैसे-जैसे ऐसी घटनाओं और अत्याचारों के समाचार आ रहे हैं, भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की बांग्लादेश के हिंदुओं की दुर्दशा एवं पीड़ा के प्रति निष्क्रियता को लेकर निराशा आमजन में बढ़ती जा रही है। कुछ लोग यह भी याद दिला रहे हैं कि अमेरिका दुनिया भर में अपने नागरिकों और अपने हितों की रक्षा के लिए कितने सख़्त और सक्रिय कदम उठाता है।

अमेरिकी नीतियों की तुलना में भारत दब्बूपन का रवैया अपना रहा है और पड़ोसी देशों में हिंदुओं की रक्षा करने की अपनी क्षमता को लगभग बिल्कुल भी नहीं दर्शा रहा है।

इस बीच, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल टीम से बाहर किए जाने के फ़ैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में आईपीएल मैचों के प्रसारण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।

इसका आईपीएल मैचों या उनकी लोकप्रियता पर ज़्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। भारत में दर्शकों की संख्या ही आईपीएल को ऊँची टीआरपी दिलाने के लिए काफ़ी है। बांग्लादेश द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाने के निर्णय पर भारत ने अभी तक कोई औपचारिक टिप्पणी नहीं की है।

खिलाड़ी चयन के पूरे मुद्दे को इन्टरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के संज्ञान में भी लाया गया है। आईसीसी का मैच स्थलों, अलग-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के कुएं से गैस लीक

कोनसीमा, 05 जनवरी। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में ओएनजीसी के एक चालू तेल कुएं से बड़े पैमाने पर गैस लीक हो गई। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना तब हुई, तब कुएं में कुछ समय के लिए प्रोडक्शन बंद होने के बाद वर्कओवर रिग का इस्तेमाल करके मरम्मत की जा रही थी।

- लीक हुई गैस में आग लगी, लोगों को बिजली का इस्तेमाल नहीं करने व चूल्हा नहीं जलाने के निर्देश।

मरम्मत के दौरान एक जोरदार धमाका हुआ और कच्चे तेल के साथ मिली हुई गैस भारी मात्रा में हवा में बहुत ऊपर तक चली गई। यह तेल का कुआं कोनासीमा के राजोल इलाके के इरुसुमंडा गांव में है।

स्थानी अधिकारियों के मुताबिक,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

अवैध बजरी परिवहन का आरोपी पकड़ा

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशन में वृताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत एवं टोडारायसिंह थानाधिकारी अंकेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध खनन व परिवहन व भण्डारण की रोकथाम हेतु दौराने गश्त टोडारायसिंह थाना क्षेत्र के ग्राम कुरास्या में स्थित बनास नदी में अवैध बजरी भरते हुए एक लोढर को जप्त किया जारि मौके से चालक जमना लाल पुत्र कजोड लाल मीणा उम्र 28 साल निवासी रुघुनाथपुरा गोकुलपुरा थाना हिण्डोली जिला बुन्दी को गिरफ्तार किया । इस दौरान चालक के विरूद्ध एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

दो सार्वजनिक अवकाश घोषित

दौसा। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधुपर के निर्देशों की अनुपालना में जिला एवं सेशन न्यायाधीश दौसा ने वर्ष-2026 के लिए जिला न्यायालय दौसा एवं इस न्यायक्षेत्र के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों में दो स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। जिला एवं सेशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने 14 जनवरी बुधवार को मकर संक्रांति एवं 14 सितम्बर सोमवार को गणेश चतुर्थी का स्थानीय अवकाश घोषित किया है।

कोहरे ने बढ़ाई परेशानी

फुलेरा। कस्बे में सोमवार को कड़ाके की ठंड का असर पूरे दिन बना रहा। सुबह करीब 8 बजे तक घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। कोहरा छंटने के बाद भी ठंड में कोई खास राहत नहीं मिली और दिनभर हाड़ कंपा देने वाली सर्दी महसूस की गई। हालात ऐसे रहे कि सूर्य देव पूरे दिन दर्शन नहीं दे सके। ठंड से बचाव के लिए लोग सुबह से ही अलाव जलाकर तापते नजर आए। सर्दी का असर बाजारों पर भी साफ दिखाई दिया, जहां दिनभर सन्नाटा पसरा रहा और आम दिनों की तुलना में ग्राहकों की संख्या काफी कम रही। कडाके की ठंड का प्रभाव मूक पशुओं पर भी देखने को मिला। पशुपालक अपने पशुओं को ठंड से बचाने के लिए विशेष इंतजाम करते नजर आए।

दिनेश कुमार सैनी सम्मानित

राजगढ़। ब्लॉक ब्लॉक शिक्षा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बडला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को राष्ट्रीय क्रांतिकारी नवाचारी शिक्षक सम्मान से कोटा में सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कोटा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का चयन अलवर जिले से किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में किये गए नवाचार के लिए इनका चयन किया गया । गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल खेल में शिक्षा और मनोरंजन गतिविधि के द्वारा छोटे बच्चों को शिक्षण करवाया जाता है। जिससे बच्चें अच्छी तरह से सीखते है और रुचि लेकर अपना शिक्षण कार्य करते है । देश के 15 राज्यों के नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया है । इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा सागर फाउंडेशन की तरफ से किया गया । जिसमे देशभर के शिक्षकों ने भाग लिया । शिक्षक दिनेश कुमार के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के कार्य को राजस्थान मे सबसे पहले किया गया। शिक्षक दिनेश कुमार सैनी 2024 में राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं।

भारतीय किसान संघ की बैठक संपन्न

निवाई। कृषि उपज मंडी में स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर में भारतीय किसान संघ की बैठक जिलाध्यक्ष रमेशचंद जाट की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में तहसील की सभी ग्राम सेवा सहकारी समितियों को सक्रिय करने के लिए सभी जीएसएस अध्यक्षों को पत्र लिखने, जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों में गोदाम नहीं हैं उनमें गोदाम बनवाने हेतु उप रजिस्टार सहकारी समिति टोंक को पत्र लिखने सहित कई प्रस्ताव लिए गए। जिलाध्यक्ष रमेशचंद जाट ने बताया कि तहसील की सभी ठााम सेवा सहकारी समितियां उर्वरकों का विपणन करेंगी तो किसानों को अपने पंचायत क्षेत्र में ही अच्छे गुणवत्तापूर्ण एवं असली उर्वरक बिना कालाबाजारी के उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों किसानों को उर्वरको के लिए लाइनों में खड़ा रहना पड़ा। अगर ठााम सेवा सहकारी समितियों में उर्वरक उपलब्ध होते तो किसानों को ऐसी समस्याओं का सामना नहीं करना पडता।

ख्वाजा साहब के चादर पेश

सांभरझील। हज़रत ख़्वाजा हुसामुद्दीन जिगर सोख़्ता रह. के सम्पन्न हुए 707 वें उर्स के अंतिम दिन फ़तेहपुर शेखावाटी की दरगाह से लाई गई चादर पेश की गई। हज़रत ख़्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन साहिब सुलैमानी चिश्ती अल्फ़ारूक़ी रह. की दरगाह के सज्जादानशीन व मुतवल्ली हुज़ूर नसीरे मिल्लत पीर ग़ुलाम नसीर साहिब नजमी सुलैमानी चिश्ती अल्फ़ारूक़ी ने दरगाह में चादर शरीफ़ और फूल चढा कर अमन चैन की दुआ मांगी ।

किसानों की बैठक में ग्राम सेवा सहकारी समितियों को सक्रिय करने पर चर्चा

टोंक। किसान संघ निवाई की बैठक सोमवार को जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र की अध्यक्षता में कृषि उपज मंडी समिति निवाई में की गई, जिसमें किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई। इस दौरान निवाई तहसील की सभी ग्राम सेवा सहकारी समितियों को सक्रिय करने के लिए सभी जीएसएस अध्यक्षों को पत्र लिखने एवं जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों में गोदाम नहीं हैं उनमें गोदाम बनवाने हेतु उपरजिस्टार सहकारी समिति टोंक को पत्र लिखने का प्रस्ताव लिया। बैठक में बताया कि सहकारी समितियां उर्वरकों का विपणन करेंगी तो किसानों को अपने पंचायत क्षेत्र में ही अच्छे गुणवत्तापूर्ण एवं असली उर्वरक बिना कालाबाजारी के उपलब्ध हो सकेंगे, पिछले दिनों किसानों को उर्वरको के लिए लाइनों में खड़ा रहना पड़ा अगर ग्राम सेवा सहकारी समितियों में उर्वरक उपलब्ध होते तो किसानों को

किसान संघ निवाई की बैठक सोमवार को जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र की अध्यक्षता में हुई ।

ऐसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। इसके अलावा सचिव कृषि मंडी समिति निवाई से किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर मंडी में आने वाले सरसों के सीजन में किसानों के लिए ट्रैक्टर पार्किंग पर

> ■ जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों में गोदाम नहीं हैं उनमें गोदाम बनवाने हेतु उपरजिस्टार सहकारी समिति टोंक को पत्र लिखने का प्रस्ताव लिया

विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर मंडी सचिव ने बताया कि हमने किसानों के लिए ट्रैक्टर पार्किंग की समुचित व्यवस्था की है । इसके अलावा गेट पास किसान कलेवा एवं प्याऊ को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई, जिस पर कृषि मंडी सचिव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या मंडी में नहीं आने दी जाएगी।

न्यायिक कार्य स्थगित रखा

दौसा। जिला अभिभाषक संघ दौसा के आव्हान पर रात्रिकालीन न्यायालय खोले जाने एवं प्रत्येक माह के 2 अवकाश कम किये जाने के विरोध में न्यायिक कार्य स्थगित रखा। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एडवोकेट कुंजबिहारी शर्मा ने बताया कि पायलेट प्रोजेक्ट के तहत रात्रिकालीन न्यायालय खोले जाने एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के कलेण्डर से प्रत्येक माह के 2 शनिवार की छुटटी कम कर न्यायिक कार्य किये जाने के आदेश के विरोध में न्यायिक कार्य स्थगित रखा गया। उन्होने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर बैंच की कार्यकारिणी एवं राजस्थानं हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसियेशन जोधपुर, राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसियेयशन जोधपुर की कार्यकारिणी के द्वारा न्यायिक कार्य में भाग लेने का जो निर्णय लिया है, की निरन्तरता में माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा प्रारम्भ किये जाने वाले पाईलेट प्रोजेक्ट के तहत रात्रिकालीन न्यायालय खोले जाने के विरोध में स्वेच्छिक रूप से न्यायिक कार्य से दूर रहें।

सांभर में कोहरे से थमी जिंदगी की रफ्तार, 10 मीटर की दूरी देखना भी मुश्किल

सांभरझील। सांभर में गत दो रोग से भयंकर धूंध के कारण लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है। कोहरे

> ■ सुबह गोला बाजार, नया बस स्टैंड, साल्ट फाटक, तेली दरवाजा रोड पर चाय की स्टलों पर अल सुबह लोगों को चाय की चिसकियां लेते देखा जा सकता है

सांभर में अलाव जलाकर तपते लोग।

का आलम ऐसा की सुबह 7:30 बजे तक 10 मीटर की दूरी पर देखना भी दुर्लभ हो गया है। अत्यधिक ठंड पड़ने के कारण प्रतिष्ठान भी सुबह देर से खुलते हैं और शाम को जल्दी अपने घरों की ओर दुकानदार लौट जाते हैं। लेकिन इसमें एक बात खास यह है कि जितनी अधिक ठंड पडती है फिणी का व्यवसाय चौगुना होता है। चीनी बनाने वाले कारीगर रात को देर तक मैदा के लपेटे देकर उसे घी में चिपका कर रखते हैं और सुबह 4:00 बजे से ही तलना शुरू कर देते हैं। इनके अलावा सुबह गोला बाजार, नया बस स्टैंड, साल्ट फाटक, तेली दरवाजा रोड पर चाय की स्टलों पर अल सुबह लोगों को चाय की चिसकियां लेते देखा जा सकता है। घने कोहरे के कारण सांभर में जगह-जगह लोगों को अलाव जलाकर तपते हुए ठंड से बचने के लिए सहारा लेना पडा।

दौसा शहर की यातायात व्यवस्था नासूर बनी

दौसा। यातायात पुलिस प्रशासन की अनदेखी के चलते दौसा शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमा गई है, शहर के हृदय स्थल गांधी तिराहा से श्री रामकरण जोशी राजकीय विद्यालय के तक हालात बद से बदतर होते जा रहे है। यातायात पुलिस प्रशासन द्वारा इस गंभीर समस्या का समाधान नही किया गया तो ये शहरवासियों के लिए नासूर बन जायेगी।

उल्लेखनीय है कि दौसा पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने दौसा शहर की यातायात व्यवस्था को नियंत्रण करने के लिए भारी भरकम यातयात पुलिसकर्मियो को तैनात कर रखा है, इसके बावजूद दौसा शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। गांधी तिराहे से श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा गांधी तिराहे से रेल्वे स्टेशन तथा गांधी तिराहे से स्टेट वेयर हाउस तक हालात बद से बदतर हो गये है।

इन मार्गो पर दर्जनों मॉल बने हुये है, जिनमे से अधिकांश में पार्किग की व्यवस्था तक नही है, साथ ही चार दर्जन से अधिक विभिन्न बैंक की संलाचित है, जहां प्रात: से देर सायं तक वाहनो का जमावडा लगा रहता है। अधिकांश

> ■ शहर के हृदय स्थल गांधी तिराहा से श्री रामकरण जोशी राजकीय विद्यालय के तक हालात बद से बदतर होते जा रहे है।

दूकानदार एवं विभिन्न बैंको में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी अपने साथ वाहन लेकर आते है, जो प्रात: से देर रात तक मुख्य मार्गो पर खडे रहते है, जिसके चलते अधिकांश समय यातायात बाधित रहता है।

लोगों द्वारा अपने वाहनो को मुख्य मार्ग पर ही खडा कर देते है जिसके चलते मार्ग सकरा हो जाता है तथा वाहनों को आवाजाही में असुविधा का सामना करना पडता है।

इधर शहर के मुख्य मार्गो पर दर्जनो मॉल बने हुये है, नगर परिषद द्वारा निर्माण की अनुमति पार्किंग व्यवस्था रखे जाने की शर्त पर दी गई है, इसके बावजूद इन मॉलों में पार्किंग की व्यवस्था तक नही है, जिसके चलते नगर परिषद की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। एक मॉल में तकरीबन 4 से 5 दर्ज दूकाने बनी हुई है, इन दूकानो के मालिक अपना वाहन मुख्य मार्ग पर ही खडा करते है, जो यातायात के लिए नासूर बनते जा रहे है। वही दूसरी ओर शहर में कई लोहा व्यवसाईयो ने अपने लोहे के बंडल मुख्य मार्गो पर डाल रहे है, जिसके चलते मार्ग भी काफी सकरा हो गया है, जो दुर्घटना का सबब बने हुये है।

बिना पार्किंग बने मॉल पर कब होगी कार्यवाही : मुख्यालय पर बने हुये मॉल एवं व्यवसाय उपयोग के लिए बनी बडी बडी बिल्डिंगों में पार्किंग व्यवस्था तक नही है, नगर परिषद ने ऐसे मॉल संचालको को एनओसी भी जारी कर दी है, जिसके चलते नगर परिषद के आला अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

इनता ही नही नगर परिषद की अनदेखी के चलते आवासीय कॉलोनियों में भी सैकडो मॉल बन गये है तथा वे धडल्ले से संचालित हो रहे है। पूनम सिनेमा के पीछे तो भगवान ही मालिक है, किसी मॉल में अप्रिय घटना होने पर अग्निशमन की गाडी पहुंचना नामुमकिन है। प्रशासन भी अप्रिय घटना होने का इंतजार कर रहा है।

फुलेरा युवा पालिका ईओ के फैसले ठंडे बस्ते में

फुलेरा। फुलेरा शहर के विकास की गाड़ी जैसे ही रफ्तार पकडने को हुई, किसी ने अचानक उस पर ब्रेक लगा दिया। सवाल यह नहीं है कि विकास की योजना बनी या नहीं, सवाल यह है कि बनी हुई योजनाएं लागू क्यों नहीं हुईं। फुलेरा नगरपालिका के नवनियुक्त युवा अधिशाषी अधिकारी सुनील शर्मा ने पदभार संभालते ही शहर को अतिक्रमण मुक्त करने, यातायात सुधारने और सौंदर्यकरण की दिशा में स्पष्ट मंशा दिखाई। जिसको लेकर गणगौरी बाजार, गांधी चौक, हलवाई बाजार चौक और इंदिरा मार्केट जैसे अति व्यस्त इलाकों में फैले अव्यवस्थित ठेलों, हाट बाजार और नो पार्किंग की समस्या पर ठोस निर्णय लिए गए। हैरानी की बात यह है कि 80 फीट चौडी गणगौरी बाजार सड़क दिन में हाट बाजार बनकर महज 10 फीट की गली में तब्दील हो जाती है, लेकिन वर्षों से इस पर किसी की हिम्मत नहीं हुई कि व्यवस्था सुधार सके। युवा ईओ सुनिल शर्मा ने यह हिम्मत दिखाई और फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा सहित अन्य पदाधिकारी व पुलिस प्रशासन के वृत्ताधिकारी अनुपम मिश्रा व फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र सिंह को बुलाया, सहमति बनाई और ठेला व्यवसायियों के पुनर्वास तक की योजना तय की। फुलेरा व्यापार महासंघ ने भी खुले मंच पर सहयोग का भरोसा दिया। गणगौरी बाजार को नॉन वेंडिंग जोन घोषित कर ठेलों को ज्योतिबा फुले सर्किल पर शिफ्ट करने, गांधी चौक में ठेलों को व्यवस्थित करने और इंदिरा मार्केट में सडक पर ठेले पूरी तरह प्रतिबंधित करने का फैसला हुआ। हलवाई बाजार चौक पर लावारिस वाहनों पर पुलिस कार्रवाई तक की रणनीति तय हो गई। इतना ही नहीं, पुलिस प्रशासन को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस उप अधीक्षक सांभर और थानाधिकारी फुलेरा ने इन शहरहित के निर्णयों पर पूरा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। यानी कागज, सहमति और प्रशासन-सब तैयार था।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि अधिशासी अधिकारी इतने ठोस निर्णय लेने के बाद भी उन्हें लागू नहीं कर पा रहे, तो क्या उन पर ऊपर से दबाव है या फिर सिस्टम में रहते हुए खुद के फैसलों को लागू करने का साहस ही जवाब दे गया। आज स्थिति यह है कि शहर वही का वही है-अतिक्रमण जस का तस, यातायात बदहाल और जनता रोज जाम से जूझ रही है। जबकि समाधान फाइलों में नहीं, बैठकों में तय हो चुका था।

करोडी व पिलोडी को जिला परिषद के वार्ड 14 में यथावत रखने की मांग

दौसा । जिला परिषद सदस्य मेघराज नांगरी ने सोमवार को जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को ज्ञापन सौप कर जिला परिषद के वार्ड 17 से हटाई गई ग्राम पंचायतों को पुन: जोड़ने की मांग की

> ■ जिला परिषद सदस्य मेघराज नांगरी ने बताया कि वार्ड नम्बर 17 में सम्मिलित ग्राम पंचायत करोडी और पिलोडी को नव पुनर्गठित जिला परिषद वार्ड नम्बर 21 में सम्मिलित किया गया है, जो सही नही है

है। जिला परिषद सदस्य मेघराज नांगरी ने बताया कि पूर्व में वार्ड नम्बर 17 में सम्मिलित ग्राम पंचायत करोडी और

करोडी व पिलोडी को जिला परिषद के वार्ड 14 में यथावत रखने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को दौसा को ज्ञापन दिया।

पिलोडी को नव पुनर्गठित जिला परिषद वार्ड नम्बर 21 में सम्मिलित किया गया है, जो कि भौगोलिक दृष्टि सही नही है। इन पंचायतों की दूरी 25 किलोमीटर से भी अधिक है, आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पडेगा। उन्होने बताया कि ग्राम पंचायत करोडी और पिलोडी के नव गठित वार्ड में जोडे जाने को लेकर आमजन में गहरा आक्रोश है। उन्होने बताया कि करोडी एवं पिलोडी को पूर्व के वार्ड में नही जोडे जाने पर आन्दोलन किया जावेगा। इस दौरान बनवारी वाल मीणा, रामहरि करोडी मण्डल अध्यक्ष बालाजी, माखन लाल मीना सुरेर, प्रहलाद धवन, विनोद पीलोडी, मुरारी मीना करोडी, रामजीवन करोडी, अशोक सुरेर, ओम प्रकाश नाहर खोर्रा, राजेश सिकरी, प्रथ्वी सिंह पाड़ली, अर्चना पीलोडी, राजाराम पिलोडी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

किशोर गृह का औचक निरीक्षण

दौसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दौसा के सचिव एवं अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संतोष अग्रवाल ने सोमवार को राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, दौसा एवं दत्तक ग्रहण एजेंसी दौसा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजकीय सम्प्रेषण गृह में विधि से संघर्षरत 5 एवं देखरेख एवं सरंक्षण का जरूरतमंद 1 बालक उपस्थित मिला। सचिव ने गृह में निरूद्ध विधि से संघर्षरत बालकों से वार्ता कर उनके प्रकरणों की जानकारी ली गई। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों को सभी बच्चों को सर्दी के मौसम को देखते हुए गर्म कपडे व कम्बल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सचिव ने बच्चों को नि:शुल्क विधिक सहायता स्कीम की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह प्रदान करने हेतु प्राधिकरण द्वारा दो पैनल अधिवक्ताओं को नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा प्रतिदिन किशोर न्याय बोर्ड की बैठकों में उपस्थिति दी जाती है। सचिव ने बालकों को प्रदान की जाने वाली भोजन, आहार, साफ-सफाई, कपडे, बिस्तर, आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

सार-समाचार

साइबर अपराधों के मामले में 4 गिरफ्तार

निवाई। सदर थाना पुलिस व डीएसटी टीम टोंक ने साईबर अपराधों की रोकथाम को लेकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे एक बोलेरो कार, 5 एण्ड्रोईड मोबाईल फोन व एक चैकबुक को जब्त किया है। सदर थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा के निर्देशानुसार साईबर अपराधों की रोकथाम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस की विशेष टीम का गठन किया। टीम द्वारा भिन्न-भिन्न तरीकों से साईबर फ्रोड कर लोगो के बैंक खातों से लाखों रुपये की ठगी करने का आरोपी बनवारी लाल मीणा निवासी आदलवाडा कला थाना चौथ का बरवाडा सवाईमाधोपुर, भीमसिंह मीणा निवासी गम्भीरा सवाईमाधोपुर, देवीशंकर मीणा निवासी आदलवाडा थाना चौथ का बरवाडा सवाईमाधोपुर व मनोजकुमार मीणा निवासी जडवता सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपितों से एक बोलेरो कार, 5 एण्ड्रोईड मोबाईल फोन व एक चैकबुक को जब्त किया है। आरोपियों से गहनता से पूछताछ की है जिससे अन्य मामलों का खुलासा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध 10 साईबर मामले दर्ज है।

सनाढ्य ब्राह्मण समाज की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए

निवाई। सनाढ्य ब्राह्मण समाज विकास समिति के तत्वावधान में समिति अध्यक्ष हेमराज शर्मा खंडवा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें समाज के पदाधिकारियों ने समाजहित के कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। महामंत्री जितेंद्र जीवली व मीडिया प्रभारी डॉ. शिवराज शर्मा ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से 1 फरवरी को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। जिसमें कक्षा 8वीं, 10वीं व 12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित स्नातक एवं उच्च शिक्षित छात्र-छात्राएँ, सेवानिवृत्त कर्मचारी, वरिष्ठजन, जिला एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर समिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से पीटीआई भंवरलाल शर्मा को संयोजक व गिरीश तिवारी को सहसंयोजक के पद पर मनोनीत किया गया। इसी प्रकार ब्रजसुंदर शर्मा, कुंदन शर्मा, सुनील शर्मा खंडवा, डॉ. शिवराज शर्मा व अभिषेक शर्मा को सदस्य के पद पर मनोनीत किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान सहभोज का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अध्यक्ष हेमराज शर्मा ने समारोह को भव्य व सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि समय समय पर ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। जिससे प्रतिभाओ को संबल प्रदान होता है। संयोजक रामफूल शर्मा ने कहा कि प्रतिभाएं समाज की धरोहर है, इनका सम्मान आवश्यक है। उपाध्यक्ष बृजसुंदर शर्मा ने कहा कि प्रतिभाएं आगे चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देती है अत: ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाना आवश्यक है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने समाज के उपाध्यक्ष रघुवीर अलियाबाद का आकस्मिक निधन हो जाने पर 2 मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुंदन शर्मा, डॉ. शिवराज शर्मा, रामबाबू जगसरा, यशवर्धन शर्मा, सुनील खंडवा, सुनील मिश्रा व युवा अध्यक्ष अभिषेक चैनपुरा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

विशेष शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय सतत् पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित

निवाई। योगेश शैक्षिक पुनर्वास एवं शोध संस्थान द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित दिव्यांग बालकों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण में समकालीन प्रौद्योगिकी का उपयोग और महत्व पर विशेष शिक्षकों का जोनल लेवल तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 50 विशेष शिक्षकों ने भाग लिया। संस्थापक सचिव डॉ. सीताराम स्वामी व कार्यक्रम समन्वयक मनोजकुमार स्वामी ने बताया कि प्रथम दिवस सहायक आचार्य साइकोलॉजी हेमंत शर्मा ने बौद्धिक व विकासात्मक दिव्यांगता वाले बालकों के लिए आईसीटी और वैकल्पिक और संवर्धन संचार पर विस्तृत चर्चा की। सहायक आचार्य राकेश स्वामी ने विशेष आवश्यकता वाली शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग पर विस्तार से बताया। तृतीय सत्र में समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र अहमदाबाद के निदेशक डॉ. अजीत कुमार ने विशेष आवश्यकता वाले बालकों के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र अहमदाबाद के सहायक आचार्य प्रियंकासिंह चौहान ने विशेष आवश्यकता वाले बालकों के कक्षा कक्ष व पाठ्यक्रम में तकनीकी एकीकरण पर जानकारी प्रदान की। कोर्स कोआर्डिनेटर मनोजकुमार स्वामी ने दिव्यांग बच्चों के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के नैतिक और व्यावहारिक मुद्दों पर चर्चा की। शिरोमन आचार्य ने बधिर शिक्षार्थियों के लिए डिजिटल शैक्षिक उपकरण पर कई प्रकार के एप के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतिम दिवस में समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र जयपुर के निदेशक डॉ. नीरज मधुकर ने विशेष शिक्षा के समकालीन प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी। कोर्स कोआर्डिनेटर अरविंद कुमार टेलर ने श्रवण बाधित बच्चों के लिए सहायता एवं अनुकूलीय प्रौद्योगिकी की विस्तार से जानकारी दी।

अनियमितताओं के विरोध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

भरतपुर (निस)। जिला कांग्रेस कमेटी भरतपुर के अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिले में जिला परिषद एवं नवसृजित पंचायत समितियां के वार्डों के पुनर्गठन एवं परिसीमन कार्यों में पाई गई विसंगतियों एवं अनियमितताओं के विरोध में जिला कलेक्टर कमर चौधरी को एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन देते समय जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने जिला कलेक्टर को उक्त समस्याओं के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए बताया कि जिला परिषद वार्डो के अलावा रूपवास ,बयाना, भुसावर, वैर, नदबई सहित कई पंचायत समितियां में परिसीमन कार्यों के तहत विभागीय गाइडलाइन का सरासर उल्लंघन किया गया है तथा कुछ राजनीतिक प्रभावशाली लोगों के दबाव में वार्डों का पुनर्गठन भी किया गया है।

आरजीएचएस योजना में गड़बड़ झाला

देवली। सोमवार को यहां राज्य सरकार की आरजीएचएस (राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) योजना के तहत दवाइयों की आपूर्ति में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। टोंक जिले के देवली स्थित टोंक सरकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार (फार्मा स्टोर) के विरुद्ध हनुमान नगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी टोंक के पत्र के आधार पर वित्त (बीमा) विभाग के अधीन गठित टीम द्वारा किए गए जॉब/ऑडिट में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं।

प्रकरण की.जांच में पाया गया कि फार्मा स्टोर पर मूल आरजीएचएस कार्ड, फर्जी चिकित्सक सील, तथा चिकित्सकों के अत्यधिक संख्या में मूल पर्चे मौजूद थे। इस मामले में जांच और निरीक्षण के दौरान फार्मा स्टोर से डॉक्टर डॉ. चैतन्य प्रकाश मीणा देवली के नाम की संदिग्ध सील कई आरजीएचएस कार्ड धारकों का हिसाब-किताब लिखा हुआ पाया गया है तो वही रजिस्टर तथा कार्ड धारकों द्वारा सीधे मूल कार्ड देकर दवाइयां प्राप्त करने के साक्ष्य भी मिले

> ■ जांच रिपोर्ट के अनुसार फार्मा स्टोर द्वारा कार्ड धारकों एवं चिकित्सकों से मिलीभगत कर वित्तीय अनियमितताएं जमकर की गई है

है। जांच रिपोर्ट के अनुसार मामला यह सामने आया है कि फार्मा स्टोर द्वारा आरजीएचएस कार्ड धारकों एवं चिकित्सकों से मिलीभगत कर वित्तीय अनियमितताएं जमकर. की गई है ।

इस मामले में सहकारी उपभोक्ता प्रबंधक टोंक, फार्मासिस्ट आयुष नागर, मौके पर दवाइयां देते पाए गए है। इसको लेकर भरत नागर, विनोद शर्मा और शाहिल अंसारी के विरुद्ध हनुमान नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज हुई है। आरजीएचएस योजना में हुऐ गड़बड़ झाले की शिकायत.देवली चिकित्सालय प्रभारी डॉ. राजकुमार गुप्ता, के द्वारा दी गई है।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने शिक्षा संकुल में शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली

हर जिले के 2-2 पीएम विद्यालयों का गहन निरीक्षण करेंगे संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शिक्षा संकुल में शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। गत माह नई दिल्ली में पीएम विद्यालयों को लेकर आयोजित मुख्य सचिव सम्मेलन के फॉलोअप में आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव ने प्रदेश में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए

■ **मुख्य सचिव ने विद्यालय परिसरों में उपलब्ध स्थान एवं संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर बल दिया**

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों की समीक्षा की।

किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम विद्यालयों को आदर्श विद्यालयों के रूप में विकसित किया जाए ताकि उनके शैक्षिणक, प्रशासनिक एवं आधारभूत ढांचे को अन्य राजकीय विद्यालयों में भी प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। उन्होंने विद्यालय परिसरों में उपलब्ध स्थान एवं संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर बल दिया। साथ ही प्रदेश के सभी 41 जिलों में निगरानी को मजबूत करने के उद्देश्य से संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक जिले के 2-2 पीएम विद्यालयों का गहन निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारी विद्यालयों में रात्रि विश्राम कर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से संवाद स्थापित करेंगे। यह निरीक्षण कार्य आगामी 15 दिवस में पूर्ण कर इसकी समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की सीखने की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए मातृभाषा आधारित शिक्षण को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए अभिभावक-शिक्षक बैठकों में पिताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बालिकाओं के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त शौचालय सुविधा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए इस कार्य को समयबद्ध रूप से 8 मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ियों को स्कूलों के साथ सह-स्थान पर स्थापित किया जाए और इस कोलोकेशन के लिए पीएम गति शक्ति योजना का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

पंचायत परिसीमन को चुनौती देने वाली एसएलपी खारिज

■ **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तो इस स्तर पर मामले में दखल देना उचित व व्यावहारिक नहीं है**

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश में पंचायत चुनाव का रास्ता साफ करते हुए स्पष्ट किया है कि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया तय समय 15 अप्रैल 2026 तक पूरी कर ली जाए। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की खंडपीठ ने यह आदेश राजस्व ग्राम सिंहानिया सहित अन्य गांवों के निवासियों की एसएलपी को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है तो इस स्तर पर मामले में दखल देना उचित व व्यावहारिक नहीं है।

एसएलपी में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के 14 नवंबर 2025 के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें परिसीमन की प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरा करने और ग्राम पंचायत व निकायों के चुनाव एक साथ 15 अप्रैल 2026 तक कराने का निर्देश दिया था। ऐसा परिसीमन स्थानीय निवासियों के लिए प्रशासनिक व व्यावहारिक परेशानी पैदा करेगा और उन्हें पंचायत मुख्यालय पहुंचने में समस्या होगी। इसके जवाब में राज्य सरकार के एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देशानुसार परिसीमन की पूरी प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से पहले पूरी की ली गई है और राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियां बनाने का निर्देश दे दिया है। अब चुनाव प्रक्रिया आगे बढ चुकी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात की।

8700 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस, बागड़, सांगानेर रेलवे स्टेशन, इण्डिया गेट, मालपुरा गेट एवं सांगानेर बाजार, बड़ी चैपड़, रामगंज बाजार, सुरजपोल गेट, हीरा की मोरी, गांधी चैक सुरजपोल, गलता गेट, रेलवे स्टेशन रोड, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चैपड़, मिश्र राजा जी का रास्ता, खजाने वालों का रास्ता, बगरू वालों का रास्ता, मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 8 हजार 700 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 07 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस, बागड़, रेलवे स्टेशन रोड, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चैपड़, मिश्र राजा जी का रास्ता, खजाने वालों का रास्ता, बगरू वालों का रास्ता, मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

'डिजिफेस्ट उद्योग क्षेत्र में चुनौतियों के बीच अवसर तलाशने की अद्भुत क्षमता'

■ **डिजिफेस्ट से मिल रहा राज्य के स्टार्टअप और नवाचारो को वैश्विक मंच : उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा**

जयपुर। राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के अंतर्गत सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश: भारत का अगला प्लेटफॉर्म स्केलेबल टेक और इनोवेशन विषयक सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान ने तमाम भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद व्यापार, उद्योग और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज में चुनौतियों के बीच अवसर तलाशने की अद्भुत क्षमता है, जिसने उद्योग और व्यापार को नई ऊँचाइयाँ दी हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों ही पड़ोसी राज्य निवेश, नवाचार और सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ दोनों राज्य एआइ, टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर और आईटी सेक्टर में नए विकल्प के रूप में उभर रहे हैं, जिससे ये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए आकर्षक केंद्र बन चुके हैं। डॉ. यादव ने कहा कि दोनों राज्यों की वर्तमान सरकारों के बीच आपसी संवाद और समन्वय से जल बंटवारे पर सहमति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि भारत का अतीत गौरवशाली रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान युग भी स्वर्णिम युग बन रहा है, जहां प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी अपनी औद्योगिक नीतियों के माध्यम से औद्योगिक विकास के नए द्वार खोल रही है। राज्य में स्थापित हो रहे नए उद्योग रोजगार की व्यापक संभावनाएं सृजित कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट राज्य के डिजिटल नवाचार और उद्यिमता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्पष्ट विजन है कि डिजिटल तकनीक को सुशासन, रोजगार और आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। राज्य में ई-गवर्नेंस और डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह समिट सरकार, उद्योग और स्टार्टअप के बीच एक सेतु का कार्य कर रहा है।

सत्र में मध्यप्रदेश सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव दुबे ने मध्यप्रदेश में निवेश-अनुकूल वातावरण की जानकारी दी। उन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025, आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति, ड्रोन प्रमोशन एंड यूसेज पॉलिसी-2025, तथा स्पेस टेक्नोलॉजी एवं एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी पर प्रकाश डालते हुए निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

आत्मीय स्वागत समारोह हुआ

जयपुर। भारती खंडेलवाल को भारतीय जनता पार्टी, जयपुर शहर का मीडिया प्रभारी का दायित्व मिलने के उपलक्ष्य में सोमवार को वार्ड 133 में एक सादगीपूर्ण लेकिन अत्यंत भावनात्मक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाएँ एवं कार्यकर्ता भाई-बहन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर नव नियुक्त मीडिया प्रभारी का अभिनंदन किया।

सैन्य छावनी के बाहर होगी आर्मी डे परेड

जयपुर। 15 जनवरी को जयपुर के जगतपुरा महल रोड पर पहली बार सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर आर्मी डे परेड आयोजित की जा रही है। इससे पहले प्रैक्टिस के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल, टैंक, ड्रोन और रोबोटिक डॉग्स भी जवानों के साथ नजर आए।प्रैक्टिस के दौरान मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बई और राजपालयम जैसी स्वदेशी नस्लों के डॉग्स ने परेड अभ्यास किया।

15 जनवरी को परेड में इंडियन आर्मी की अलग-अलग बटालियन अपने टैंक, मिसाइल, ड्रोन तकनीक और आधुनिक युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी। परेड का सबसे बड़ा आकर्षण सेना के स्पेशल डॉग्स होंगे।

चश्मा लगाए स्वदेशी नस्लों के डॉग्स ने परेड अभ्यास किया

जगतपुरा महल रोड पर सोमवार को हुई प्रैक्टिस के दौरान इंडियन आर्मी में शामिल मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बई और राजपालयम जैसी स्वदेशी नस्लों के डॉग्स ने परेड अभ्यास किया। चश्मा लगाए मुधोल हाउंड ने खास तौर पर ध्यान खींचा, जिसे उसकी चुस्ती, फुर्ती और आक्रामकता के लिए जाना जाता है।

ये डॉग्स देश के संवेदनशील इलाकों और सीमाओं पर तैनात हैं। जयपुर में आयोजित आर्मी डे परेड में आम लोग पहली बार इन फौजी डॉग्स, आधुनिक सैन्य उपकरणों और सेना की तैयारियों को करीब से देख पाएंगे।

इस परेड की मुख्य रिहर्सल 9,11 और 13 जनवरी को सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जिसे आम लोग भी देख सकेंगे।

जल स्वावलंबन अभियान मोबाइल ऐप पर कर्मयोगी वाटरशेड मॉड्यूल लॉन्च

■ **पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान मोबाइल ऐप पर कर्मयोगी वाटरशेड मॉड्यूल लॉन्च किया**

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी की उपस्थिति में आज शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज सभागार मेंजलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान मोबाइल ऐप पर कर्मयोगी वाटरशेड मॉड्यूल लॉन्च किया।

दिलावर ने कहा कि विशेषज्ञों द्वारा निर्मित प्रशिक्षण वीडियो युक्त यह ऐप विभागीय कार्मिकों व अधिकारियों के लिए उपयोगी होगा और जल संरक्षण को नई दिशा देगा। यह जल स्वावलंबन की ओर एक सशक्त कदम है

उन्होंने इस अभिनव पहल के लिए सभी को बधाई दी।

उन्होंने मॉड्यूल निर्माण में सहयोग देने वाले 14 व्यक्तियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया।

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में ली जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे अभियांत्रिकी ढांचे, डीपीआर , गुणवत्ता, टेंडर, , आदि विषय वस्तुओं की एक सुलभ सरल भाषा में ट्रेनिंग मैटेरियल वीडियो के रूप में तैयार किया गया है। यह मटेरियल ई लर्निंग का भाग है जो , विभाग के यूट्यूब चैनल पर सर्व सुलभ रहेगा।

विभाग ने अभी तक 38 वीडियो विभिन्न विषय वस्तु पर तैयार कर पोर्टल पर अपलोड किए हैं। भारत सरकार की वेबसाइट के 13 वीडियो एवं आईआईटी रुड़की खड़गपुर आदि संस्थाओं के 77 वीडियो और विभाग द्वारा संपादित विभिन्न सफलताओं की कहानियां आदि इस प्लेटफार्म पर एक साथ उपलब्ध रहेगी ।

यह विभागीय अभियंताओं की क्षमता, दक्षता एवं जानकारी बढ़ाने में सहयोगी सिद्ध होगा, जिससे कार्य संपादन में सुगमता का गुणवत्ता में भी अभिवृद्धि होगी। जल संरक्षण एवं भू संरक्षण में अभिरुचि रखने वाले लाभान्वितों के ज्ञान वर्धन तथा जागरूकता पैदा करने में भी मिल का पत्थर साबित होगा। विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा जल एवं भू संरक्षण में प्रशिक्षण के लिए इस सामग्री का सीधा उपयोग भी किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि मिशन ज्ञान एवं आईपीसीए फाउंडेशन के साथ एक नॉन फाइनेंशियल करार एक वर्ष हेतु किया गया था। इसमें सेवानिवृत्त अभियंताओं के अनुभव एवं ज्ञान के साथ विभागीय अभियंताओं का निशुल्क सहयोग लिया गया है।

दिलावर ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0, ऑडिट पेरा तथा विभाग की अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

बैठक डॉ जोगाराम, शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज विभाग, मुहम्मद जुनैद, निदेशक, जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पतंजलि योगपीठ का 32वाँ स्थापना दिवस सम्पन्न

जयपुर/हरिद्वार। पतंजलि के32वें स्थापना दिवस पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव जी व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी ने योग, आयुर्वेद, स्वदेशी,सनातन धर्म,सनातन शिक्षा, सनातन चिकित्सा, सनातन अनुसंधान,सनातन कृषि, गौमाता एवं भारत माता की सेवा करते हुए परम वैभवशाली विकसित भारत के निर्माण हेतु समस्त ऋषि-ऋषिकाओं के वंशधरों से आव्हान किया। इस अवसर

■ **धीरे-धीरे पूरी दुनिया के80-90 लोग सनातन को फॉलो करेंगे : स्वामी रामदेव**

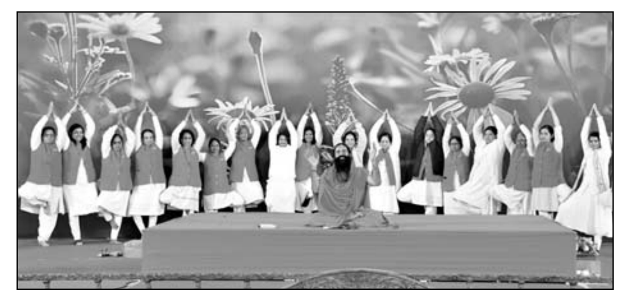

स्वामी रामदेव जी व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी ने योग करके स्थापना दिवस मनाया।

पर स्वामी जी महाराज ने कहा कि पतंजलि पतंजलि विश्व का सबसे पावन संस्थान व मानवता के लिए शुभ बन गया है। उन्होंने कहा कि पतंजलि की आत्मा सनातन की आत्मा है। उन्होंने पतंजलि के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से आव्हान किया किया कि योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म, सनातन शिक्षा, सनातन चिकित्सा, सनातन कृषि व्यवस्था व सनातन जीवन पद्धित को जीवन में गौरव दें और इसके द्वारा अपने भीतर असीम ज्ञान,अनंत-असीम भक्ति, अनंत-असीम प्रचंड सामर्थ्य को जागृत करें। सदा यह स्मरण रखें कि हम ऋषि-ऋषिकाओं के वंशधर हैं। हमारे जीवन से ऋषियों का ऋषित्व, देवों का देवत्व, ब्रह्म का ब्रह्मत्व, राम का रामत्व, भगवान कृष्ण का कृष्णत्व, हनुमान का हनुमत तत्व, शिवत्व वेद तत्व अभिव्यक्त हो।

स्वामी जी ने कहा कि जिस दिन पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड की फसल पूरी तैयार हो जाएगी,उस दिन हमारा रुपया डॉलर,पौंड,यूरो से ऊपर जाएगी। हमारी करेंसी की वैल्यू भारतीय जीवन पद्धित व भारतीय मानदंडों की वैल्यू,भारतीय संस्कृति-पर्व की वैल्यू और भारतीय पासपोर्ट की वैल्यू पूरी दुनिया में बढ़ जाएगी। दुनिया के200देश हमसे वीजा नहीं मांगेंगे।

उन्होंने कहा कि सनातन जीवन मूल्यों में श्रद्धा रखने वाले पूरी दुनिया के200-250करोड़ से ज्यादा लोग तैयार हो रहे हैं और धीरे-धीरे पूरी दुनिया के80-90 लोग सनातन को फॉलो करेंगे। हम सबको मिलकर भारत को ऐसा परम वैभवशाली देश के बनाना है।

सार-समाचार

कृष्ण चंद्र सहाय स्मृति सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर। सत्ता व सम्पत्ति से दूर रहने वाले गांधीवादी कृष्ण चन्द्र सहाय की 6 ठवीं पुण्य तिथि पर वरिष्ठ अधिवक्ता हाई कोर्ट राजस्थान प्रेम कृष्ण जी शर्मा की अध्यक्षता में राजस्थान समग्र सेवा संघ परिसर के गाँधी अध्ययन केंद्र के शारदा भवन में आयोजित समारोह में सहाय जी के गांधी विचार, चम्बल घाटी शांति मिशन, देहदान, जीवन भर अन्तिम व्यक्ति की मुक्ति को लेकर किये गये अविस्मरणीय अतुलनीय योगदान पर बड़ी संख्या में गांधीवादी विचारकों, समर्थकों, समाजसेवियों, साहित्यकारों, पत्रकारों आदि ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष, कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बी. एम. शर्मा,अकबरपुर कानपुर से पधारे विशिष्ट अतिथि किशन सिंह चौहान सहित अतिथिगण ने इस मौके पर गांधी विचार, आचरण, गांधी सत्याग्रह को समर्पित वरिष्ठ गांधीवादी श्रीसवाई सिंह जी को गांधी विचार के माध्यमों से की गई उनकी आविस्मरणीय एवं अतुलनीय सेवाओं हेतु फूल माला, बुकें, पटका, दुशाला, सम्मान पत्र,खादी जैकेट, व साफ़ा बांधकर कृष्ण चंद्र सहाय स्मृति सम्मान से विभूषित किया । कार्यक्रम में उमेश चंद्र शर्मा, गोपाल शरण पारीख, श्रीमती दुर्गा वर्मा, शोभना माहेश्वरी, कौशल सत्यार्थी, भुवनेश जैन, एस. एन. राव, नरेंद्र कुमार व्यास, मंगल देव पारीख, बसंत हरियाना, महावीर प्रसाद, भोजराज सिंह, आदि प्रमुख लोग मौजूद रहे।

संस्कृत विश्वविद्यालय में मकर संक्रांति पर रहेगा अवकाश

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में मकर संक्रांति पर अवकाश रहेगा। विश्वविद्यालय प्रवक्ता शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कुलपति प्रो. मदनमोहन झा ने अपने अधिकार के तहत वर्ष 2026 में तीन अवकाश घोषित किए हैं। 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 11 मार्च को शीतलाष्टमी और 14 सिंतबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश रहेगा। इस दौरान सभी शैक्षिणक और अशैक्षिणक कार्यालय बंद रहेंगे।

जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर। जयपुर के सुनियोजित विकास और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, जयपुर विकास प्राधिकरण ने राज्य की पहली लैंड पूलिंग योजना (शिवदासपुरा, बरखेड़ा, चंदलाई) के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्णय लिया है।जयपुर विकास आयुक्त ने जेडीए अधिकारियों के एक उच्च-स्तरीय दल को गुजरात के आधिकारिक दौरे पर जाने के निर्देश दिए हैं। यह दल गुजरात में सफलतापूर्वक चल रही लैंड पूलिंग योजनाओं का जमीनी स्तर पर अध्ययन करेगा। इसके अतिरिक्त, दल को यह जिम्मेदारी भी सौंपी गई है कि वे माननीय उच्च न्यायालय, गुजरात द्वारा लैंड पूलिंग से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया का विस्तृत विवरण एकत्रित करें, ताकि जयपुर की योजना में विधिक अड़चनों का त्वरित समाधान किया जा सके। लैंड पूलिंग योजना के प्रस्तुतीकरण और अब तक की प्रगति की समीक्षा हेतु सोमवार को जेडीए के मंथन सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक में निदेशक आयोजना, निदेशक अभियांत्रिकी-I, उपायुक्त (जोन 11/14) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

गुमशुदा की तलाश

जयपुर। रमजान कुरैशी पुत्र बब्बु खान निवासी मकान नं 533 नमक की मण्डी किशनपोल बाजार थाना कोतवाली जयपुर ने उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्टपेश कि है कि दिनांक 18.07.2024 से मेरा पुत्र अफजल कुरैशी उम्र 28 साल जाति कुरैशी मुसलमान निवासी मकान नं 533 नमक की मण्डी किशनपोल बाजार थाना कोतवाली जयपुर जिसकी मैनें हर सम्भव तलाश की है किन्तु कोई सुचना नहीं मिली।

मुख्यमंत्री से मिले बीजेपी एसटी मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष गोपीचंद मीणा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक गोपीचंद मीणा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। मीणा ने नई जिम्मेदारी मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश भर में जनजाति क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की पकड़ मजबूत करेंगे और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करते हुए आमजन को लाभ पहुंचाने के लिए काम करेंगे।

मीणा ने कहा कि भजनलाल सरकार ने 2 साल में उल्लेखनीय काम किए है। आगामी 3 साल के लिए मोर्चा की कार्य योजना पर चर्चा करते हुए कहा कि पुराने कार्यकर्ताओ को सक्रिय करेंगे और नए कार्यकर्ताओं को जोड़ेंगे। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में बूथ स्तर तक संगठन मजबूती से काम करेगा । आगामी 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ फिर से राजस्थान में सरकार बनाएगी।

कॉमिक कॉन में नज़र आये मजेदार व दमदार किरदार। सीतापुर स्थित जेईसीसी में तीन दिवसीय राज्य सरकार की एवीजीसी नीति के तहत डीजी फेस्ट के साथ आयोजित कॉमिक कॉन के प्रथम संस्करण में अंतर्राष्ट्रीय कॉमिक बुक के किरदारों को देखना रोमांच से भरपुर रहा।

ब्यावर और अजमेर सर्किल हुए डिफेक्टिव मीटर मुक्त

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम के बाद अब अजमेर डिस्कॉम ने भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त होने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। अजमेर डिस्कॉम के ब्यावर तथा अजमेर सर्किल डिफेक्टिव मीटर मुक्त सर्किल हो गए हैं।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विद्युत भवन में इन दोनों सर्किलों के अधीक्षण अभियन्ताओं को शून्य डिफेक्टिव मीटर सर्किल होने के प्रमाण पत्र सौंपे। नागर ने इस अवसर पर जयपुर डिस्कॉम के पांच सर्किलों -जयपुर जिला वृत्त-दक्षिण, अलवर, टोंक, डीग एवं धौलपुर के अधीक्षण अभियन्ताओं को भी शून्य डिफेक्टिव मीटर सर्किल होने के प्रमाण पत्र प्रदान किए। यह पांचों सर्किल दिसम्बर माह के अन्त में ही शून्य डिफेक्टिव मीटर सर्किल की उपलब्धि अर्जित कर चुके हैं। ब्यावर, टोंक तथा डीग वृत्त ने कृषि सहित सभी श्रेणियों में तथा अजमेर, धौलपुर, अलवर तथा जयपुर जिला वृत्त-दक्षिण ने सिंगल फेज शहरी, सिंगल फेज ग्रामीण तथा थ्री फेज (गैर कृषि) उपभोक्ताओं के खराब विद्युत मीटर बदलने में कामयाबी हासिल की है।ऊर्जा मंत्री ने सभी अधीक्षण

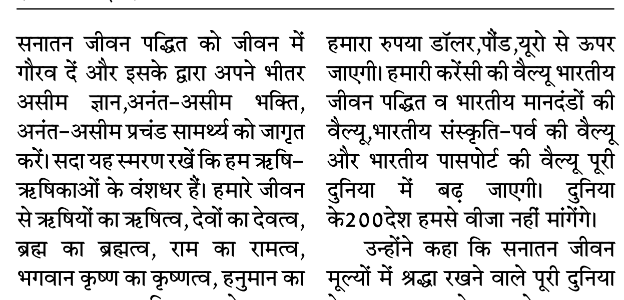

ऊर्जा मंत्री ने 7 अधीक्षण अभियन्ताओं को सौंपे प्रमाण पत्र।

अभियन्ताओं को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।अग्रणी राज्य बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। डिफेक्टिव मीटर की समस्या दूर होने से उपभोक्ता सेवाएं बेहतर होगीं और वितरण निगमों की दक्षता बढ़ेगी।

अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम भी अब खराब मीटर मुक्त होने के लिए मिशन मोड में आगे बढ़ें। बिलिंग में पारदर्शिता लाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। बीते एक वर्ष में जयपुर डिस्कॉम के अभियंताओं, तकनीकी एवं फील्ड स्टाफ ने कड़ी मेहनत, समर्पण, अनुशासन एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर गैर कृषि श्रेणी में सभी 18 सर्किलों को शून्य डिफेक्टिव मीटर मुक्त बनाया है। इससे अजमेर और जोधपुर विद्युत वितरण निगम को भी प्रेरणा मिली है।

इस सफलता को आगे भी बनाए रखा जाएगा। अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के.पी वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।शून्य डिफेक्टिव मीटर होने के बाद इन सर्किलों में उपभोक्ताओं को अब वास्तविक उपभोग के आधार पर बिजली बिल जारी किए जाएंगे। जिससे त्रुटिपूर्ण बिलिंग की शिकायतें कम होंगी।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
TUESDAY
06 January 2026
A-B

Apple Tree Day: Celebrate Health, Heritage, and Delicious Apples

Apple Tree Day highlights the health benefits of this beloved fruit. Originally celebrating a nearly two-century-old apple tree, the day now honours apples in all their glory. Participation is simple: Join local Apple Tree Day events featuring homemade apple treats like pies and cider, or host your own apple-themed gathering at home. Even without events nearby, you can celebrate by enjoying apples, sipping apple cider, or exploring apple-themed books. It's a fun, tasty way to connect with nature, community, and wellness.

#SUBLIME

Idli Is A Cloud...

It's a sublime creation, a delicate, weightless morsel of rice and lentil, steamed to an ethereal fluffiness that melts on the tongue

Someone on Twitter refered to the idli as 'steamed regret!' ....which prompted a quick response from Shashi Tharoor, which was quoted in a news article immediately.

"Poor soul has clearly never had a good one. A truly great idli is a cloud, a whisper, a perfect dream of the perfectibility of human civilisation," he wrote. He went on to add: "It's a sublime creation, a delicate, weightless morsel of rice and lentil, steamed to an ethereal fluffiness that melts on the tongue. With the right accompaniments, it is the culinary equivalent of a Beethoven symphony, a Tagore sangeet, a Husain painting, a Tendulkar century. To call such a thing 'regret' is to have no soul, no palate, no appreciation for the finest achievements of South Indian culture. I can only feel pity for you."

Idli Lovers India

Suspicion Didn't Stop Trade Even Then

W.L. Halsey, India's Commissioner of Customs, argued against Keith Abbott, Britain's consul-general in Odessa, who was disdainful of any tea trading from India, that it was the Chinese tea sold in Russia that was overpriced and attributed this to the high import duties imposed by the Tsarist government as well as the trade practices of Russian merchants. "They exported high-priced articles by a very expensive route, and could only dispose of them in barter, by allowing the Chinese to put on a correspondingly high value on their tea," he wrote.

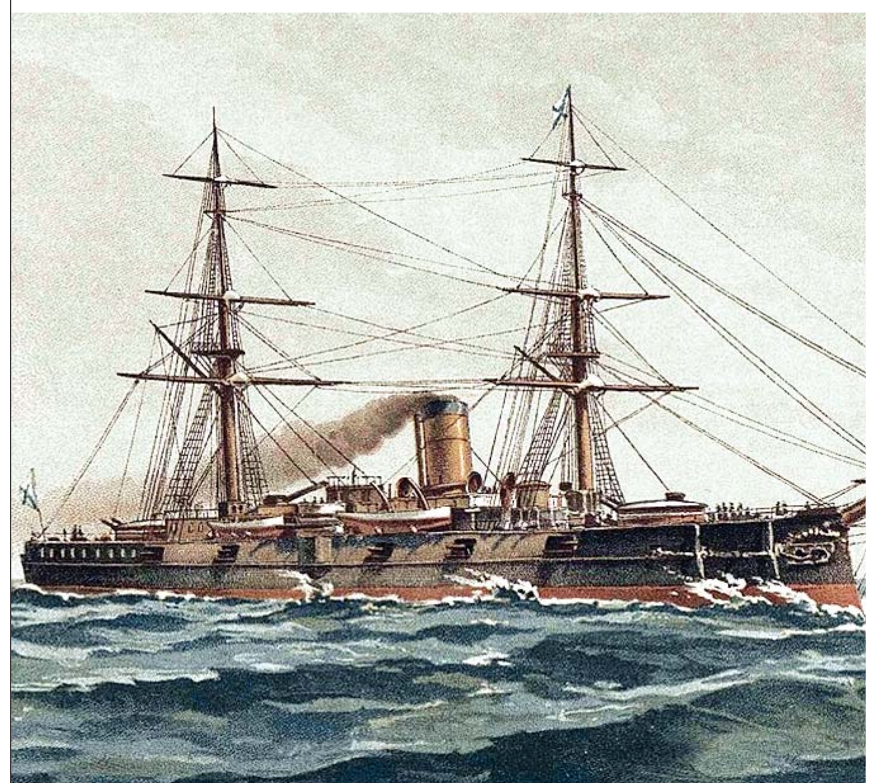

Russian Fleet (1892).

Rue Richelieu, Odessa.

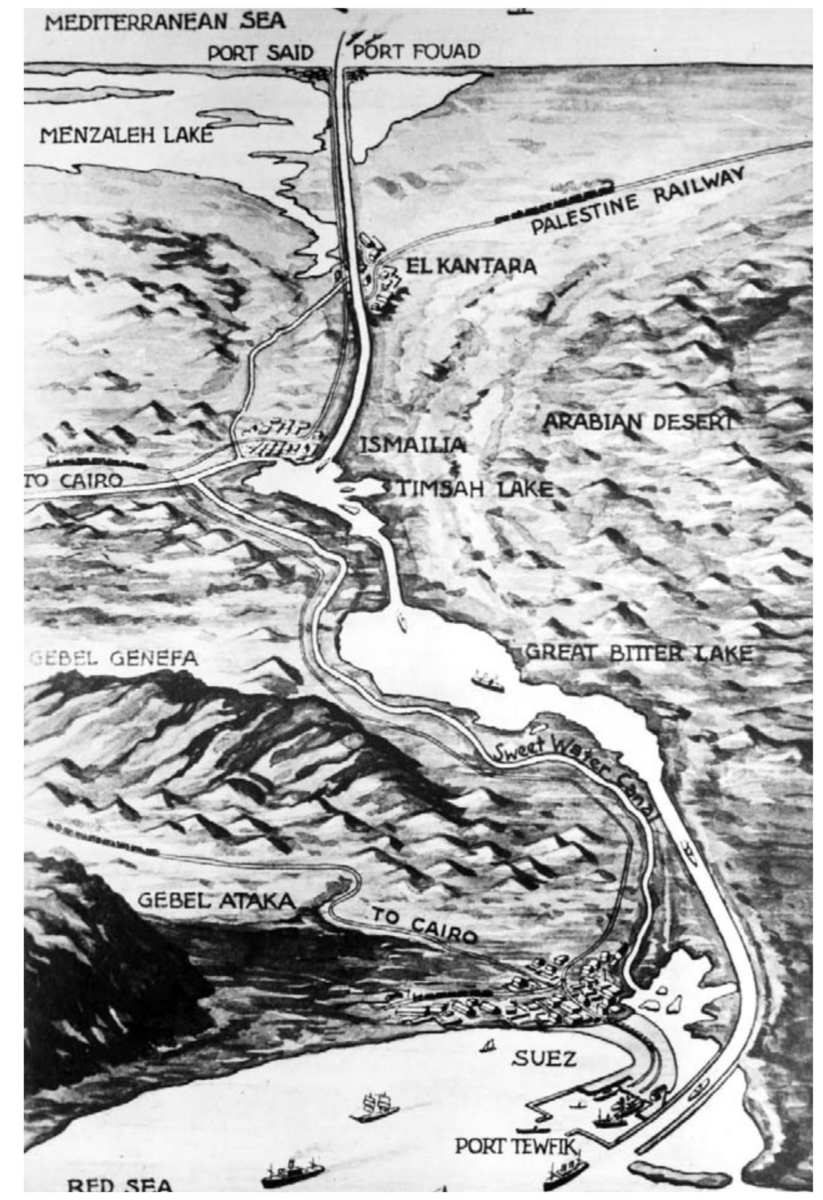

Suez Canal drawing, 1881.

● **Kshema Jatuhkarna**

Early trade between Bombay and Russia began with the 19th-century tea route, which saw Russian ships carrying coal to Bombay and returning with Indian goods like cotton and rice. A major shift occurred in 1886 when the first shipment of Russian kerosene arrived in Bombay, leading to the city becoming a key hub for distributing Russian oil across India and the wider region. This period also marked an effort by Russia to bypass British intermediaries to establish a more direct trading relationship, evidenced by their attempts to gather market intelligence and open a consulate in Bombay.

In March 1871, the 3,200-tonne steamship Nakhimoff departed from the Black Sea port of Odessa for a voyage to Bombay. It was a landmark journey made possible by the opening of the Suez Canal two years earlier, the ship would pass through major ports in the Mediterranean and Red Seas before heading towards India.

At the time, full diplomatic ties existed between the Russian and British Empires. Yet, relations were steeped in mutual suspicion. The 'Great Game' for dominance in Central Asia was at its height, and lingering resentment from the Crimean War still coloured their diplomacy. Consulates would often double as intelligence posts, with the British mission in Odessa serving chiefly as an observation point for Russian movements in the Black Sea region.

Despite this mutual distrust, there was interest on both sides in expanding trade. Before this, Indian goods had been making their way to Russia either via Britain or through Persia and the Caspian Sea, but these routes were slow and expensive. A direct sea passage promised faster and cheaper access and the Nakhimoff's voyage was an early attempt to establish that link.

The Nakhimoff carried coal to Bombay and returned with 4,539 bales of cotton and 520 packages of rice, coffee, gum and pepper. Around the same time, another Russian vessel, the Tchikatcheff, sailed to China with coal and returned with 34,245 chests of Chinese tea.

Keith Abbott, Britain's consul-general in Odessa, was less than enthused by the trade at first. In a letter to the Government of India's Foreign Department on November 22, 1872, he observed that Russia had 'absolutely no merchandise suited to (sell in) the markets of India or China.'

"The articles of exportation from this (country) consist chiefly of grain, flour, oil, seeds, wool, tallow, hemp, flax and hides, none of which would be suitable as cargoes for the Indian Seas," he wrote, "so…the difficulty at the very outset of the enterprise, appears to be, for the present, insurmountable."

#HISTORY

L'inauguration du Canal de Suez, 17 November 1869.

Suez Canal.

Abbott felt that while the return cargo on the Nakhimoff was promising, the outward voyage from Odessa, carrying coal primarily sourced from England, was commercially unviable, resulting in a 'dead loss.' The Russians disagreed with his analysis, it would appear. Pleased with the maiden voyage of the Nakhimoff, they continued dispatching it to Bombay, bringing back coconut oil, ginger, cloves, gum, among other goods, on subsequent trips.

An unconvinced Abbott tried to assess the profitability of the route but was thwarted, noting that the Russians were 'jealous of any inquiry into their affairs.' He suggested that profits might be improved if Russian ships carried British products to India after delivering grain to England, though he conceded that 'in the trial made this year, the result was not satisfactory, owing to freights in England being low.'

Familiar Disdain

In the 1850s, Russia's textile industry was booming, employing around a million people in Moscow, St. Petersburg and Vladimir. The mills relied heavily on American cotton, but the American Civil War disrupted supplies, pushing Russia to look towards India. Abbott wrote that most Indian cotton imports to Odessa served a single Moscow firm but expected the trade to grow as the route gained attention.

"An opening for the trade through this place having been found, I doubt not the advantage this route possesses will gradually attract general attention," Abbott wrote, "and…in time, the country will be largely supplied with the productions of India through Odessa."

Abbott's correspondence often revealed a familiar British disdain for Russian inefficiency. He described Russia's commerce as 'slow' and its entrepreneurs as lacking drive, noting that most manufacturers imported only what they needed for internal use. "In commerce, as in everything else, progress in Russia is very slow and commercial enterprise at a very low figure," he wrote.

He saw promise in cotton exports but was disappointed that another Indian product, which had made some Indians and Britons exceedingly rich, did not find a ready market in Russia. "Opium consumption in Russia is quite insignificant and only for medicinal purposes," he observed.

He was also oddly sceptical about the prospects of Indian tea. "The tea produced in India, and of which samples have been brought to this country, have not been liked," Abbott wrote. "Its strength is not appreciated in absence of a better flavour, and the cost is considered too high."

W.L. Halsey, India's Commissioner of Customs, took a different view. In a memorandum replying to Abbott's remarks, he contended that Indian tea was competitively priced. If it were indeed expensive, he observed wryly, "the tea planters of India would have great reason to rejoice."

Halsey argued that it was the Chinese tea sold in Russia that was overpriced and attributed this to the high import duties imposed by the Tsarist government as well as the trade practices of Russian merchants. "They exported high-priced articles by a very expensive route, and could only dispose of them in barter, by allowing the Chinese to put on a correspondingly high value on their tea," he wrote.

He believed Indian tea could compete easily with the Chinese variety, noting that Chinese tea took nearly 14 months to reach Central Russia. He did, however, agree that Russia lacked viable exports to make the Odessa-Bombay line sustainable. Without profitable cargoes, he wrote, "Odessa can only trade with India and China via England." He suggested channelling more Indian goods to Russia through Germany instead, which he described as a more 'natural outlet.'

New opportunities

On the whole, Abbott expressed disappointment with the limited success of trade between the great ports on the Black and Arabian seas.

"The direct trade which has been opened with India by Russian vessels cannot be termed a success, but it is understood to be partly supported by a subsidy or mileage which the Government grants as an encouragement to or means of forcing a trade forward under the Russian flag," he wrote. Without such support, he predicted, 'the trade may come to naught.'

If Russia were to abandon the route, he observed, English cargo ships might gain new opportunities, particularly following the Black Sea harvests. At the same time, he acknowledged one potential reason for Russians to continue with the sea trade: the 'development of coal fields in the country of the Don…may become an export of considerable consequence to countries in the circuit of the Mediterranean, and possibly even to the Indian seas.'

In a postscript, Abbott mused that "Odessa would be a very favourable point at which to develop a depot of Indian produce, particularly of cotton, indigo and Ceylon coffee, but no English house of commerce has existed here since the Crimean War."

Through the turn of the century, Bombay and Odessa remained linked by shipping lines. Russian bacteriologist Waldemar Haffkine, who was born in Odessa and famed for his cholera and plague vaccines, became a symbolic connection between the two cities. Their links deepened after Indian independence through naval, cultural and trade exchanges. India maintained a consulate in Odessa throughout the Soviet era but closed it following the USSR's collapse, when the city became part of independent Ukraine.

rajeshsharma1049@gmail.com

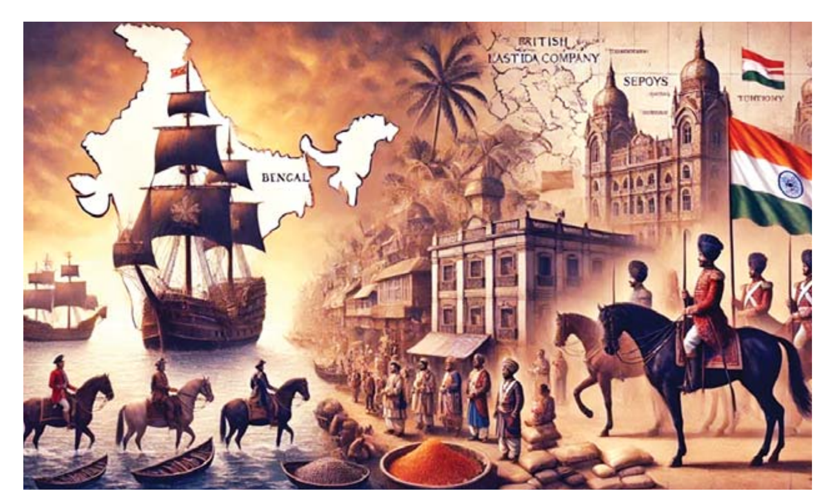

Symbolic historical illustration showing the transformation of the British East India Company from spice traders to rulers of India.

#SNACK

The History of Samosa

A Global Snack with Ancient Roots in Persia (Iran)

The samosa, a deep-fried pastry filled with a variety of ingredients such as spiced potatoes, peas, meat, and lentils, has become a beloved snack around the world. Whether served as a street food in South Asia, enjoyed at dinner parties in the Middle East, or found in supermarkets across the globe, the samosa's crispy exterior and flavorful fillings have earned it a spot in the hearts of food lovers everywhere. Behind its universal popularity lies a rich and complex history, one that stretches back centuries and spans continents.

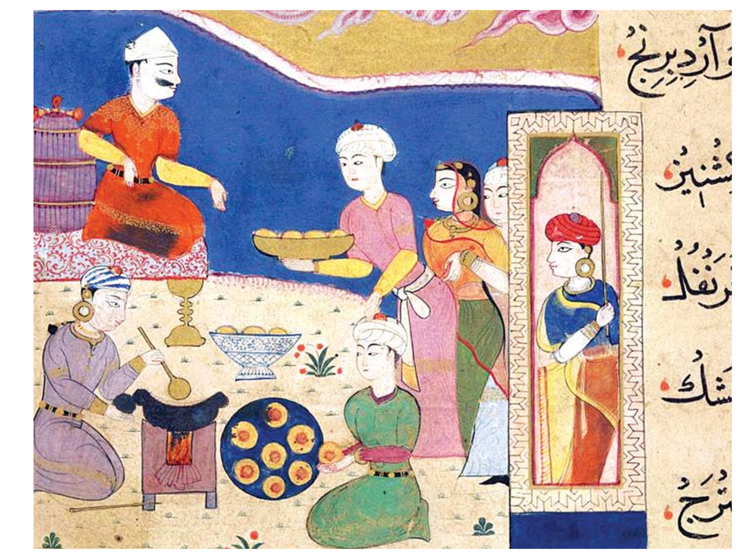

Origins in the Middle East

The story of the samosa can be traced to ancient Persia (modern-day Iran), where it was originally known as 'sanbosag' or 'sambusa.' It is believed that the dish was first created during the Sassanian Empire (224-651 AD). The Persian version of the samosa was likely a stuffed pastry filled with ground meat, such as lamb or beef, and spices, which was then deep-fried or baked. The name 'sambusa' is thought to derive from the Arabic word 'sambusaj,' which refers to the triangular-shaped pastry.

The samosa spread westward into the Arabian Peninsula and became a common dish in many Arab cultures, especially during festive times like Ramadan, when fried foods are consumed after fasting.

The Spread to South Asia

The samosa made its way to India during the Medieval period with the arrival of Central Asian and Persian traders and Mughal invaders. The Mughals, who ruled much of the Indian subcontinent from the 16th to the 19th centuries, are often credited with popularizing the samosa in South Asia, particularly in India and Pakistan.

In India, the samosa underwent a transformation. The traditional Persian filling of ground meat was adapted to suit local tastes and dietary restrictions. As vegetarianism is prevalent in India, the filling was often changed to a mix of potatoes, peas, and lentils, spiced with ingredients like cumin, coriander, garam masala, and chili powder. This vegetarian version became the popular samosa many are familiar with today.

However, the samosa's meat-filled versions, often with spiced lamb, chicken, or beef, remain common in regions like Pakistan, and in South Asian communities across the globe. The addition of meat and potatoes into the samosa filling reflects the dish's versatility and ability to adapt to different culinary traditions. The triangular shape of the samosa, often symbolizing the Mountains of the Himalayas, became more refined in South Asia, and the snack became a favorite of street vendors, especially in India, where small, bite-sized samosas are commonly sold as quick snacks.

The Samosa in Africa and Central Asia

As trade routes connected the Middle East, Central Asia, and the Indian subcontinent, the samosa spread to various other regions, including East Africa. The Swahili coast, which includes parts of Kenya, Tanzania, and Mozambique, became a key area where the samosa adapted to local tastes. In East Africa, the samosa is often filled with spiced meat such as beef, chicken, or lamb, and sometimes with potatoes, creating a delicious combination of meat and starch. It is a popular snack in street markets and at social gatherings.

In Central Asia, countries like Uzbekistan and Kazakhstan adopted the samosa, and it is known as 'samsa.' The Central Asian samsa is traditionally filled with ground meat, such as lamb or beef, and sometimes includes potatoes or onions. The pastry is often baked in a tandoor oven, giving it a distinct smoky flavor.

Globalization and the Samosa Today

The samosa's spread continued during the British colonial era in the 19th and early 20th centuries, when Indian laborers, traders, and immigrants carried the samosa with them to Southeast Asia, Africa, and the Caribbean. The samosa became an integral part of the cuisine in many parts of the Indian diaspora, from Mauritius to South Africa, and from Trinidad to Fiji.

In the United Kingdom, the samosa became popular with the Indian and Pakistani communities during the late 20th century. Today, samosas are a common snack at Indian restaurants, street food markets, and even in supermarkets, where they are sold frozen or premade.

In the United States and Canada, samosas have also found their place in the multicultural food scene, where they are often served as appetizers or snacks at parties, and filled with a wide range of ingredients from cheese to beans, spinach, and chicken.

THE WALL

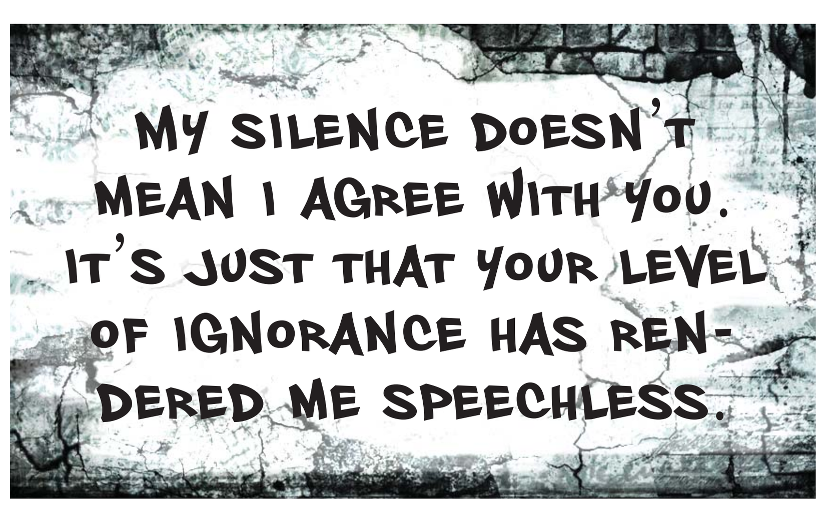

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

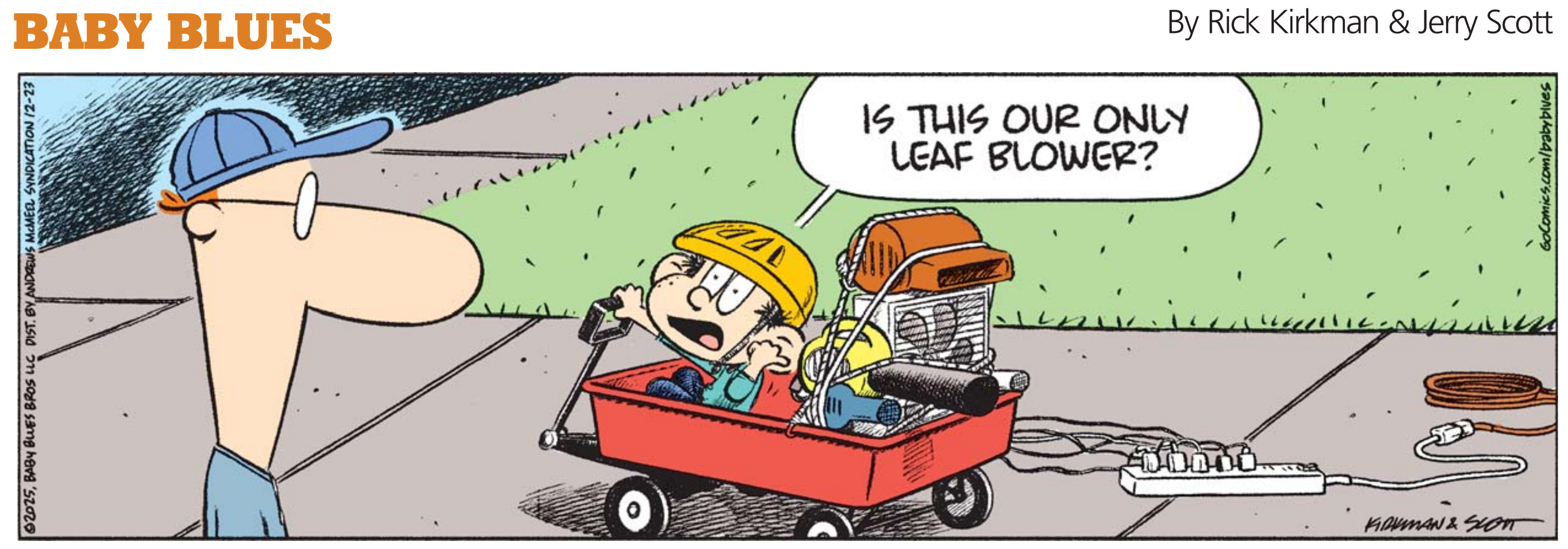

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

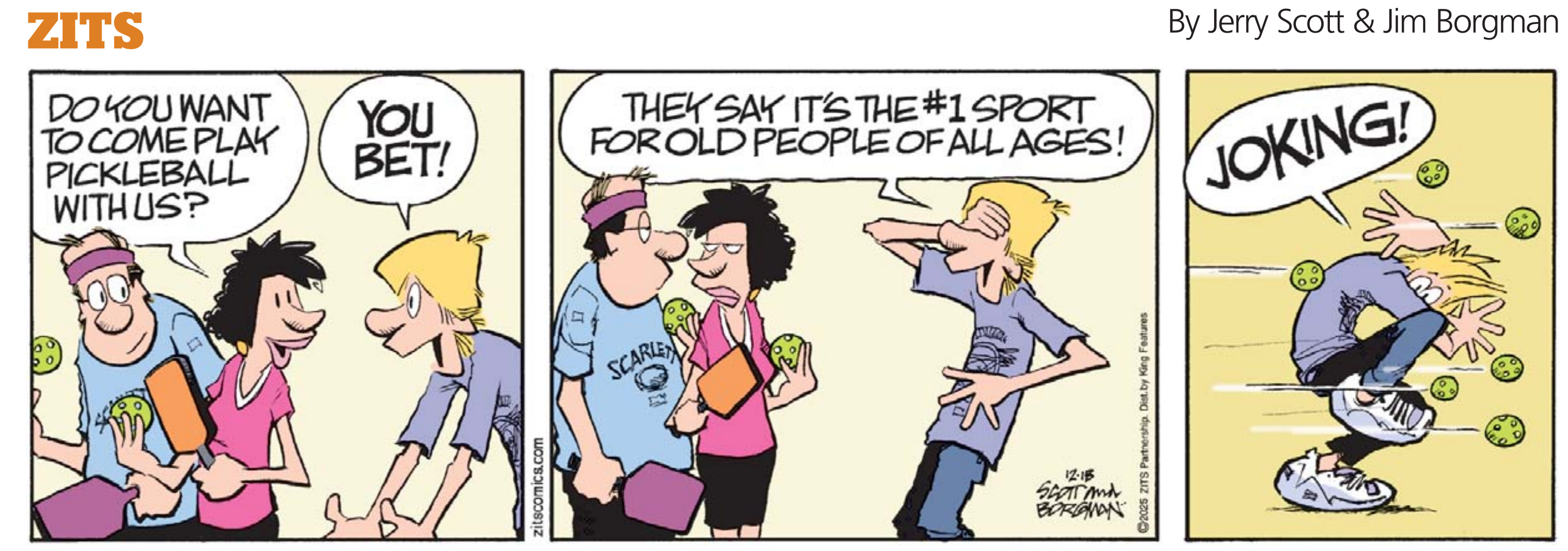

भीलवाड़ा : जमीन विवाद में की थी अधेड़ की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई अधेड़ की मौत मामले का पुलिस ने खुलासा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई एक मौत के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिसे पहले एक सड़क हादसा समझा जा रहा था, वह दरअसल जमीनी विवाद में रची गई एक साजिश निकली। पुलिस ने इस हिट एंड रन को मर्डर केस में बदलते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना 31 दिसंबर 2025 की रात करीब 9:30 बजे की है। लाम्बिया कलां निवासी 42 वर्षीय रामनारायण जाट अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह महाकाल फैक्टरी के पास पहुंचे, पीछे से आ रही एक ग्रे रंग की वरना कार ने उन्हें टक्कर मार दी। आरोपियों ने न केवल टक्कर मारी, बल्कि रामनारायण को घसीटते हुए एक बिजली के पोल से टकरा दिया और मौके से फरार हो गए। इस घटना में रामनारायण की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक के बेटे किशन ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि यह हादसा नहीं हत्या है। पुलिस जांच में यह सच साबित हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतक रामनारायण और आरोपी पक्ष के भंवरलाल जाट के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए

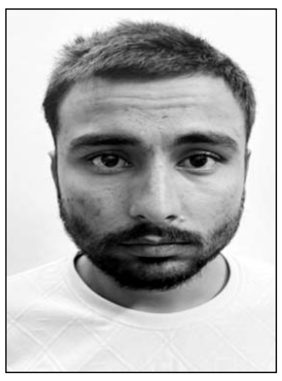

गिरफ्तार आरोपी

भंवरलाल के भांजे, आरोपी सत्यनारायण जाट ने अपने दोस्त कमलेश धाकड़ और मिठूलाल के साथ मिलकर प्लान बनाया। उन्होंने पहले रामनारायण की रेकी की और फिर प्लान के मुताबिक कार से कुचलकर उनकी हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। रायला थानाधिकारी मूलचंद वर्मा और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी। अनुसंधान में यह मामला गैर इरादतन हत्या का न होकर सुनियोजित हत्या का पाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सत्यनारायण (निवासी लाम्बिया खुर्द) को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल कार और अन्य फरार साथियों की तलाश अभी जारी है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

घर में घुसकर हमला किया, दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

- पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने भिखारी का वेश बना रखा था
- प्रकरण में तीन लोगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम की डीएसटी और प्रतापनगर सदर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो इनामी बदमाशों को पकड़ा है। दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर है। एक के खिलाफ प्रतापनगर सदर और दूसरे की सूरसागर थाने में हिस्ट्रीशीट खुली है। दोनों पर दस-दस हजार का इनाम घोषित हो रखा था। दोनों गत 15 दिसम्बर को जोधपुर में वारदात कर फरार हुए थे। प्रकरण में तीन लोगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों अभियुक्त पुलिस से बचने के लिए अपना हुलिया बदला और भिखारी जैसा रूप धर लिया था। बाल काटने के साथ भिखारी वेश धारण कर रखा था।

एडीसीपी वेस्ट रोशन मीणा ने बताया कि प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में गत 15 दिसम्बर को एक घर में घुसकर कुछ लोगों ने हमला किया था, जिसमें छेड़छाड़ भी शामिल थी। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, मगर दो मुख्य आरोपियों की पहचान संजय परिहार और मुकेश के रूप में हुई थी, जोकि वारदात के बाद से ही फरार थे। संजय परिहार प्रतापनगर सदर और मुकेश सूरसागर थाने के हिस्ट्रीशीटर है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की स्पेशल टीम डीएसटी प्रभारी मेहराज के नेतृत्व में लगाई गई। पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी दिल्ली भागे हैं और फरारी काट रहे हैं। इस पर पुलिस की टीम को रेल मार्ग से दिल्ली भेजा गया। दूसरी टीम को सड़क मार्ग से तलाश में लगाया गया। सर्दी के मौसम के बीच में बदमाशों ने अपना हुलिया भी बदल लिया था। दोनों से सिर के बाल कटवा रखे थे और भिखारीनुमा वेश धारण कर रखा था। पुलिस की टीमें इनका पीछा कर रही थी तब सूचना मिली कि दोनों जोधपुर रेलवे स्टेशन की तरफ आ गए हैं। जिस पर पुलिस जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंची तथा दोनों को दस्तयाब कर लिया।

किसान से 1.45 लाख की रिश्वत मांग रहा बिजली कर्मचारी गिरफ्तार

- आरोपी ने कृषि कुएं की वीसीआर के सेटलमेंट के नाम पर रिशत मांगी थी

बीकानेर, (निसं)। कृषि कुएं की वीसीआर के सेटलमेंट के नाम पर 1.45 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए बिजली कार्मिक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सहायक अभियंता ऊपनी कार्यालय में एसीबी सीआई महेंद्र कुमार मय टीम ने एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। एक तय राशि नगद लेने के बाद तीस हजार रुपए की रिश्वत ली जा रही थी। कार्रवाई चूरू एसीबी की टीम ने श्रीडूंगरगढ़ में की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसीबी के एडिशनल एसपी महावीर शर्मा ने बताया कि कृषि कुएं पर तीन लाख 54 हजार रुपए की वीसीआर को डेढ़ लाख रुपए में सेटल करवाने की बात हुई। आरोपी ने तीन लाख 54 हजार रुपए की जगह डेढ़

गिरफ्तार आरोपी

लाख रुपए में सेटल करवाने की बात कही। ज्यादा दबाव डाले पर एक लाख 45 हजार रुपए में सौदा तय हुआ।

इसमें आरोपी ने वीसीआर के बदले एक लाख 15 हजार रुपए का नोटिस भी जारी करवा दिया। वो ये राशि जमा करवाने के बाद शेष तीस हजार रुपए रिश्वत में लेने की कोशिश में था। टीम ने मौके से 1 लाख 45 हजार रुपए की राशि बरामद की है। आरोपी कार्मिक विनोद पूनियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसीबी टीम ने सहायक अभियंता ऊपनी कार्यालय में दबिश देकर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और रिश्वत की राशि जब्त की। फिलहाल पूछताछ जारी है।

देसूला गांव में जमीन विवाद गहराया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के देसूला गांव में जमीन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी के विरोध में सोमवार दोपहर दलित समाज और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने देसूला से पैदल मार्च रैली निकाली। रैली मिनी सचिवालय पहुंची, जहां कार्यकर्ता मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार विवादित जमीन को लेकर यूआईटी (अर्बन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट) का दावा है कि यह भूमि कब्रिस्तान की है, जिसकी नाप-तोल और पैमाइश कर सीमा ज्ञान पहले ही कराया जा चुका है। यूआईटी अधिकारियों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस जमीन से अतिक्रमण हटवाकर सीमाज्ञान किया गया था। हालांकि स्थानीय लोगों का इस पर विरोध है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जमीन को लेकर पहले भी गांव में विरोध हो चुका है। दलित समाज के प्रतिनिधि चौधरी जगदीश जाटव ने आरोप लगाया कि कुछ लोग देसूला की जमीन पर पहुंचे और उसे कब्रिस्तान बताते हुए धमकियां देकर जगह खाली करवा दी। उनका कहना है कि इसके बाद वहां मौजूद हरे पेड़ भी काट दिए गए। चौधरी जगदीश जाटव ने बताया कि इस मामले की पुलिस को सूचना दी गई और पटवारी से भी जानकारी ली गई।

उनका आरोप है कि यूआईटी द्वारा जमीन को कब्रिस्तान बताया जा रहा है, जबकि वहां कोई कब्रिस्तान की भूमि नहीं है, इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। साथ ही पेड़ काटने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा आरोप लगाए गए कि देसूला के सरपंच द्वारा वहां गोचर भूमि के पट्टे दिलवाए गए, जिसकी भी जांच होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जमीन पर बुलडोजर चलाने और हरे पेड़ काटने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

अलवर जिला अस्पताल की मेडिकल आईसीयू के बाथरुम की छत गिरी

बाथरूम के भीतर कोई मरीज या स्टाफ मौजूद नहीं था, बड़ा हादसा टला

- अस्पताल प्रशासन ने मेडिकल आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को दूसरी आईसीयू में सुरक्षित रूप से शिफ्ट कराया
- बताया जा रहा है कि छत गिरने से पहले किसी प्रकार की सीलन, दरार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी

अलवर, (निसं)। अलवर जिला अस्पताल की मेडिकल आईसीयू में उस समय हड़कंप मच गया, जब आईसीयू के बाथरूम की छत अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। गनीमत रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय बाथरूम के भीतर कोई मरीज या स्टाफ मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन तुरंत मौके पर आया और एहतियात के तौर पर मेडिकल आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को दूसरी आईसीयू में सुरक्षित रूप से शिफ्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि छत गिरने से पहले किसी प्रकार की सीलन, दरार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी। छत पूरी तरह ठीक हालत में थी और अचानक गिरने से सभी हैरान रह गए। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

इस मामले में जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डॉ. सुनील चौहान ने बताया कि मेडिकल आईसीयू की बाथरूम की छत अचानक गिर गई है। फिलहाल किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है, जो राहत की बात है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी तुरंत पीडब्ल्यूडी विभाग को दे दी गई है और जल्द ही छत की मरम्मत करवाई जाएगी। साथ ही अस्पताल भवन के अन्य हिस्सों की भी जांच कराई जाएगी, ताकि कहीं और कोई संभावित खतरा न हो। डॉ. चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच में छत गिरने का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। न तो सीलन और न ही किसी तकनीकी खामी के स्पष्ट संकेत मिले हैं। गंभीरता को देखते हुए जांच कराई जा रही है।

झुंझुनूं में नोएडा की युवती से अभद्रता, ड्राइवर व कंडक्टर गिरफ्तार

रोडवेज बस स्टैंड पर किराए को लेकर युवती के साथ हरियाणा रोडवेज बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने विवाद किया था

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर स्थित रोडवेज बस स्टैंड पर किराए को लेकर नोएडा निवासी 20 वर्षीय युवती के साथ हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने रात को करीब छह घंटे तक विवाद किया। परेशान युवती ने आधी रात को पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। तब तक विवाद शांत हुआ। वहीं झुंझुनूं कोतवाली पुलिस ने हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक नोएडा निवासी एक 20 वर्षीय युवती रविवार को दिल्ली से बीकानेर जाने के लिए हरियाणा रोडवेज बस में बैठी थी। यह रोडवेज दिल्ली से झुंझुनूं तक की थी। बस झुंझुनूं में रविवार शाम को करीब छह बजे पहुंच गई। सभी सवारियां भी चली गई, लेकिन हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने रात 12 बजे तक युवती को उसका सामान नहीं दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच किराए को लेकर विवाद था, लेकिन युवती अपना सामान लेने के लिए परेशान होती रही। रात को 12 बजे बाद युवती ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन पर अपने साथ अभद्रता की शिकायत करते हुए बताया कि हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर उसका सामान नहीं दे रहे हैं, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ना केवल युवती को उसका सामान दिलवाया, बल्कि युवती की रिपोर्ट पर महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल थाना इलाके के बापडोली गांव निवासी 40 वर्षीय कंडक्टर विपिन पुत्र राज सिंह जाट तथा महेंद्रगढ़ जिले के सिटी नारनौल थाना इलाके के नीरपुर गांव निसासी 47 वर्षीय ड्राइवर सुरेश पुत्र नेकीराम मेघवाल को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद युवती बीकानेर के लिए रवाना हो गई।

हरियाणा रोडवेज रविवार शाम को झुंझुनूं आई थी। पुलिस कार्रवाई के कारण रोडवेज बस भी सुबह रवाना नहीं हो पाई और दिनभर बस डिपो में खड़ी रही। देर शाम को दोनों ड्राइवर व कंडक्टर को जमानत पर छोड़ा गया। इसके बाद वे झुंझुनूं से रवाना हुए।

उदयपुर में झूठा प्रकरण दर्ज करने पर खटीक समाज का प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। दुकानदार के खिलाफ राजकार्य बाधा का झूठा प्रकरण दर्ज करने पर खटीक समाज के लोगों ने जिला कलैक्ट्री कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की तथा झूठा मुकदमा हटाने की मांग करते हुए जांच की मांग की।

अखिल भारतीय खटीक समाज एवं श्री खटीक समाज उदयपुर की ओर से सोमवार को जिला कलैक्ट्री कार्यालय के बाहर प्रदर्श कर अम्बामाता थाना पुलिस कांस्टेबल गोपालसिंह पुत्र फतहसिंह द्वारा रामपुरा चौराहे पर स्थित दुकानदार खटीक समाज के मुकेश खटीक के खिलाफ राजकार्य बाधा का प्रकरण दर्ज करवाने का विरोध करते हुए जांच की मांग की। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि 31 दिसंबर को नववर्ष की पूर्व संध्या पर रामपुरा चौराहा पर बेरिकेडिंग लगाने के लिए टेम्पो से मुकेश की दुकान के सामने से उतारने पर उसने आगे उतारने को कहा था। इसको लेकर सिविल ड्रेस में आए पुलिस के जवान ने जातिगत गाली-गलौच करते हुए मारपीट की तथा टेंपो में डालकर मुकेश को थाने ले आए, जहां कुछ समय बाद छोड़ दिया। दो दिन बाद कांस्टेबल गोपाल की रिपोर्ट पर मुकेश के खिलाफ राजकार्य बाधा का प्रकरण दर्ज कर दिया, जो सरासर गलत एवं झूठा हैं। पुलिस ने धमका कर जातिगत गाली-गलौच कर प्रकरण दर्ज किया है। समाज जनों ने उक्त मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

डूंगरपुर में चलती बाइक से गिरा युवक, मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के गडा रोदा गांव में एक युवक की चलती बाइक से गिरने से मौत हो गई। युवक को अचानक चक्कर आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी थाने के हेड कॉनि. ईश्वरलाल ने बताया कि गडा रोदा निवासी अशोक गमेती ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार अशोक अपने चाचा मोहनलाल के साथ बाइक से खेतों पर गया था। खेतों का काम खत्म करने के बाद वे वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान मोहनलाल को अचानक चक्कर आ गया। चक्कर आने से मोहनलाल चलती बाइक से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाया गयाए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मोहनलाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

निजी बस ने बाइक सवार व्यक्ति को कुचला

घटना के कुछ देर बस कंडक्टर और बाइक चालक के बीच बहस हुई थी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में सोमवार को एक निजी बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक व्यक्ति की टायर के नीचे आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस घटना से कुछ मिनट पहले ही इसी बस के कंडक्टर और बाइक चालक के बीच हलकी बहस हुई थी।

जानकारी के मुताबिक गुढ़ा रोड रेलवे फाटक पर ट्रेन आने के कारण फाटक बंद था। उसी वक्त एक निजी बस का कंडक्टर आया और पास खड़ी बाइक के चालक झुंझुनूं शहर निवासी किशोरीलाल कुमावत से बाइक साइड में लेने की बात कही। पीछे दयानंद कुमावत बैठा था। किशोरीलाल ने थोड़ी बाइक साइड में ले ली, लेकिन बस कंडक्टर बाइक को रॉन्ग साइड खड़ा करवाना चाह रहा था, जो किशोरीलाल ने मना कर दिया। इसके बाद जब फाटक खुला तो थोड़ी ही दूर किशोरीलाल की बाइक को उसी बस ने टक्कर मार दी, जिससे किशोरीलाल बाइक के साथ सड़क पर जा गिरा और दयानंद बस के पीछे के टायर के नीचे आ गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक तेज गति से बस चलाकर भगा ले गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां मेड़तनी बावड़ी के समीप रहने वाले 45 वर्षीय दयानंद कुमावत को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि किशोरीलाल को प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना की सूचना मिलने बीडीके अस्पताल पहुंचे निवर्तमान पार्षद अशोक प्रजापति व कुमावत समाज के प्रतिनिधि सुशील प्रजापति तथा अन्य ने शहर कोतवाल श्रवण कुमार नील से कार्रवाई की मांग करते हुए बस को जब्त और चालक-परिचालक को गिरफ्तार करने की मांग की है। कार्रवाई ना होने तक पोस्टमार्टम कराने से भी इंकार कर दिया। मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया।

करीब दो-तीन घंटे के विरोध के बाद कोतवाली पुलिस ने परिजनों व समाज के लोगों को जानकारी दी कि बस को जब्त कर लिया है और एफआईआर दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब पोस्टमार्टम हुआ। परिजनों व समाज के लोगों ने संभावना जताई है कि फाटक पर हुई बहस के बाद ही चालक और परिचालक ने जान बूझकर बाइक को टक्कर मारी है, जिससे दयानंद की जान चली गई है, लेकिन पुलिस की जांच के बाद सारी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। किशोरीलाल भवन निर्माण मिस्त्री है, जबकि दयानंद उसके पास ही हेल्पर का काम करता था। दयानंद के घर पर ही निर्माण चल रहा है, जिसके लिए दोनों ईंट लेने के लिए गुढ़ा रोड की तरफ बाइक पर आए थे।

गुड़ामालानी व धोरीमन्ना क्षेत्र को बाड़मेर में रखने की मांग

धोरीमन्ना, (निसं)। धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को बाडमेर जिले में ही रखने की मांग को लेकर धोरीमन्ना में सोमवार को धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमने 50 साल आगे की राजनीति की है। कांग्रेस कहती है कि धोरीमन्ना व गुडामालानी क्षेत्र को बालोतरा जिले में जोड़ने से लाखों लोगों को असुविधा में धकेलने का काम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने किया, ऐसा राग अलाप रही है। गुड़ामालानी विधानसभा के क्षेत्र की काट छांटकर अपनी सुविधा के अनुसार परिसीमन करके धोरीमन्ना व गुडामालानी के क्षेत्र को बालोतरा से जोड़कर समस्त जनता को 160 किलोमीटर की यात्रा करने को बाध्य कर दिया गया। साथ ही मांगता आडेल नोखडा तीनों पंचायत समितियां की एक जाति विशेष की बहुलता को देखते हुए मंत्री के के बिश्नोई ने अपने भविष्य को सुरक्षित कर लिया।

धोरीमन्ना व गुड़ामालानी क्षेत्र का आमजन हजारों सालों से बाडमेर के साथ जुड़ा हुआ है तथा मात्र 65 किलोमीटर दूर धोरीमन्ना क्षेत्र है। इसकी जगह 160 किलोमीटर की लंबी यात्रा करने को लोग मजबूर होंगे। नगर पालिका धोरीमन्ना से मात्र 3 किलोमीटर दूर लुखू गांव को नोखडा तहसील में जोड़कर उनको बालोतरा की जगह बाडमेर जिले में रखा गया है, जबकि धोरीमन्ना के पास लुखु निवासियों को भी भारतीय जनता पार्टी ने स्पेशल तोहफा दिया है कि वह 40 किलोमीटर दूर नोखडा तहसील से अपने आप को संबंध करें, जबकि धोरीमन्ना लुखू सीमा से 2 किलोमीटर दूर है उनको नोखडा तहसील से अटैच कर दिया गया। धोरीमन्ना के पास तीन किलोमीटर के अंतर में जिले बदल गए लगता है। राजनीति ने अपने लाभ के लिए समाज में भेद पैदा कर दो जातियों को आपस में तोड़कर आमने-सामने कर दिया है। साथ ही धोरीमन्ना व गुडामालानी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, पूर्व प्रधान ताजाराम, कांग्रेस जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गोदारा, मनोहर विश्नोई पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धोरीमन्ना, नाथाराम व नजीर खान, धोधेखान, हरखाराम भील, कुंभाराम प्रजापति, जवानाराम प्रजापति सहित गुडामालानी के विधानसभा क्षेत्र के कई कांग्रेस नेताओ ने ज्ञापन दिया। कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी भंवरलाल बिश्नोई को राज्यपाल के नाम से ज्ञापन दिया गया।

बस परिवहन व्यवस्था सुधारने की मांग : रेवदर में भारतीय जनता पार्टी सिरोही के जिला प्रवक्ता दीपेंद्र सिंह देवडा ने आमजन की समस्याओं को लेकर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, सिरोही आगार के मुख्य प्रबंधक को दो महत्वपूर्ण मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन में रेवदर क्षेत्र से उदयपुर के लिए नियमित सीधी बस सेवा प्रारंभ करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार एवं रोजगार के लिए प्रतिदिन बडी संख्या में यात्रियों का उदयपुर आवागमन रहता है, लेकिन सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पडता है। यदि रेवदर से उदयपुर तक नियमित बस सेवा शुरू की जाती है तो विद्यार्थियों, मरीजों, कर्मचारियों एवं व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा तथा परिवहन निगम की आय में भी वृद्धि होगी। ज्ञापन में रेवदर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सनवाडा में आने वाली एक्सप्रेस एवं लोकल बसों के लिए प्राथमिक बस स्टैंड निर्धारित करने की मांग की गई।

मेंगलवा में क्रिकेट प्रतियोगिता में मारपीट, एक घायल

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के मेंगलवा गांव में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में शरारती तत्वों द्वारा टेंट जलाने व मारपीट को लेकर सायला पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है।

जानकारी के अनुसार जसवंत पुत्र नृसिंह आचार्य निवासी मेंगलवा ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि ग्रामीणों द्वारा 1 से 4 जनवरी 2026 तक शीतकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया था जो प्रतियोगिता स्कूल के खेल मैदान में आयोजित की थी। प्रतियोगिता के दौरान 3 जनवरी 2026 को धीराराम पुत्र पारसाराम मेघवाल व केराराम पुत्र कालूराम भील निवासी मेंगलवा के विरुद्ध ग्रामीणों ने टेंट जलाने, गाली गलौज करने व ग्रामीणों को धमकी देने के संबंध में पुलिस में रिपोर्ट पेश की थी। जिस पर रविवार 4 जनवरी को प्रतियोगता के समापन समारोह के बाद शाम को सात बजे धीराराम पुत्र पारसाराम, पारसाराम पुत्र नौनजीराम मेघवाल दोनों इनोवा कार में सवार होकर तेज गति से चलाकर खेल मैदान में लेकर आए। गाडी से उतर कर वहां खडे मेरे छोटे भाई प्रकाश पुत्र नृसिंह व टैंट का कार्य करने वाले ओमाराम पुत्र अचलाराम जाति गवारिया, मफाराम पुत्र नरसिंह जाति भील निवासी कोडी हाल मेंगलवा के साथ मारपीट करने लगे। साथ ही धीराराम ने प्रकाश के नाक पर लाठी मारी, जिससे गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा तथा हाथ में चोट आई। खेल मैदान में खड़े शाबीर खान पुत्र पीके खां, रजाक खान पुत्र रसूल खान, शिवराज पुत्र खीमाशंकर आचार्य, रमेश कुमार पुत्र केसाराम प्रजापत निवासी मेंगलवा व अन्य लोगों ने बीच बचाव किया।

बाद में धीराराम ने गाड़ी में सवार होकर वहां खड़े ग्रामीणों को कुचलने के प्रयास में तेज गति से गाड़ी को दौड़ाया। अगर ग्रामीण वहां से नहीं भागते तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं घायल प्रकाश को सायला के सरकारी अस्पताल में लेकर आए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आगे रेफर किया। जिसका भीनमाल के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जसवंत ने रिपोर्ट में बताया कि उक्त सारी घटना मुझे प्रकाश व शाबीर खान ने बताई। धीराराम आदतन अपराधी प्रवृत्ति का है। रिपोर्ट में आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला व ग्रामीणों को कुचलने का मामला दर्ज करने की मांग की है।

मेंगलवा में क्रिकेट प्रतियोगिता में शरारती तत्वों द्वारा मारपीट करने, वाहन से कुचलने के प्रयास के मामले में ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है। उन्होंने एसडीएम सूरजभान विश्नोई को ज्ञापन देकर आरोपियों के विरुद्ध पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्यवाही की मांग की है, जिस पर एसडीएम विश्नोई ने उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

तीन स्थायी वारंटी गिरफ्तार : सरवाड़ पुलिस ने चार प्रकरणों में न्यायालय में स्थायी गिरफ्तारी वारंटों में फरार तीन मुल्जिमों को गिरफ्तार किया। वांछित अपरोधियों के धरपकड़ अभियान में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा जेएम न्यायालय सरवाड़ केकड़ी द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की पालना में लंबे समय से चार मुकदमों में वांछित तीन मुल्जिमों को गिरफ्तार किया गया। मुल्जिमों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने कानाराम पुत्र छोटू लाल निवासी सेदारिया पुलिस थाना भिनाय, रामधन पुत्र भीवडा बागारिया निवासी लल्लाई पुलिस थाना सरवाड़, हरीराम पुत्र रमडा गुर्जर निवासी गणेशपुरा थाना सरवाड़ से गिरफ्तार किया गया।

ग्राम पंचायत पुनर्गठन का विरोध, नगला बंजारा के ग्रामीणों का प्रदर्शन

आरोप है कि उनके गांव को हंतरा ग्राम पंचायत से हटाकर अरौदा ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है

भरतपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत के पुनर्गठन को लेकर के विरोध देखा जा रहा है। जिला कलैक्ट्रेट कार्यालय के बाहर नगला बंजारा गांव के ग्रामीणों ने आंखों पर काली पट्टी बांध अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि उनके गांव को हंतरा ग्राम पंचायत से हटाकर अरौदा ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है। उनकी मांग है कि उन्हें हंतरा ग्राम पंचायत में ही रहने दिया जाए। क्योंकि अरौदा ग्राम पंचायत काफी दूर है और लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जिला कलैक्टर को ज्ञापन देकर मांग कि है कि उनकी अगर मांग नहीं मानी गई तो वह आने वाले सभी चुनावों का बहिष्कार करेंगे।

कौशल फौजदार ने बताया कि नगला बंजारा हंतरा को ग्राम पंचायत हंतरा को अरौदा में जोड़ दिया गया है। इसे वापस हंतरा में जुडवाने के लिए जिला मुख्यालय पर ग्रामीणों की मांग है कि नगला बंजारा हंतरा ग्राम पंचायत हंतरा का भाग है एक गांव का आधा-आधा किसी भी पंचायत में नहीं जोड़ा जा सकता है। गांव हंतरा का नगला बंजारा हंतरा एक वार्ड है तथा विद्यालय, कृषि भूमि, अस्पताल सभी हंतरा में हैं जबकि ग्राम पंचायत पुर्नगठन में नगला बंजारा को ग्राम पंचायत अरौदा में जोड़ दिया है जो कि गलत है। नगला बंजारा को गांव अरौदा जाने के लिये कोई रास्ता भी नहीं है। अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो ग्रामीण प्रत्येक चुनावों का विरोध व बहिष्कार करेंगे।

बीकानेर के जोड़बीड़ एरिया में 15 से अधिक विदेशी प्रजातियों के गिद्ध पहुंचे

मंगोलिया, कजाकिस्तान और रूस समेत कई देशों से करीब पांच हजार किलोमीटर का सफर तय कर आए गिद्ध पक्षी जोड़बीड़ एरिया में पहुंचे

- बीकानेर का जोड़बीड़ वल्चर कंजर्वेशन सेंटर भारत के महत्वपूर्ण गिद्ध संरक्षण क्षेत्रों में गिना जाता है, इसे "गिद्धों का स्वर्ग" भी कहा जाता है
- यहां आने वाली प्रजातियों में यूरेशियन ग्रिफॉन, सिनेरियस वल्चर, इजिप्शियन ग्रिफॉन यहां सबसे ज्यादा हैं

बीकानेर, (निसं)। यहां शहर के पास इन दिनों दुनियाभर से आए गिद्धों (वल्चर) ने डेरा डाल रखा है। मंगोलिया, कजाकिस्तान और रूस समेत कई देशों से पाकिस्तान होते हुए करीब पांच हजार किलोमीटर का सफर तय कर आए ये पक्षी शहर के पास जोड़बीड़ एरिया में हैं। खास बात यह है कि पांच साल के भीतर यहां आने वाले गिद्धों की तादाद दोगुनी हो गई है। कोरोना काल यानी साल 2020 में यहां 4 हजार से ज्यादा गिद्ध आए थे। इस बार इनकी संख्या करीब 10 हजार तक पहुंच गई है।

बीकानेर का जोड़बीड़ वल्चर कंजर्वेशन सेंटर भारत के महत्वपूर्ण गिद्ध संरक्षण क्षेत्रों में गिना जाता है। ऐसे पक्षियों के लिए सुरक्षित होने के कारण इसे "गिद्धों का स्वर्ग" भी कहा जाता है। सर्दी के मौसम में यहां मध्य एशिया और यूरोप से सिनेरियस वल्चर भी पहुंच रहे हैं। इन्हें दुनिया के सबसे बड़े गिद्धों में गिना जाता है। हिमालयन ग्रिफॉन के अलावा लाल सिर वाला किंग वल्चर भी दिखाई दिया है। इसके अलावा पीली चोंच वाला इजिप्शियन वल्चर, लाल सिर वाला किंग वल्चर जैसी प्रजाति भी यहां मेहमान के रूप में आए हैं। जोड़बीड़ के करीब 50 बीघा एरिया में संरक्षण केंद्र बनाया गया है, जहां गिद्धों को सब कुछ मिल रहा है। शहरभर में मरने वाले आवारा पशुओं को यहीं पर फेंका जाता है। इन गिद्धों के लिए सबसे बेहतर भोजन यही है। प्रशासन ने मृत पशुओं की चमड़ी उतारने का ठेका भी दिया है। ऐसे में वल्चर को यहां भोजन आसानी से मिलता है और कठोर चमड़ी तोड़नी नहीं पड़ती। इसी कारण ये वल्चर करीब 4 से 5 हजार किलोमीटर की दूरी तय करके बीकानेर आते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक यूरो-एशिया जोन के देशों में भारी बर्फबारी होती है। ऐसे में ये पक्षी उड़कर कम ठंड वाले इलाकों में आते हैं। इन देशों में अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, चाइना, जॉर्जिया, ईरान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, यूनाइटेड अरब अमीरात, मंगोलिया, पाकिस्तान, रशियन फेडरेशन, सऊदी अरब, श्रीलंका, यूनाइटेड किंगडम, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, इराक, म्यांमार, नेपाल, ओमान, कतर, कुवैत, किर्गिस्तान, मालदीव, यमन सहित अन्य देशों के गिद्ध भी जोड़बीड़ क्षेत्र में देखे गए हैं। खाने और अनुकूल मौसम की तलाश में यह रूस जैसे देशों से अफगानिस्तान से होते हुए पाकिस्तान के रास्ते भारत में प्रवेश करते हैं, जिन्हें बीकानेर के जोड़बीड़ में भरपूर भोजन मिलता है। दुनियाभर में गिद्धों की करीब 23 प्रजातियां है, जिनमें से जोड़बीड़ पर 15 से अधिक प्रजातियों के गिद्ध पहुंचे हैं। इनमें हिमालयन ग्रिफॉन, इजिप्शियन वल्चर, टोनी ईगल, येलो आइड पिजन, स्टेपी ईगल, यूरेशियन हूपो, लेगर फाल्कन, व्हाइट इयर्ड बुलबुल, कॉमन बेबलर, बैंक रेड स्टार्ट, लिटल आईग्रेट, सिनेरियस वल्चर, रोजी स्टर्लिंग, कॉमन मैना, डेजर्ट व्हीटर, ग्रे फ्रेंकोलिन, लाफिंग डव, ईयोरियल ईगल खास तौर पर शामिल है।

गुजरात से स्टडी के लिए आए रिसर्चर मितुल देसाई ने बताया कि यहां आने वाली प्रजातियों में यूरोशियन ग्रिफॉन, सिनेरियस वल्चर, इजिप्शियन ग्रिफॉन यहां सबसे ज्यादा आ रहे हैं। यहां इजिप्शियन वल्चर तो स्थानीय है, लेकिन शेष सभी विदेशी हैं। विदेशी पक्षी फरवरी के बाद वापस अपने देश चले जाएंगे। बीकानेर की व्यवस्था पूरे देश में एक उदाहरण है। ऐसा ही काम पूरे देश में होना चाहिए। ईको सिस्टम की सबसे टॉप चेन 'वल्चर' ही हैं।

पूर्व उपवन संरक्षक और जोड़बीड़ के प्रभारी रह चुके रामनिवास कुमावत के अनुसार जोड़बीड़ को वन विभाग ने साल 2008 में रिजर्व और कंजर्वेशन एरिया घोषित किया था। इसके बाद से क्षेत्र में गिद्धों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। व्हाइट बैक वल्चर, किंग वल्चर भी देखने को मिल रहे हैं, जो लुप्त होने की कगार पर हैं। इनके अलावा दूसरे वल्चर भी बड़ी संख्या में आते हैं। व्हाइट ईगल भी देखा गया है। सफेद बगुले भी बड़ी संख्या में आते हैं।

बीकानेर के जनसंपर्क अधिकारी और पक्षी प्रेमी सुरेश बिश्नोई ने बताया कि इस सेंटर को बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है। आज भी जब यहां सैकड़ों पर्यटक आ रहे हैं। प्रयास किए जाएं तो संख्या बढ़ सकती है। एक साथ इतनी प्रजातियों के वल्चर देखना रोमांचक है। बीकानेर के जोड़बीड़ कंजर्वेशन एरिया में मृत पशुओं को फेंका जाता है। ऐसे में गिद्धों को यहां भरपूर खाना मिलता है।

हर साल 5 जनवरी को भी "राष्ट्रीय पक्षी दिवस" के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत मुख्य रूप से अमेरिका से 2002 में हुई थी, लेकिन अब भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्रकृति प्रेमी इस दिन पक्षियों के अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसमें किसी पक्षी की बजाय सभी पक्षियों के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है।

रुदावल में अवैध खनन में लगी चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त, चालक गिरफ्तार

- आरोपी बंशी पहाड़पुर क्षेत्र से अवैध खनन कर सैंड स्टोन लेकर आ रहे थे

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सैंड स्टोन भरकर ला रही चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर चार चालकों को गिरफ्तार किया है।

रुदावल थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि आईजी कैलाश चंद बिश्नोई एवं पुलिस अधीक्षक दिगन्त आनंद द्वारा अवैध खनन पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिराम कुमावत एवं वृताधिकारी नीरज भारद्वाज के सुपरविजन में एसएचओ नरेश शर्मा के नेतृत्व में चार पुलिस टीमें गठित की गई। चारों टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध खनन कर सैंड स्टोन से भरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया। इस दौरान ट्रैक्टर चालकों में महेश लोधा लखनपुर, राजेंद्र गुसाईं निवासी नगला गुसाईं, धारासिंह लोधा निवासी लखनपुर, वीरीसिंह कुशवाहा निवासी खेड़ाठाकुर को गिरफ्तार किया गया। एसएचओ नरेश शर्मा ने बताया कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में अवैध खनन माफियाओं की गतिविधियों को लेकर शिकायतें मिल रही थी। इसी के चलते पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बंशी पहाड़पुर क्षेत्र से अवैध खनन कर सैंड स्टोन लेकर आ रहे थे। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच एवं पूछताछ शुरू कर दी है।

हादसे में महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। सायरा थाना क्षेत्र में पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सायरा थाना क्षेत्र के वरवाड़ा हाइवे पर पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार ओड़ों का गुड़ा पानेर सायरा निवासी देवली बाई (57) पत्नी मानसिंह गंभीर घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। देवली बाई तबीयत खराब होने पर रविवार दोपहर में अपने पोते वाघसिंह के साथ बाइक पर घर से चिकित्सालय जा रही थी, जहां बीच रास्ते में वरवाड़ा हाइवे पर हादसा हो गया। हेडकांस्टेबल नरेन्द्रसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

RAJASTHAN STATE GANGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED
(Centre of Excellence for Revenue Research & Analysis) पुराना, जयपुर-302004
Tel: 0141-2740841, Fax: 0141-2740676, Email ID: dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in
NIB No.:- RSGSM/ENA/RC/2025-26/Pur/30 Dated:- 02/01/2026
NOTICE INVITING BID
Bids for ENA are invited from interested bidders up to 6.00 p.m. of 27.01.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; http://excise.rajasthan.gov.in/ departmental website.
UBN: GSM2526GLRC00105
Raj.Samwad/C/25/17104 Dy. General Manager (Purchase)

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा सूचना
विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी फर्नीचर क्रय हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GLOB00052 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/17109 वित नियंत्रक

Office Of The Municipal Board Malpura District Tonk (Raj.)
Sr.No. NPM/2025-26/3828 Date :- 31-12-2025
Notice Inviting Bid
Nagar Palika Malpura Bids For 51/2025-26 Nib No DLB2526A9774 of subject matters of procurement are invited from interested bidders Last Submission End Date 12.01.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.rajasthan.gov.in)
Bid – DLB2526GLOB29093, DLB2526GLOB29094, DLB2526GLOB29096
Executive Officer
Raj.Samwad/C/25/17074 Municipal Board Malpura

जोधपुर में हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट से बताया जा रहा है

- आग को बुझाने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा दमकलें लगी
- आग से फैक्टरी मालिक का मकान और एक पड़ौसी का घर दरक गया

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र सालावास रोड पर एक बस्ती में आई हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में आधी रात को भीषण आग लग गई। आग शॉर्ट सर्किट से लगना बताया जाता है। आग को बुझाने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा दमकलें लगी। तकरीबन तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से फैक्टरी मालिक का मकान और एक पड़ौसी का घर भी दरक गया। फैक्टरी के आस पास बस्ती होने से बड़े जानमाल के नुकसान को बचा लिया गया।

बासनी फायर स्टेशन प्रभारी अधिकारी प्रशांत सिंह ने बताया कि रात पौने चार बजे सूचना मिली थी। सालावास रोड पर कुम्हारों का बास आया है। यहां पर बनी एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में आग लगी है। इस पर बासनी से पहले एक गाड़ी भेजी गई, मगर आग की विकरालता को देखते हुए दो और गाड़ियां फिर शास्त्रीनगर से दो, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड से दो और नागौरी गेट से भी दमकल को बुलाया गया।

फायर ऑफिसर प्रशांत सिंह ने बताया कि फैक्टरी का मालिक कालूराम प्रजापत है। आग से उसका घर और एक अन्य मकान को भी नुकसान पहुंचा है। फैक्टरी बस्ती क्षेत्र में आई है। हालांकि आसपास की बस्ती को चपेट में आने से बचा लिया गया है। आग से फैक्टरी में कच्चा और तैयार माल जलकर नष्ट होने के साथ मशीनरी को नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना फैक्टरी मालिक बता रहा है। इसमें कोई फायरमैन हताहत नहीं हुआ है।

प्रशांत सिंह ने बताया कि रात को लगी इस आग के कारण उसके मालिक कालूराम को नोटिस की सिफारिश नगर निगम से की गई है। वहां पर कोई फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं था। इसके अलावा जोधपुर में ऐसी तकरीबन दो हजार फैक्ट्रियों के मालिकों को नोटिस जारी करवाए गए हैं। बासनी प्रथम, द्वितीय चरण और पाली रोड पर आई कई फैक्ट्रियों में फायर सिस्टम नहीं है, जोकि कभी बड़े हादसे का सबब बन सकते हैं।

स्विफ्ट कार असंतुलित होकर पलटी, हादसा टला

- कार में पांच जने सवार थे, हादसे में सभी को मामूली चोटें आई

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा से झालावाड़ की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार सोमवार को कमलपुरा क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर पुलिया के पास अचानक असंतुलित होकर पलटी खा गई। कार में पांच जने सवार थे। हादसे में सभी को मामूली चोटें आई, लेकिन किसी को गंभीर नुकसान नहीं हुआ। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से बच गया। हादसे के बाद कार सड़क से नीचे जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही दरा की नाल हाईवे पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और प्राथमिक सहायता दिलाई गई।

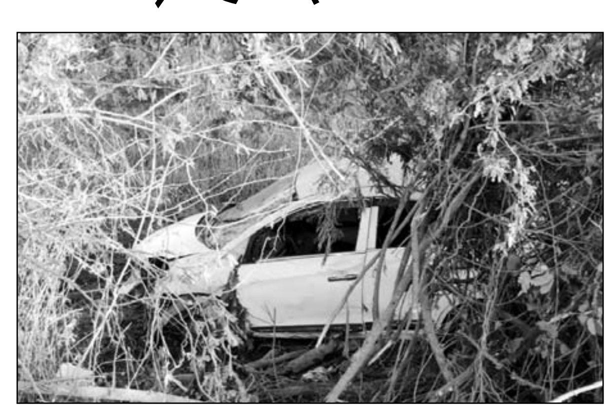

कोटा के कमलपुरा क्षेत्र में अनियंत्रित होकर कार पलट गई।

पुलिस उप अधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि फिलहाल दरा की नाल जंगल क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर किसी प्रकार का जाम नहीं है। पुलिस बल मौके पर तैनात है और यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। पुलिस की तत्परता से स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पा लिया गया और आवागमन शांतिपूर्ण तरीके से जारी है।

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)
क्रमांकः- न.पा.ब./2025-26/826 दिनांक :- 30.12.2025
:: E- Notice Inviting Bid ::
Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (02) Date 30.12.2025 invited form interested bidders Date 09.01.2026 Upto 6:00 AM And Work (01) Date 30.12.2025 invited form interested bidders Date 14.01.2026 Upto 6:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.
UBN CODE :- DLB2526WSOB28886, DLB2526WSOB28888, DLB2526WSOB28874.
Raj.Samwad/C/25/17084 Executive officer

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
ई-निविदा सूचना संख्या-16 (2025-26)
केन्द्र / राज्य सरकार के विभागों एवं रा.रा.वि.प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत / मान्य व अनुभवी निविदाकारों से ई निविदा सूचना संख्या-16 (2025-26) के क्र0 सं0 01 अधिशाषी अभियन्ता द्वितीय (सिविल), रा0रा0वि0प्र0नि0लि0 बीकानेर व क्र0 सं0 02 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्र0नि0लि0 हनुमानगढ़ के अन्तर्गत कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in & www.rvpn.co.in पर देखा जा सकता है।
UBN: VPN2526WSOBO2521, 2517 अधीक्षण अभियंता (सिविल), बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/17101 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7325/2026

Rajasthan Financial Services Delivery Limited
3rd Floor, B-Block, Vitta Bhawan, Janpath, Jaipur-302005 (Raj.)
e-mail id: rfsdl@rajasthan.gov.in
File No. :- F.1(21)/RFSDL/2025 Date :- 02/01/2026
NOTICE INVITING BIDS
(NIB - 04/2025-26)
Bid for Empanelment of Consulting Firms for Enhanced Quality Assurance and Project Delivery by RFSDL is invited from interested bidders up to 06.00 PM on dated 03.02.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in) of the State and RFSDL website (https://rfsdl.rajasthan.gov.in). The approximate value of the procurement is INR 3 Crores. UBN Number: FGT2526SLOB00019
Raj.Samwad/C/25/17114 Executive Director (Adm.)

सांचोर से जयपुर जा रही बस खाई में गिरी, तीन की मौत, एक दर्जन लोग घायल

- पुलिस के अनुसार निजी ट्रैवल्स बस में करीब 45 सवारियां भरी हुई थी
- बस में सवार यात्रियों ने बताया कि बस का ड्राइवर नशे में लग रहा था

आहोर, (निसं)। सांचोर से जयपुर जा रही निजी ट्रैवल्स बस बीती रात आहोर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 325 पर उम्मेदपुर के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में एक दंपती सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को आहोर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां दस गंभीर घायलों को उच्च अस्पताल में रैफर किया गया। वहीं तीन यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद बस में सवार सवारियों में चीख पुकार मच गई। साथ ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।

हादसे की सूचना पर आहोर थानाधिकारी करणसिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को रोगी वाहन के जरिये आहोर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल प्रभारी डॉ. पीएम मुणोत के मुताबिक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हुई है तथा 13 लोग घायल हुए है। इसमें से 10 की हालत गंभीर होने से उन्हें आगे रैफर किया है। पुलिस के अनुसार बस में करीब 45 सवारियां भरी हुई थी। सांचोर के लियादरा निवासी एक बुजुर्ग दंपती फगलूराम व उसकी पत्नी हाऊदेवी की बस के नीचे दबने से मौत हो गई है। वहीं भरतपुर के बयाना निवासी अमृत जाटव ने जालोर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि बस का ड्राइवर नशे में लग रहा था और बहुत तेज गति में भी पान-मसाला का गुटखा बना रहा था। उसी दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस ने करीब आधा दर्जन जेसीबी मशीन व अन्य उपकरणों की मदद से बस में फंसी सवारियों को बाहर निकाला।

आहोर थानाधिकारी करणसिंह ने बताया कि बुजुर्ग दंपती का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है, वहीं अमृत जाटव के शव का पोस्टमार्टम कल किया जाएगा। बस का चालक भी शीघ्र ही पुलिस की हिरासत मे होगा। आहोर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लापता युवक का शव कुएं में मिला

उदयपुर, (कासं)। सायरा थाना क्षेत्र में गत दिनों लापता हुए युवक का शव कुएं में मिला। सायरा थाना क्षेत्र सुआवतोंका गुड़ा के समीप कुम्हारवास गांव में बीवाला वड़ा अमृतलाल ब्राम्हण के कुएं में अज्ञात शव होने की सूचना मिली।

सूचना पर इस पर एएसआई राजेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू टीम की मदद से शव को बाहर निकाला। जहां मौजूद लोगों ने एवं जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार मृतक की शिनाख्त सुहावतों का गुड़ा निवासी तारांचद पुत्र नौकाराम मेघवाल के रूप में शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी तथा मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। तारांचद इधर-उधर घूमता रहता था एवं कभी-कभार घर पर जाता था। गत कई दिनों से वह घर नहीं गया था, जिसका शव कुए में मिला जो पूरी तरह सड़ चुका था।

युवती ने आत्महत्या की : उदयपुर के नाई थाना क्षेत्र में युवती ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को नाई थाना क्षेत्र हवाला गांव के पास जंगल में पेड़ पर युवती का शव लटका होने की सूचना मिली। इस पर नाई थानाधिकारी देवीलाल मय टीम ने मौके पर पहुंच कर मृतका को फंदे से निचे उतार उसकी शिनाख्त सदकड़ी सेमारी निवासी हसिना कुमारी मीणा (20) पुत्री देवीलाल मीणा के रूप में की।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांक-3579-3588 दिनांक 29.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्याः 10/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में पुलिया निर्माण कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
NIB NO. PWD2526A4912, UBN NO. PWD2526WSOB19653
(के.के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/56/2026 सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

Municipal Corporation Jodhpur
(Nagar Nigam Bhawan) Inside Polytechnic Parisar) Gaurav Path) Jodhpur)
(ceo.nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)
S.No. :- 445 Date:-01.01.2026
ONLINE NOTICE INVITING TENDERS
UBN NO. DLB2526SLOB29076
Municipal Corporation Jodhpur invites online unconditional bids under Single Stage two envelope system through e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in from eligible/ experienced bidders as per criteria mentioned in bid document, for Supply, delivery and commissioning of advanced "Robot" for cleaning of Sewer manholes/machine holes with robot carrier vehicle with jetting pump & Rear assembly including 01 year of O&M. as per bid documents in Municipal Corporation Jodhpur. Tenders are to be submitted duly digitally signed in electronic format only on website http://eproc.rajasthan.gov.in. The tender document is available for downloading on website http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in and www.lsg.rajasthan.gov.in/mcj from 02 Jan. 2026 and the last date and time of online submission of tender is 15 Jan. 2026 up to 3.00 PM.
Commissioner
Raj.Samwad/C/25/17092 Municipal Corporation Jodhpur

आनलाइन ठगी में चार को पकड़ा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लेपटॉप, मोबाईल, सीम एवं बैंक चैकबुक व पासक बुक जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर सोनारिया लखावली स्थित एक मकान पर दबीश देकर चार व्यक्तियों के कब्जे से 2 लेपटॉप, 46 मोबाईल, 42 सीम कार्ड, 36 एटीएम कार्ड मय राउटर, 16 बैंक पास बुक जब्त कर विशाल यादव पुत्र जितेन्द्रसिंह, विजयसिंह पुत्र गोपालसिंह सिसोदिया, मोहम्मद परवेज खान पुत्र बाबुखान एवं मनीष पुत्र राठौड़ पुत्र दिनेश राठौड़ को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी विशल यादव, विजयसिंह, मो. परवेज एवं मनीष राठौड़ अपने साथी सौरभ उपाध्याय व सुमित चंदेल के साथ मिलकर धोखाधड़ी कर कमीशन पर लोगों से बैंक खाते खरीद कर कमीशन पर दूसरों को देकर ऑनलाइन ठगी, ऑनलाइन गेम की राशि ट्रांसफर करवा अपने साथियों के साथ धोखाधड़ी कर बैंक खाते खरीदने बेचने का कारोबार किया करते हैं।

टोंक में रहस्यमयी घड़ा मिलने के मामले में तांत्रिक सहित आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों ने नकली सोने की ईंट और बिस्किट से लोगों को झांसे में लेकर ठगना स्वीकार किया
- नकली सोने को जमीन में गाड़कर असली धन जमीन में गड़ा होने का झांसा देते थे

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड क्षेत्र में खुदाई में मिले रहस्यमयी घड़े के मामले में सामने आया कि यह कार्रवाई ठग द्वारा दबाकर की गई थी, जिसमें मुख्य आरोपी खुद को तांत्रिक बताया गया है। मामले में पुलिस ने रविवार रात दो आरोपियों को पकड़कर उनसे नकली सोने की ईंट और बिस्किट से लोगों को झांसे में लेकर ठगना स्वीकार किया, जो तंत्र-मंत्र से जमीन में गड़ा हुआ धन ढूंढने का दावा करते थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह कोई खजाना नहीं था, बल्कि दोनों आरोपियों ने लोगों को ठगने के लिए पहले से जमीन में छिपाकर रखा था। घड़े में रखी सोने की ईंट, बिस्किट जैसी दिखने वाली वस्तुएं असल में पीतल और तांबे की नकली सामग्री थी। उल्लेखनीय है कि 3 दिसंबर, शनिवार को निवाई के सीदड़ा गांव की देवरी ढाणी में चारागाह जमीन पर पूजा-अर्चना का सामान मिला था, जहां मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने यहां जेसीबी से खुदाई शुरू करवाई तो 100-150 किलो वजनी काफी पुराना धातु का करीब 2 फीट ऊंचाई और डेढ़ फीट चौड़ाई का घड़ा निकला, जिसमें सोने जैसी धातु के टुकड़े थे।

मुख्य आरोपी तांत्रिक और सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

निवाई थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया 4 जनवरी को गश्त करते हुए टीम के साथ झिलाई बाइपास पुलिया पहुंचे, जहां मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर से टोंक जाने वाली सड़क की निर्माणाधीन सर्विस रोड पर एक कार में दो युवक बैठे हुए हैं, जो नकली सोने को असली बताकर बेचने के फिराक में हैं। पुलिस ने वहां पहुंचकर कार में मौजूद युवक मुकेश मीणा पुत्र तेजाराम मीणा और उसके साथी अभिषेक मीणा पुत्र कैलाश मीणा को पूछताछ के बाद संदिग्ध होने पर गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पीतल जैसी धातु की ईंट (2 किलो 515 ग्राम) और दो ढली (गोल वस्तु) (505 और 500 ग्राम) और बिस्किट (97 ग्राम) पीतल के धातु के मिले हैं। दोनों से पूछताछ के बाद बताया कि वे लोगों को असली सोना देने की कहकर जाल में फंसाते थे और कम दामों में बेचने के थे। साथ ही नकली सोने को जमीन में गाड़कर असली धन जमीन में गड़ा होने का झांसा देते थे, दोनों यहां भी ऐसे लोगों को ढूंढ रहे थे जो झांसे में आ जाए। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया, साथ ही कार और उनके पास से मिली धातुओं को जब्त कर लिया।

स्मैक तस्करी में महिला गिरफ्तार

सरवाड़, (निसं)। थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के दौरान स्मैक तस्करी के मामले में पिछले छह महीने से फरार चल रही महिला सप्लायर रचना सांसी (27) पत्नी कमल सांसी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामपाल शर्मा ने बताया कि 27 जून 2025 को भिनाय थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान सांसी बस्ती भिनाय निवासी संजय सांसी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.16 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की थी। भिनाय थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच सरवाड़ थानाधिकारी के जिम्मे की थी। पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि संजय को स्मैक की सप्लाई सावर निवासी रचना सांसी ने की थी। तब से ही आरोपी महिला गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रही थी। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी महिला को सावर स्थित सांसी बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिला को न्यायालय में पेश किया गया है, वहीं जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.)
E-mail id – npsultanpur01@gmail.com Ph.No. 07455-294166
क्रमांकः-नपासु०/विकास/2025-26/2232-33 दिनांक 01.01.2026
ई-निविदा-सूचना /2025-26
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 2230-31 दिनांक 01.01.2026 के द्वारा कुल 2 कार्य की अनुमानित लागत 16.26 लाख की जाती है। नगर पालिका सुल्तानपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नियमानुसार डीएलबी में सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों में A, AA श्रेणी में राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समक्ष हो से ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB29064
2	DLB2526WSOB29065

राज.संवाद/सी/25/17051 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, भीलवाड़ा (राज.)
क्रमांक न.नि.भी./DAY-NULM/2025-26/15024 दिनांकः- 31.12.2025
:- अल्पकालीन निविदा सूचना :-
नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा निम्नांकित कार्य के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1.	दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना अथवा दीनदयाल जन आजीविका योजना (शहरी), प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना एवं मुख्यमंत्री-स्वनिधि योजना के लिए कार्मिक उपलब्ध कराने का कार्य।	रू. 1526448/-	रू. 30529/-	रू. 2000/-

NIB Code : DLB2526A9761
UBN Code : DLB2526SLOB29104 आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/17094 नगर निगम, भीलवाड़ा

चोरी का माल खरीदने वाला व्यापारी गिरफ्तार, 25 किलो ड्राई फ्रूट बरामद

नाहरगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा कर शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया।

जयपुर। नाहरगढ़ रोड थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा कर शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया करीब 25 किलो खस-खस बरामद किया गया है। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 3 जनवरी 2026 को परिवादी ने थाना नाहरगढ़ रोड में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अग्रसेन मार्केट बालाजी का चौक स्थित उसकी दुकान के बाहर रखी ड्राइ फ्रूट (खस-खस) की बोरी अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली राजेंद्र कुमार के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सलमान खान उर्फ अज़हर हुसैन को 4 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपी ने नशे की आदत के चलते रात्रि व सुबह के समय दुकानों और मकानों के बाहर रखा सामान चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी ने जयपुर उत्तर क्षेत्र में करीब एक दर्जन नकबजनी व चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है।पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी सलमान खान उर्फ चमन को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 25 किलो खस-खस बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी सलमान खान का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में चोरी व नकबजनी के कई प्रकरण दर्ज हैं।

■ पुलिस के अनुसार आरोपी सलमान खान का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में चोरी व नकबजनी के कई प्रकरण दर्ज हैं

साइबर ठगी करने वाले चढ़े पुलिस के हत्थे

जयपुर। साइबर ठगी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बजाज नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से विभिन्न बैंकों के 58 एटीएम कार्ड, 18 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 19 सिम कार्ड, एक सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराधों में वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए जयपुर पूर्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने एक साल से फरार चल रहे आरोपी के मोबाइल लोकेशन के आधार पर महेश नगर थाना क्षेत्र के न्यू सांगानेर रोड स्थित राधा विहार कॉलोनी में दबिश दी। वहां एक मकान की दूसरी मंजिल पर तीन युवक लैपटॉप और मोबाइल के जरिए ऑनलाइन गतिविधियों में लिप्त पाए गए।पुलिस ने मौके से दिनेश गोवरानी निवासी मानसरोवर, नितिन कुमार निवासी सोडाला और आर्यन सैनी निवासी जयसिंहपुरा खो को पकड़ा। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने साथी दीपक अग्रवाल उर्फ दर्शन के लिए ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को अधिक मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठगी करते थे। जांच में यह भी सामने आया कि इनके खातों से उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात सहित अन्य राज्यों में साइबर ठगी की शिकायत दर्ज हैं।

बरामद सामग्री और आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए महेश नगर थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है और साइबर ठगी के नेटवर्क की गहनता से जांच की जा रही है।

बजट आवंटन और मंत्री तक किस प्रक्रिया से जाती है फाइल : ईडी कोर्ट

जयपुर। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने जल जीवन मिशन से जुड़े मामले में टेंडर प्रक्रिया से लेकर बजट आवंटन और अंतिम रूप से विशिष्ट अधिकारी व मंत्री तक पत्रावली भेजने की प्रक्रिया की जानकारी मांगी है।

अदालत ने विभाग के संबंधित अधिकारी को जानकारी देने के लिए रिकॉर्ड सहित पेश होने को कहा है। पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा है कि परिवाद और पूरक परिवाद पर आगामी कार्रवाई करने से पूर्व जल जीवन मिशन योजना से संबंधित स्कीम की अवधारणा, प्रदेश को आवंटित बजट और इसमें से जिलेवार आवंटित होने वाले बजट की जानकारी लेना जरूरी है। इसके साथ ही संबंधित जिलों के अधिकारियों का नियंत्रण, टेंडर प्रक्रिया, टेंडर को अंतिम रूप देने वाले अधिकारी और उसकी प्रक्रिया, तकनीकी और वित्तीय बिड स्वीकार करने वाले बोर्ड के सदस्यों की संख्या और अधिकारिता सहित अंतिम रूप से पत्रावली विशिष्ट अधिकारी व मंत्री को भेजने से जुड़ी प्रक्रिया का खुलासा होने की जरूरत है।

सुनवाई के दौरान आरोपी पदमचंद जैन ने अदालत में समर्पण किया। इसके बाद आरोपी की ओर से जमानत अर्जी पेश की गई।

जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने आरोपी को जमानत मुचलके पेश करने की शर्त पर जमानत पर छोड़ने के आदेश दिए। गौरतलब है कि प्रदेश में जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने मामला दर्ज किया था।

अब घर बैठे होगी ई-जनसुनवाई

जयपुर । जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने आयोजित समीक्षा बैठक में नागरिकों को प्रदत्त की जा रही सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कई निर्णय लिए बैठक में जेडीए के सभी प्रकोष्ठों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जेडीसी महाजन ने आमजन की सुविधा के लिए ई-जनसुनवाई सेवा शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिये।

कांग्रेस सांसद संजना जाटव, राहुल कस्वां और बृजेन्द्र सिंह ओला ने एमपी-एलएडीएस निधि से साधा राजनीतिक हित

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सोमवार को एक बयान जारी कर कांग्रेस के तीन सांसदों पर सांसद विकास निधि का उपयोग राजनीतिक हित के लिए करने का आरोप लगाते हुए तथ्यों के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के तीन सांसद संजना जाटव (भरतपुर), राहुल कस्वां (चूरू) और बृजेन्द्र सिंह ओला (झुन्झुनूं) केन्द्रीय नेतृत्व के खास नेताओं की खुशामद करने के लिए जनप्रतिनिधि के कर्तव्यों की मर्यादाएं तार-तार कर रहे हैं। वे नियमों को ताक में रखकर एमपी-एलएडीएस निधि का पैसा कांग्रेस राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के बेटे आदित्य सिंह सुरजेवाला के कैथल विधानसभा में खर्च कर रहे हैं। राजस्थान के हिस्से का पैसा इन तीन सांसदों के राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने पर हरियाणा में खर्च किया जा रहा है।

बेढ़म ने कहा कि एमपी-एलएडीएस निधि के नियमों के अनुसार हर सांसद को 5 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष मिलते हैं जिनमें से अधिकतम 25 लाख रुपये प्रतिवर्ष सांसद अपने क्षेत्र के बाहर खर्च कर सकता है। आपदा में 1 करोड़ रुपये तक दिया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस के तीन सांसद संजना जाटव, राहुल कस्वां और बृजेन्द्र सिंह ओला अपनी सांसद निधि का बड़ा हिस्सा हरियाणा के कैथल जिले में भेज रहे हैं जबकि उनकी संसदीय निधि से क्रमशः भरतपुर, चूरू और झुन्झुनूं संसदीय क्षेत्रों में विकास कार्य अधूरे पड़े हैं।गृह राज्य मंत्री ने कहा कि संजना जाटव 45 लाख रुपये, राहुल कस्वां 50 लाख रुपये और बृजेन्द्र सिंह ओला 25 लाख रुपये सहित लगभग 1.30 करोड़ रुपये कैथल के विकास कार्यों के लिए दे चुके हैं।

आश्चर्य है कि राजस्थान की जनता ने उनको वोट दिया लेकिन वो विकास के लिए पैसे हरियाणा को दे रहे हैं।

बेढ़म ने कहा कि भरतपुर की सांसद संजना जाटव ने एमपी-एलएडीएस निधि से 142 कार्य अनुशंसित किए। इनमें से 37 कार्य ही पूर्ण हुए जो कि अलवर जिले में किए गए। भरतपुर जिले में एक भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ। वहीं उन्होंने कैथल विधानसभा में 45 लाख रुपये के कार्य करवाए।

नीलकंठ महादेव मंदिर में 50 वाँ पोषबड़ा महोत्सव मनाया

जयपुर। नेहरू नगर पानीपेच स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष कैलाश सैनी, उपाध्यक्ष रामबाबू खोज, महामंत्री राजू सैनी, कोषाध्यक्ष हनुमान सहायक अग्रवाल, के द्वारा पौष बड़ा महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया समाज सेवीक महेश सैनी ने बताया कि मंदिर की स्थापना सन् 1975 में की गई थी नेहरू नगर का यह एक ऐसा मंदिर है।

सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का पंचम अधिवेशन 28 जनवरी से

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का पंचम अधिवेशन बुधवार 28 जनवरी से शुरू होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि विधान सभा के इस अधिवेशन के संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी कर दी है।

देवनानी ने बताया कि लगभग एक महीने तक यह सत्र चलेगा। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। इस सत्र में राज्य सरकार द्वारा राज्य का बजट भी पेश किया जाएगा। वासुदेव देवनानी ने बताया कि सत्र के दौरान राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, विधायी कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव जैसे संसदीय कार्य भी संपादित होंगे।

वासुदेव देवनानी सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के पंचम अधिवेशन से पूर्व विधान सभा में सर्वदलीय बैठक भी बुलायेंगे। राजस्थान विधान सभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ही सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाये जाने की पहल की है।

राजस्थान उप आवासन मण्डल आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

जाहिर आम-सूचना दिनांक-05.01.2026

[illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं सिद्धेश्वर राउत पिताजी आर्मी नं. 14652980P रैंक HAV नाम श्रीनिबास राउत निवासी गांव-रोहिया, नौगांव, जिला जगतसिंहपुर, ओडिशा ने भविष्य के लिए अपने बेटे के सर्विस रिकार्ड में अपनी जन्मतिथि 01.07.1956 से बदलकर 11.12.1956 कर दिया है।

मैं निर्मला राउत माताजी आर्मी नं. 14652980P रैंक HAV नाम श्रीनिबास राउत निवासी गांव-रोहिया, नौगांव, जिला जगतसिंहपुर, ओडिशा ने भविष्य के लिए अपने बेटे के सर्विस रिकार्ड में अपना नाम निहारिका राउत से बदलकर निर्मला राउत और जन्मतिथि 01.07.1963 से बदलकर 10.06.1962 कर दिया है।

मेरी 10वीं की अंक तालिका में पिता का नाम लक्ष्मण जैन अंकित है लेकिन मेरे समस्त दस्तावेजों में लक्ष्मण सिंह अंकित है अतः मेरे पिता का नाम भविष्य में रूपेश जैन पुत्र स्व. श्री लक्ष्मण सिंह निवासी एस-3, प्लाट नं. 187 तिरुपति बिहार-सी, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर पढ़ा, लिखा, पुकारा जावें।

मैं यह घोषणा करता हूं कि मेरा नाम पहले अहमद आयात लिखा गया था और अब मेने अपना नाम बदलकर एवं सुधार कर आयात अहमद कर लिया है। भविष्य में मैं सभी प्रयोजनों के लिए आयात अहमद नाम से ही जाना और पहचाना जाऊंगा।

मैं आर्मी नं. 15211915H नायक (गनर) बढेल सुरेशभाई घनश्यामभाई यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट है मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम घनश्यामभाई है और जन्मतिथि 01.07.1960 है जोकि गलत है मेरे पिताजी का सही नाम बढेल घनश्यामभाई मानसंगभाई है और जन्मतिथि 01.06.1959 है।

आम सूचना

दि. 05.01.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रवि शर्मा पुत्र श्री जी.एन.शर्मा, निवासी 75, संतोष नगर, गंगा जमना पैट्रोल पम्प के सामने, न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर- 302019 (राज.) स्वयं की माताजी श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति आवासीय प्लाट नं. 75, योजना सन्तोष नगर, बृजलालपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राज.) जिसका कुल क्षेत्रफल 316.66 वर्गगज है जिसे मेरे मुवक्किल श्री रवि शर्मा पुत्र श्री जी.एन.शर्मा एवं मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा एवं मेरे मुवक्किल की पत्नी श्रीमती नीतू शर्मा पत्नी श्री रवि शर्मा ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण खाता संख्या क्रमशः (1) 520622210 तया (2) 520835106 है, मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा का स्वर्गवास 16.10.2022 को हो चुका है तथा उक्त श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में मेरे मुवक्किल श्री रवि शर्मा पुत्र श्री जी.एन.शर्मा, मेरे मुवक्किल के पिताजी श्री गणेश नारायण शर्मा पुत्र श्री श्रवण लाल शर्मा, मेरे मुवक्किल के दो भाई क्रमशः (1) राकेश शर्मा व (2) सुधीर शर्मा पुत्रान श्री गणेश नारायण शर्मा उर्फ जी. एन. शर्मा एवं मेरे मुवक्किल की एक बहिन श्रीमती सुनीता शर्मा पत्नी श्री विनोद शर्मा पुत्री श्री गणेश नारायण शर्मा है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नहीं है, चूंकि मेरे मुवक्किल श्री रवि शर्मा पुत्र श्री जी. एन. शर्मा एवं मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा एवं मेरे मुवक्किल की पत्नी श्रीमती नीतू शर्मा के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की माताजी श्रीमती बेला शर्मा पत्नी श्री गणेश नारायण शर्मा के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।

(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट, 6/47-48, मालवीय नगर, जयपुर-302017, मो.9829218044

कार्यालय नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर (राज.)

(पीपली तिराहे के पास, शाहपुरा, जयपुर)
Email: shahpura.jaipur@gmail.com

क्रमांक-न.प.शा./भूमि/2025-26/497 दिनांक-05.01.2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

श्री जयसिंह पुत्र श्री राम कुवार नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.-1, आवेदक का नाम व पिता/पति का नाम- श्री जयसिंह पुत्र श्री रामकुंवार, स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता, खसरा नं. व दिशा- भैरु विहार कॉलोनी, बिदारा, शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 641/2, पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम- जितेन्द्र कुमार का प्लॉट, उत्तर-कमला मीणा का प्लॉट, दक्षिण- सूरज मास्टर का प्लॉट, कुल क्षेत्रफल (वर्गगज)- 204.61, विशेष विवरण- आवासीय पट्टा हेतु।

अत किसी को भी इस बावत आपत्ति हो तो 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता को आपत्ति पेश करें, बाद अवधि विचार संभव नहीं होगा।

आयुक्त, नगर परिषद, शाहपुरा (जयपुर)

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक: 9485 जाहिर आम सूचना दिनांक 01.01.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 190/61 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री संजय शर्मा पुत्र डॉ. भास्कर शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4311 दि. 29.11.2004 को जारी किया गया। श्री संजय शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 02.03.2009 को उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री संजय शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 02.03.2009 के द्वारा श्री दिनेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री डाल चन्द गुप्ता को विक्रय कर सब रजिस्ट्रार जयपुर - पंचम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री दिनेश चन्द गुप्ता द्वारा उक्त आवास को दिनांक 29.09.2025 के द्वारा श्रीमती सुमन शर्मा पत्नी श्री राजकुमार शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक-एकादश जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती सुमन शर्मा पत्नी श्री राजकुमार शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति स्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती सुमन शर्मा पत्नी श्री राजकुमार शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

संपदा प्रबंधक, वृत्त प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया-पाया

मेरे अभिभाष्यगण किशन गोपाल उर्फ लालाराम भडाणापुत्र श्री रामजीवण गुर्जर पुत्र श्री घीसाराम, श्रीमति सुप्यार देवी पत्नि किशन गोपाल गुर्जर निवासीगण शिवाजी नगर दूदू दिनांक 02.01.2026 को दूदू स्थित न्यायालय में अपने अभिभाषकों से राय मशवरा लेकर वापस अपने घर आते समय उनके कागजात का बेग कहीं गिर गया है जिसमें उनके सन् 2010 से 2026 तक के विभिन्न मूल्यों के खाली स्टाम्प पाई पेपर व अंगूठा निशानी व हस्ताक्षरशुदा व बैंक ऑफ बडौदा, भारतीय स्टेट बैंक व अन्य बैंको की चैक बुके कुछ हस्ताक्षरशुदा चैक थे, जिनका कोई भी व्यक्ति दुरूपयोग कर सकता है यदि किसी व्यक्ति को दस्तावेज का यह बेग मिले तो वह मुझे या मेरे अभिभाष्य को लौटाकर रसीद प्राप्त कर लेवे सूचित रहे, यदि किसी व्यक्ति ने इनको दुरूपयोग किया तो उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

दिनांक-5.1.2026 (मंजुर अली) एडवोकेट मो.नं. 9414243456

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1024 चूंकि प्रार्थी श्री NIRANJAN KUMAR SINGHAL 103, DOCTORS COLONY DCM AJMER ROAD, JAIPUR, RAJASTHAN-302021 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास यूनिटी होराइजन P.N. 23, WISDOM, FRIST FLOOR, LAXMI DHARAM KANTA LANE, 22-GODAM, JAIPUR, RAJASTHAN-302006 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 09.03.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1054 चूंकि प्रार्थी श्री JITENDRA CHOUDHARY 24, JATON KA MOHALLA, BADANPURA, SANGANER, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास सर्वोदय पब्लिक स्कूल शिक्षा समिति 22 PREM COLONY, NEAR AIRPORT CIRCLE, TONK ROAD, SANGANER, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 09.03.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

खोया पाया

आवास 31/29/12 मानसरोवर, जयपुर का मूल अलोटमेंट एवं कब्जा पत्र कहीं खो गया है जो कि आवासन मण्डल द्वारा अशोक कुमार के नाम से जारी है सूचित करें-9587101010

जेडीए आवासीय योजना- आनन्द विहार, अजमेर रोड, जयपुर के भूखण्ड संख्या-396 का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है। कृपया मिलने पर सूचित करें। अरविन्द कुमार पुत्र सुरेश कुमार। 7073044487

जेडीए आवासीय योजना- रोहिणी एन्क्लेव, जयपुर के भूखण्ड संख्या एफ-582 का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र कहीं गुम हो गये है। कृपया मिलने पर सूचित करें। जूली नामा पुत्री हुकुमचन्द नामा, 9314566936

मेरा फ्लैट नं. 18/जी/9 (3-एफ) सरस्वती अपार्टमेन्ट प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन व अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें-7976227176

मेरा मकान नं. 209 गणेश नगर बी साइवाड साइपुरा रोड नारदपुरा जयपुर के ओरिजिनल अलॉटमेंट लेटर, साइड प्लान, रशीद, खो गई मिले तो सूचित करें। 7691077416

मेरा प्लॉट की निजी खातेदरी के खसरा नंबर 1440/1, 1440/2, 1441/1, 1441/2, 1442/2 मुख्तारनामा कहीं पर गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें प्रभु नारायण अग्रवाल पुत्र लादूराम अग्रवाल-9829610614

आम-सूचना का खण्डन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विनोद यादव, एडवोकेट के द्वारा दिनांक 24.12.2025 को मीनावाला गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की ओर से जो आम-सूचना दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रदूत के पृष्ठ संख्या 5 पर प्रकाशित करवायी गई है जो कि पूर्णतया भ्रामक व मिथ्या है चूंकि श्याम सरोवर योजना से सम्बन्धित कोई भी दस्तावेजात समिति के अधिकृत पदाधिकारियों द्वारा ना ही तो जयपुर विकास प्राधिकरण में जमा करवाये गये हैं ना ही उक्त योजना का कोई रिकार्ड व दस्तावेजात अधिकृत पदाधिकारियों के पास उपलब्ध है। ना ही उक्त योजना के नक्शे में किसी प्रकार का कोई संशोधन कर किसी व्यक्ति को रजिस्टर्ड नोटिस प्रेषित करवाया है। अतः उक्त दिनांक 24.12.2025 को प्रकाशित आम-सूचना शून्य व निष्प्रभावी है।

धीरेन्द्र त्रिवेदी, एडवोकेट, दिनांक 05-01-2026 मोबाईल नं. 9314618660

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:9455 जाहिर आम-सूचना दिनांक:31.12.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 34 / 245 (HIG), (एरिया 164.377 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री विनोद कुमार समरा पुत्र श्री बी. आर. समरा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2330 दिनांक 03.03.2000 को जारी किया गया। श्री दिनेश शर्मा पुत्र श्री मांगी लाल शर्मा के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1158 / 8793 दिनांक 20.12.2017 के द्वारा किया गया। श्री दिनेश शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.12.2017 को सब रजिस्ट्रार जयपुर - पंचम के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री दिनेश शर्मा की मृत्यु दिनांक 13/2/2023 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री विपुल शर्मा पुत्र स्व. श्री दिनेश कुमार शर्मा द्वारा पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर उक्त आवास स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री विपुल शर्मा पुत्र स्व. श्री दिनेश कुमार शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उद्‌घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 37/25

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी (1) श्रीमती सीता देवी शर्मा पत्नि स्व. श्री बाबूलाल शर्मा, (2) मोनिका शर्मा पुत्री स्व. श्री बाबूलाल शर्मा (3) खुशी शर्मा पुत्री स्व. बाबूलाल शर्मा (4) शिव कुमार शर्मा पुत्र स्व. बाबूलाल शर्मा जरिये संरक्षक माता सीता देवी शर्मा पत्नि स्व. श्री बाबूलाल शर्मा, समस्त निवासीयान-ग्राम बालावाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर राजस्थान। विवाद स्थान वाहन संख्या RJ-14-GK-7774 का बीमा यूनाइटेड इण्डिया इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड मोटर टेकनिकल डिपार्टमेन्ट रिजनल ऑफिस जयपुर की वाहन पॉलिसी नम्बर 1421823123P116563033 के क्लेम नंबर 1421823125C 05002800 की निर्वसीयत क्लेम राशि 20,05,500/- रूपये (अक्षरे-बीस लाख पांच हजार पांच सौ रूपये) की चल सम्पत्ति के विषय में। मृतक स्व. श्री बाबूलाल शर्मा पुत्र स्व. श्री मांगीलाल शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 28.02.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. श्री बाबूलाल शर्मा पुत्र स्व. श्री मांगीलाल शर्मा, निवासी-ग्राम बालावाला, तहसील सांगानेर, जिला जपुर राजस्थान का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रिेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 28 माह 02 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 23 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत — जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम सं. 10, जयपुर महानगर प्रथम सांगानेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्वामी विवेकानन्द कॉलेज, गिरधारीपुरा, गांधी पथ वेस्ट जयपुर में संचालित था। उसे सत्र 2025-26 से बन्द किया जा रहा है। संस्था में किसी भी व्यक्ति/कर्मचारी/विद्यार्थी का किसी भी प्रकार का लेन-देन बाकी नहीं है। स्वामी विवेकानन्द कॉलेज में कोई प्रवेश नहीं दिया जारहा है। इसके बाद संस्था के नाम से किसी भी गतिविधि के लिए संस्था उत्तरदायी नहीं है।

सचिव - निश्चय जानू, स्वामी विवेकानन्द कॉलेज, गिरधारीपुरा, जयपुर-302021, मो.नं. 8058858894, 9413646214

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR

(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)

No. F-6()DCR-FIRST (J.S)RO.LIC/N.N.J/2025/776 Date : 05-01-2026

PUBLIC NOTICE

The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No	Site ID	Address
1	IN 3452829	On Divider Opposite ICICI Bank Krishna Enclave-2, Kalwar Road, Ward No.-43, Jhotwara Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.

In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.

Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा - कुम्हेर, डीग (राज.)

दिनांक : 03 दिसम्बर 2025

सार्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक के ऋण खाता सं. 61309798017 में बंधक निम्न मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गये हैं तथा काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिल रहे हैं। 1. प्रमाणित प्रति लीज पट्टा विलेख क्रमांक 1901 दिनांक 28.02.2013 नगर पालिका कुम्हेर द्वारा श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री गोविन्द सिंह जाति जाट निवासी कुम्हेर के पक्ष में जारी किया गया जो कि उप पंजीयक कुम्हेर के यहां क्रमांक 2013000632 दिनांक 28.02.2013 पर पंजीकृत है। 2. मूल बयनामा द्वारा कृष्ण कुमार पुत्र गोविन्द सिंह द्वारा श्री बिजेन्द्र सिंह पुत्र श्री चेतराम के पक्ष में किया गया जो कि उप पंजीयक कुम्हेर के यहां क्रमांक 2014001580 दिनांक 10.07.2014 पर पंजीकृत है। 3. भवन निर्माण स्वीकृति क्रमांक 75 दिनांक 05.08.2015 जारी कर्ता नगर पालिका कुम्हेर द्वारा श्री बिजेन्द्र सिंह पुत्र श्री चेतराम के पक्ष में जारी की गयी। 4. लीज हस्तांतरण पत्र/म्यूटेशन पत्र क्रमांक 903 दिनांक 09.09.2015 जारी कर्ता नगरपालिका कुम्हेर

उपरोक्त दस्तावेजात बैंक के करीब तीन-चार वर्ष से नहीं मिल रहे हैं तथा काफी प्रयास किये जाने के बाद भी नहीं मिले हैं जिसके कारण बैंक द्वारा राजस्थान पुलिस के थाना कुम्हेर पर उपरोक्त दस्तावेज के गुम होने की सूचना रपट सं० 027 दिनांक 15.11.2025 पर दर्ज करायी जा चुकी है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि 07 दिवस मेरे कार्यालय में अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बैंक द्वारा उक्त दस्तावेज को लॉस्ट दस्तावेज मानकर प्रमाणित के साथ गुम दस्तावेज का प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा निकल जाने बाद म्याद कोई उज्ज स्वीकार नहीं होगी।

भवदीय (अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता) शाखा प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा कुम्हेर (डीग)

निविदा आमंत्रण

गुजरात और राजस्थान में स्थित 5 प्रमुख होटल संपत्तियों के संचालन का प्रबंधन करने का अवसर

नीसा लीजर लिमिटेड ("कंपनी"), एक कॉर्पोरेट देनदार, वर्तमान में दिवालियापन और दिवालियापन संहिता, 2016 के प्रावधानों के तहत कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) से गुजर रही है, जो माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, अहमदाबाद बेंच द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2019 को पारित आदेश के अनुसार है। श्री अमित जैन को दिनांक 17 दिसंबर 2019 के आदेश द्वारा समाधान पेशेवर के रूप में नियुक्त किया गया है।

कंपनी के पास गुजरात और राजस्थान राज्यों में स्थित पांच होटल हैं, जो "कैम्बे होटल्स एंड रिसॉर्ट्स" ब्रांड नाम से संचालित होते हैं। रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल इन होटलों के संचालक के रूप में नियुक्ति हेतु योग्य और अनुभवी होटल संचालकों से आवेदन आमंत्रित करता है।

इच्छुक पक्ष निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत कर सकते हैं:
- एक या अधिक होटलों के लिए संपत्ति के लिहाज से बोलियां, और/या
- सभी पांच संपत्तियों के लिए एक समेकित बोली।

इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करने की अंतिम तिथि: 12 जनवरी 2026। संपत्तियों और बोली प्रक्रिया के संबंध में अधिक जानकारी cirp@neesaleisure.in पर लिखकर प्राप्त की जा सकती है।

संकल्प पेशेवर को लागू कानून और लेनदारों की समिति की स्वीकृतियों के अधीन, प्रक्रिया में संशोधन, परिवर्तन या उसे रद्द करने और किसी भी या सभी प्रस्तुतियों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

अमित जैन
रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल – नीसा लीजर लिमिटेड
आईपी पंजीकरण संख्या – IBBI/IPA-001/IP-P01447/2018-2019/12196

कार्यालय ग्राम पंचायत टूमली का बास पं.स. चाकसू

क्रमांक-एफ()/ग्रापटू/ई-निविदा/2025-26/09 दिनांक-05.01.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

NIB NO. PFD2526A0038, UBN NO. PFD2526WSOB0053

पंचायत समिति चाकसू के अधिनस्थ ग्राम पंचायत टूमली का बास में विभिन्न योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यो को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181 के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी पंचायत समिति/संबंधित ग्राम पंचायत में कार्यालय समय में एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https:eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोड करने की दिनांक 06.01.2026 से 15.01.2026 को सायं 5.00 बजे तक रहेगी।

कन्हैयालाल शर्मा, प्रशासक, ग्राम पंचायत टूमली का बास, पंचायत समिति चाकसू, पं.स. चाकसू, जयपुर
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत टूमली का बास, पंचायत समिति चाकसू, पं.स. चाकसू, जयपुर

कार्यालय उप निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं, भरतपुर

क्रमांक-F(247)CHAYAN/DDICDSBTP/AWW-AWH/25-26/2234 दिनांक- 05.01.2026

विज्ञप्ति संख्या 02/2025-26

भरतपुर जिले की निम्नलिखित परियोजनाओं/ग्राम पंचायत के सम्मुख अंकित ग्राम पंचायती/वार्डो में आंगनबाडी कार्यकर्ता/सहायिका के स्वेच्छिक मानदय सेवा के रिक्त पदां हेतु विज्ञप्ति एतद द्वारा जारी कर आवेदन पत्र बातल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालयों में आमंत्रित किए जाते है। इस विज्ञप्ति हेतु आवेदन दो प्रतियों में व्यक्तिशः सम्बन्धित बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालयों में दिनांक 05.01.2026 से 03.02.2026 तक कार्यदिवस में किया जा सकता है। यह विज्ञप्ति निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं राजस्थान जयपुर के परिपत्र क्रमांक 4244 दिनांक 12.01.2023 तथा पत्रांक 57871-58286 दिनांक 01.03.2024 तथा उसके पश्चात जारी निर्देशे मे वर्णित दिशा निर्देशानुसार जारी की जा रही है।

क्र. सं.	सीडीपीओ कार्यालय का नाल एवं ई मेल आईडी	रिक्त मानदेय पदों के नाम: कार्यकर्ता	रिक्त मानदेय पदों के नाम: सहायिका
1	बाल विकास परियोजना अधिकारी, बयाना ICDS.BAYANA@RAJASTHAN.GOV.IN	परौआ,ककलपुरा, बागरैन 4, सेवला, तामिलपुर, थांथरैन, कारवारी	महमदपुरा 2, वार्ड नंबर 15, खेरली गडासिया1, बह्मबाद 2, ब्रह्मबाद 4, बयाना 4
2	बाल विकास परियोजना अधिकारी, भरतपुर शहर ICDS.BHARATPURCITY@RAJASTHAN.GOV.IN	पं. रामकिशन की कोठी, चीमा गली, नोह प्रथम, नमक कटरा प्रथम, वासनगेट	प्रताप कॉलोनी, हरिजन बस्ती अनाह गेट, प्रथम, राजेन्द्र नगर, जाटव बस्ती प्रथम, बी नारायण गेट प्रथम, नगर परिषद के पीछे, बडा मोहल्ला 2, विजय नगर 2
3	बाल विकास परियोजना अधिकारी, भुसावर ICDS.bhusawar@rajasthan.gov.in	कमालपुरा-द्वितीय छौकरवाडाखुर्द	नंगला रतनपुरा, सलैमपुरखुर्द-प्रथम तरगंवा-द्वितीय इटामडा-प्रथम
4	बाल विकास परियोजना अधिकारी, नदबई ICDS.NADBI@RAJASTHAN.GOV.IN	मई द्वितीय वार्ड सं. 12(पुराना)	बहरामदा प्रथम, रायसीस प्रथम, खटौटी प्रथम रायसीस तृतीय, नगला वक्ता, पीली, बरौलीसन द्वितीय, अखैगढ द्वितीय
5	बाल विकास परियोजना अधिकारी, रूपवास ICDS.ROOPWAS@RAJASTHAN.GOV.IN	निमेरा प्रथम, रूपवास द्वितीय ओडेलजाट, रूदावल द्वितीय	महलपुरकाछी प्रथम, महलपुरचूरा द्वितीय घाना प्रथम
6	बाल विकास परियोजना अधिकारी, सेवर ICDS.SEWAR@RAJASTHAN.GOV.IN	अड्डा	मडरपुर, कूम्हा
7	बाल विकास परियोजना अधिकारी, उच्चैन ICDS.UCHHAIN@RAJASTHAN.GOV.IN	-	बंशी, कल्याणपुर
8	बाल विकास परियोजना अधिकारी, वैर ICDS.WAIR@RAJASTHAN.GOV.IN	बेबर	हलैना-द्वितीय, गोठरा, घरसौनी-प्रथम, सिरस

नोट-
1. सम्बन्धित बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय उक्त रिक्त पदों की आरक्षण सहित अन्य समस्त विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है तथा अवेदन परियोजना कार्यालय से प्राप्त किये जा सकेगे।
2. इस विज्ञप्ति में उल्लेखित आंगनबाडी केन्द्रों के मानदेय कार्मिकों के रिक्त पदों पर संबंधित सीडीपीओ कार्यालय में आवेदन करने की अन्तिम तिथि 03 फरवरी, 2026 सायं 04.00 बजे तक है।

(सिकरामाराम चोयल)
उपनिदेशक
समेकित बाल विकास सेवाएं, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर

क्रमांक :– जसअ/2025/400 दिनांक: 02.01.2026

ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 42/2025–26

नगर निगम जयपुर के विभिन्न वाहनो/मशीनो में वीटीएस/जीपीएस लगाने तथा इनका रखरखाव व संधारण कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2526WSOB02433 पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/17096 — उपायुक्त (गैराज), नगर निगम जयपुर

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण, ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 3978 - 4005 दिनांक :- 02/01/2026

संशोधित आवंटन विज्ञप्ति

मण्डी समिति की संशोधित आवंटन विज्ञप्ति क्रमांक 3824-46 दिनांक 12.12.2025 से कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर के मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में रिक्त उपलब्ध कोल्ड स्टोरेज एवं कृषि प्रसंस्करण ईकाई के भूखण्ड आवंटन हेतु दिनांक 05.01.2026 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने एवं मण्डी समिति कार्यालय में जमा कराये जाने की तिथि 05.01.2026 से बढायी जाकर 30.01.2026 नियत की जाती है। शेष शर्ते यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/25/17112 — सचिव, कृ.उ.म.स.(फ.स.) जयपुर — प्रशासक, कृ.उ.म.स.(फ.स.) जयपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

टोंक शाखा, टोंक, राजस्थान
मोबाईल नं. 8094018415, ई-मेल: tonk@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस "परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" और "जितनी भी उपलब्ध है" के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./लोट सं.	ऋणियों/ जमानतदारों/ बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/ वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	श्री महेश कुमार नामा पुत्र श्री दुर्गा लाल नामा एवं श्रीमती शुभांगनी नामा पत्नी श्री महेश कुमार नामा छीपो का मोहल्ला, पुरानी टोंक, खारी बावड़ी के सामने, टोंक, जिला टोंक, राजस्थान 304001	श्री महेश कुमार नामा पुत्र श्री दुर्गा लाल नामा एवं श्रीमती शुभांगनी नामा पत्नी श्री महेश कुमार नामा के नाम आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट वार्ड नं. 44, छीपो का मोहल्ला, पुरानी टोंक, खारी बावड़ी के सामने, सिटी टोंक, जिला टोंक, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 96.99 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्वः आम रास्ता, पश्चिमः गली, उत्तरः कल्याणमल नामा का मकान, दक्षिणः रामनारायण नामा का मकान अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 13,87,401.04 दिनांक 13.03.2024 को बकाया (दिनांक 09.03.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	22.01.2026 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 18,01,800/- / धरोहर राशि- रूपये 1,80,180/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	वास्तविक	17.01.2026 दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से मोबाईल नं. 8094018415 पर संपर्क कर सकते है।

दिनांक: 03.01.2026
स्थान: टोंक

हस्ता. प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

जब हार्दिक बल्लेबाजी करने आते हैं, तो विरोधी टीम पर तुरंत दबाव बन जाता है। अगर वह कुछ ओवर टिक जाते हैं, तो मैच हाथ से निकल सकता है। - एबी डीविलियर्स

दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी, हार्दिक पांड्या के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जो रूट

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने सोमवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवें एशेज टेस्ट के दूसरे दिन अपना 41वां शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के रिकार्ड की बराबरी कर ली और पुरुषों के टेस्ट शतकों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, पहले दिन खेल जल्दी खत्म होने के बाद 72 रन से आगे खेलते हुए, रूट ने शांत और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए भोजनकाल के बाद 160 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 41वां शतक पूरा किया।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक के नाम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में बिना शतक के सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। मिस्बाह ने 162 वनडे में 5122 रन बनाए हैं।

जो रूट की बदौलत इंग्लैंड का स्कोर 384, ऑस्ट्रेलिया 166/2 विकेट

सिडनी, 5 जनवरी। जो रूट (160) की शतकीय और हैरी ब्रूक (84) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ने इंग्लैंड ने एशेज के पांचवें टेस्ट के दूसरे दिन 384 का स्कोर खड़ा करने के बाद स्टंप्स के समय तक ऑस्ट्रेलिया के 166 रन पर दो विकेट झटक लिये। आज यहां इंग्लैंड के कल के तीन विकेट पर 211 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 226 के स्कोर पर इंग्लैंड का चौथा विकेट हैरी ब्रूक के रूप में गिरा। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। 229 के स्कोर पर इंग्लैंड को पांचवां झटका मिचेल स्टार्क ने कप्तान बेन स्टोक्स (शून्य) को आउट कर दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। जो रूट ने लंच से पहले 160 गेंदों में अपने टेस्ट करियर अपना 41वां शतक पूरा किया। उन्होंने 242 गेंदों में 15 चौकों की मदद से 160 रनों की पारी खेली। 75वें ओवर में मार्नस लाबुशेन ने जेमी स्मिथ (46) को अपना शिकार बना लिया। विल जैक्स (27) रन बनाकर आउट हुये। 98वें ओवर में माइकल नीसर ने जॉश टंग (शून्य) को बोल्ड कर 384 के स्कोर पर इंग्लैंड की पहली पारी का अंत कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए माइकल नीसर ने चार विकेट लिये। मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड को दो-दो विकेट मिले। कैमरन ग्रीन और मार्नस लाबुशेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड और जेक वेदरॉल्ड की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। 13वें ओवर में बेन स्टोक्स ने जेक वेदरॉल्ड (21) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। 31वें ओवर में स्टोक्स ने मार्नस लाबुशेन (48) का शिकार कर इंग्लैंड की झोली में दूसरा विकेट डाल दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 166 रन बना लिये है और ट्रैविड हेड (नाबाद 91) और माइकल नीसर (नाबाद एक) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया अभी भी इंग्लैंड के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 218 रन पीछे है।

श्रेयस अय्यर होंगे अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के कप्तान

मुम्बई, 5 जनवरी। श्रेयस अय्यर को चोटिल शार्दुल ठाकुर की जगह विजय हजारे ट्रॉफी के शेष मैचों के लिए मुंबई टीम का कप्तान बनाया गया है। मुम्बई क्रिकेट्स सोसिएशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, एमसीए को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी के शेष लीग मैचों के लिए मुंबई सीनियर पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी के बाद कप्तान के तौर पर अय्यर का बने रहना भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अंतरराष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। अय्यर को 11 जनवरी से बड़ौदा में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। उनका चयन इस शर्त पर किया गया था। कि वह फिटनेस हासिल कर लेंगे। हाल ही में वनडे टीम की घोषणा करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि अय्यर की फिटनेस का आकलन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जाएगा, और अगर उन्हें फिट घोषित किया जाता है तो वह वनडे टीम में शामिल होंगे। अगर अय्यर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए हरी झंडी मिल जाती है, तो एमसीए को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट के लिए दूसरा कप्तान चुनना होगा।

एमसीए सचिव उन्मेश खानविलकर ने कहा, जब स्थिति साफ हो जाएगी तो हम फैसला लेंगे। श्रेयस बाकी दो लीग मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे। अय्यर पिछले अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में कैच लेने की प्रयास करते समय चोटिल होने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। मंगलवार का मैच तीन महीने से ज्यादा समय में उनका पहला मैच होगा।

मुंबई फिलहाल ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर है और अगले राउंड में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है। वे अपना अगला लीग मैच मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ और आठ जनवरी को पंजाब के खिलाफ खेलेंगे, दोनों मैच जयपुर में होंगे।

पीवी सिंधु आज मलेशिया ओपन में भारतीय चुनौती पेश करेगी

कुआलालंपुर, 5 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु पिछले सितंबर के बाद पहली बार मंगलवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। कुआलालंपुर के स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में शुरू होने वाला यह सीजन का पहला टूर्नामेंट, जो एक टॉप-टियर बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट है, चोटों से भरे 2025 सीजन के बाद सिंधु के लिए एक नई शुरुआत होगी। 30 साल की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु पिछले सितंबर में चाइना मास्टर्स में पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन एन से यंग से क्वार्टर-फाइनल में हारने के बाद से बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में नहीं खेली हैं। सिंधु ने पैर की चोट से उबरने के लिए 2025 सीजन के शेष टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में खिताब जीता था।

कल से शुरु हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत की महिला एकल चुनौती में मालविका बंसोड़ और उन्नति हुड्डा भी शामिल होंगी। पुरुष एकल में, पेरिस 2024 सेमी-फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी भारतीय उम्मीदों को आगे बढ़ाएंगे। दोनों ने पिछले साल सफलता का स्वाद चखा था – सेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 में और शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 में – लेकिन उनका सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें कई बार पहले राउंड में ही बाहर होना पड़ा।

पुरुष युगल में भारत की उम्मीदों की अगुवाई दो बार के विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी करेंगे। इस बीच, महिला युगल में भारत की चुनौती का नेतृत्व ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद करेंगी, जो पिछले महीने सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में अपना खिताब बचाने के बाद इस टूर्नामेंट में उतर रही हैं। मिश्रित युगल में, पेरिस 2024 ओलंपियन तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला दुनिया की नंबर 17 रैंकिंग वाली भारत की टॉप जोड़ी हैं।

भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका 245 के स्कोर पर रोका

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), 5 जनवरी। किशन सिंह (चार विकेट) की अगुवाई में भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाजों ने सोमवार को दूसरे यूथ वनडे में दक्षिण अफ्रीका की टीम 49.3 ओवरों में 245 के स्कोर पर समेट दिया। आज यहां टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जेसन राउल्स ने दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वाधिक रन बनाये। जेसन राउल्स ने 113 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए 114 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे एक ओर से जहां दक्षिण अफ्रीका के विकेट गिरते जा रहे थे, जेसन राउल्स एक छोर थामे तेजी के साथ रन बनाते रहे। डेनियल बोसमैन (31), अदनान लगादीन (25), अरमान मनेक (16), कप्तान मुहम्मद बुलबुलिया (14) और जोरिख वान स्कालक्वेक 10 रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीम ने 49.3 ओवर में 245 रन के स्कोर पर सिमट गई। भारत की अंडर-19 टीम के लिए किशन सिंह ने चार विकेट लिये। अमब्रिश को दो विकेट मिले। दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया वैभव सूर्यवंशी का तूफान

24 गेंदों में जड़े 10 छक्के, शतक से चूके

बेनोनी (साउथ अफ्रीका), 5 जनवरी। भारत और दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीमों के बीच जारी दूसरे यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी का तूफान आया। पहले मैच में 11 रन बनाकर आउट होने वाले युवा बल्लेबाज आज अपने पुराने रंग में नजर आए। उन्होंने महज 24 गेंदों में 10 छक्के लगाकर विपक्षी गेंदबाजों की लाइन और लेंथ बिगाड़ दी। बता दें कि, बेनोनी में खेले जा रहे दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने जेसन राउल्स के शतक की मदद से 245 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 12.5 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बना लिए है। फिलहाल मुकाबला खराब मौसम के कारण रुका हुआ है।

इस मुकाबले में भारत की अगुआई कर रहे वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक बल्लेबाजी से महफिल लूट ली। उन्होंने महज 24 गेंदों का सामना किया और 283.33 के स्ट्राइक रेट से 68 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से एक चौका और 10 गगनचुंबी छक्के निकले।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के लिए बीसीसीआई ने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टीम की कमान सौंपी है। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह यूथ वनडे में किसी टीम की कमान संभालने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड तोड़ा। शहजाद ने साल 2007 में 15 साल 141 दिन की उम्र में पाकिस्तान की अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी।

बांग्लादेश में नहीं होगा आईपीएल मैचों का प्रसारण

ढाका, 5 जनवरी। बंगलादेश के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार को देश के सभी ब्रॉडकास्टर्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का प्रसारण बंद करने का निर्देश दिया। यह निर्देश आईपीएल 2026 सीजन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स से तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद आया है। इसके बाद, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत में अपने टी-20 विश्व कप मैच न खेलने का भी फैसला किया था और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से औपचारिक रूप से अपने मैचों को दूसरी जगह कराने का अनुरोध किया था। मंत्रालय की ओर से आज प्रसारण पर प्रतिबंध लगाये जाने आधिकारिक नोटिफिकेशन के जरिए जारी किया गया। इस आदेश पर सहायक सचिव फिरोज खान के हस्ताक्षर है। यह सभी आईपीएल मैचों और संबंधित प्रोग्रामिंग पर लागू होता है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। मंत्रालय ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के 26 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल सीजन के लिए केकेआर टीम से मुस्तफिजुर को बाहर करने के फैसले का संज्ञान लिया। नोटिफिकेशन में कहा गया है, ऐसे फैसले का कोई उचित कारण पता नहीं है। ऐसे फैसले से बंगलादेश के लोगों में दुख, परेशानी और गुस्सा है। इन परिस्थितियों में आदेश दिया जाता है कि इंडियन प्रीमियर लीग के सभी मैचों और कार्यक्रमों का प्रसारण और ट्रांसमिशन अगले निर्देशों तक बंद कर दिया जाए। यह निर्देश उचित अधिकारियों की मंजूरी से जनहित में जारी किया गया है।

नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू से तोड़ा एक दशक पुराना नाता

मुंबई, 5 दिसंबर। एक दशक की साझा उपलब्धियों और बेमिसाल कामयाबियों के बाद, जैवलिन थ्रोअर स्टार नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने आज अपनी औपचारिक साझेदारी को समाप्त करने की घोषणा की है। नीजर अब अपनी स्वयं की एथलीट मैनेजमेंट फर्म, वेल स्पोर्ट्स शुरू करने रहे हैं। नीरज ने कहा, पिछले 10 वर्षों में हमारा साथ तरक्की, भरोसे और कामयाबी से भरा रहा है। मेरे करियर को बनाने में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स का बहुत बड़ा हाथ रहा है और मैं उनके सहयोग और विजन के लिए हमेशा उनका आभारी रहूंगा। जैसे ही हम इस अध्याय को समाप्त कर रहे हैं, मैं उन्हीं मूल्यों को अपने सफर के अगले चरण में आगे ले जा रहा हूं। नीरज का जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ जुड़ाव 2016 में शुरू हुआ था। अगले दशक में यह साझेदारी भारतीय खेल में एक निर्णायक ताकत बन गई। नीरज की उपलब्धियां ऐतिहासिक रही है। प्यार से उन्हें 'गोल्डन आर्म वाला आदमी' कहा जाता है, वह टोक्यो 2020 गेम्स में ट्रैक एंड फील्ड में ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्ड और 2024 में पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता, साथ ही ग्लोबल सर्किट पर कई पोडियम फिनिश भी हासिल किए। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी दिव्यांशु सिंह ने कहा, नीरज के साथ काम करना जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स में हम सभी के लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। उनकी सफलता की कहानी उत्कृष्टता और उद्देश्य के हमारे साझा दर्शन को दर्शाती है। हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि हमने मिलकर क्या हासिल किया है और हम उनके भविष्य के सभी प्रयासों में उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

बीसीसीआई ने पटौदी को 85वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

मुम्बई, 5 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी को उनकी 85वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। बीसीसीआई ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान, महान मंसूर अली खान पटौदी को उनकी 85वीं जयंती पर याद कर रहे है। प्यार से टाइगर पटौदी के नाम से जाने जाने वाले मंसूर अली खान पटौदी भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक है। पांच जनवरी 1941 को उनका जन्म हुआ था। वह 21 साल की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के टेस्ट कप्तान बने। वह 'सबसे महान कप्तानों में से एक' थे। 1961 में इंग्लैंड में एक कार एक्सीडेंट में अपनी दाहिनी आंख की रोशनी खोने के बावजूद पटौदी ने सिर्फ छह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी की और अपने खेले गए 46 टेस्ट में से 40 में भारत की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में, भारत ने 1968 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पहली विदेशी टेस्ट सीरीज जीती। एक बल्लेबाज के तौर पर, पटौदी ने टेस्ट क्रिकेट में 34.91 की औसत से 2,793 रन बनाए, जिसमें छह शतक शामिल है।

टेनिस जगत में हलचल, नोवाक ने पीटीपीए छोड़ने की वजह बताई

नई दिल्ली, 5 जनवरी। सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने रविवार को प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से अलग होने की पुष्टि की। उन्होंने पारदर्शिता को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए इस संघ की सह-स्थापना की थी। इस महान टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि उनके मूल्य और दृष्टिकोण संगठन की वर्तमान दिशा से मेल नहीं खाते। प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन पुरुष और महिला टेनिस खिलाड़ियों का एक संघ है, जिसकी स्थापना वासेक पोस्पिसिल और नोवाक जोकोविच ने 2019 में की थी। यह समूह एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 500 में रैंक वाले एकल खिलाड़ियों और शीर्ष 200 में रैंक वाले युगल खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करता है।

पीटीपीए का दावा है कि वह सभी खिलाड़ियों के सर्वोत्तम हितों के लिए काम करता है, और केवल खिलाड़ियों के लिए। वे टेनिस खिलाड़ियों को सुरक्षा और समर्थन प्रदान करने और कई प्रकार की सेवाएं देने का भी दावा करते हैं। रविवार को, जोकोविच ने पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन के भीतर पारदर्शिता और संचालन को लेकर लगातार चिंताएं हैं। उन्होंने लिखा कि गहन विचार-विमर्श के बाद, मैंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह अलग होने का फैसला किया है। पारदर्शिता, संचालन और मेरी आवाज और छवि के प्रतिनिधित्व के तरीके को लेकर लगातार बनी चिंताओं के बाद मैंने यह निर्णय लिया है।

सर्बियाई दिग्गज ने आगे कहा कि प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन की स्थापना करते समय वासेक और मैंने जो साझा दृष्टिकोण अपनाया था, उस पर मुझे गर्व है। इस एसोसिएशन ने खिलाड़ियों को एक सशक्त और स्वतंत्र आवाज दी – लेकिन अब यह स्पष्ट हो गया है कि मेरे मूल्य और दृष्टिकोण संगठन की वर्तमान दिशा के अनुरूप नहीं हैं।

रेलवे के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में नहीं खेलेंगे विराट कोहली

नई दिल्ली, 5 जनवरी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा फैसला लिया है। कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में मंगलवार को रेलवे के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर कोहली ने इस घरेलू टूर्नामेंट के दो मैचों में दिल्ली टीम का प्रतिनिधित्व किया था। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब वह रेलवे के खिलाफ नहीं खेलेंगे। कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में आंध्र प्रदेश और गुजरात के खिलाफ मैच में हिस्सा लिया था। उन्होंने इन मैचों में 131 और 77 रन बनाए थे। बताया गया था कि कोहली दिल्ली के लिए एक और मैच में हिस्सा लेंगे, लेकिन दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह ने बताया कि कोहली रेलवे के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। सरनदीप ने कहा, कोहली उपलब्ध नहीं रहेंगे। इससे पहले, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने बताया था कि कोहली रेलवे के खिलाफ छह जनवरी को होने वाले मैच में दिल्ली के लिए खेलेंगे। जेटली ने कहा था, फिलहाल वह खेल रहे हैं। विराट ने तीन मैचों के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। कोहली ने इस दौरान लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 16,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी कायम किया। कोहली ने 330वीं पारी में इस मुकाम को हासिल कर दिग्गज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया था। तेंदुलकर ने 391 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

आरसीए द्वारा आयोजित अंडर-14 चैलेंजर प्रतियोगिता के लिए जिले से क्यांश का चयन

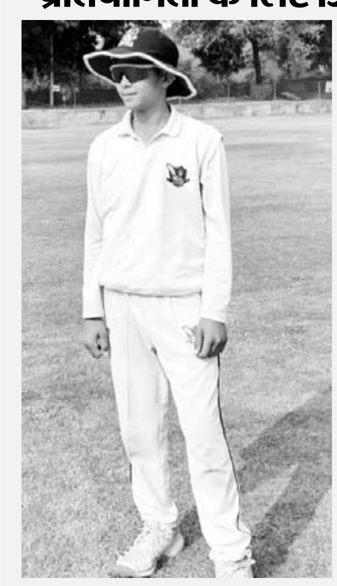

जयपुर, 5 जनवरी। जिला क्रिकेट संघ के सचिव श्री बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि बीसीसीआई द्वारा आयोजित आरसीए द्वारा जिले से अंडर 14 चैलेंजर प्रतियोगिता में क्यांश देरवाल का चयन किया गया है डीसीए सचिव श्री बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह बताया गया कि आरसीए द्वारा दिनांक 07.01.2026 से राजस्थान के सभी जिलों से चयनित खिलाड़ियों की चैलेंजर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है इसमें दो दिवसीय मैच करवाए जाएंगे और इन मैच की परफॉर्मेंस से टीम राजस्थान बनाई जाएगी इस चयन से हमारे जिले के और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही हमे अभी जिले में खिलाड़ियों के प्रदेश स्तरीय चयन को लेकर कड़े फैसले और सुधार की आवश्यकता है जिससे प्रत्येक फॉर्मेट में हमारे जिले से खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा हो।

नाडा की आरटीपी लिस्ट में मंधाना-जेमिमा सहित चौदह क्रिकेटरों के नाम, कुल 118 एथलीट्स को भी मिली जगह

नई दिल्ली, 5 जनवरी। स्टार भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की 2026 की पहली तिमाही के लिए पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल की गईं महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, जबकि 347 सदस्यीय सूची में 118 खिलाड़ियों के साथ सबसे अधिक एथलीट को जगह मिली है। पिछली आरटीपी सूची में 227 खिलाड़ी शामिल थे और इस बार इसमें 120 नाम और जोड़े गए हैं। खिलाड़ियों की सूची में यह इजाफा इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों तथा भारत द्वारा अधिक आक्रामक परीक्षण पर जोर देने की वजह से हुआ है। आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ अपना रहने का स्थान साझा करना पड़ता है और प्रत्येक दिन एक तय समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होता है। अपनी उपलब्धता का स्थान बताने में तीन बार नाकाम रहने को डोपिंग उल्लंघन माना जाता है। पिछली आरटीपी में भी सर्वाधिक 68 नाम एथलेटिक्स से जुड़े खिलाड़ियों के थे। नई आरटीपी सूची में भी इनकी संख्या काफी अधिक जिसमें स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, बाधा दौड़ की खिलाड़ी ज्योति याराजी, डेकाथलन के तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की आरटीपी सूची से बाहर होने के बाद साबले को नाडा की सूची में शामिल किया गया है। वाडा की सूची में अब सिर्फ भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव ही शामिल हैं।

डेमियन मार्टिन की सेहत में सुधार, कोमा से बाहर आए

नई दिल्ली, 5 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन की सेहत में सुधार हुआ है। मेनिन्जाइटिस के चलते इंड्यूस्ड कोमा में रहने वाले 54 साल के मार्टिन अब होश में आ चुके हैं और डॉक्टर उन्हें जल्द ही आईसीयू से बाहर शिफ्ट करने की उम्मीद जता रहे हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और उनके करीबी दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने बताया कि पिछले 48 घंटे में हालात पूरी तरह बदल गए हैं। गिलक्रिस्ट के मुताबिक, मार्टिन अब बात करने लगे हैं मार्टिन को 27 दिसंबर को गंभीर हालत में ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

मुख्यमंत्री का विधायकों के साथ बजट बैठकों का सिलसिला जारी रहा

विधानसभा क्षेत्रों के विकास कार्यों की ''प्रगति व भविष्य'' की कार्य योजना पर चर्चा हुई

जयपुर, 5 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगामी वर्ष 2026-27 के बजट को विकासोन्मुखी और जन केन्द्रित बनाने की दिशा में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जिलेवार विधायकों और प्रत्याशियों से संवाद किया। उन्होंने अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना-कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, बहरोड़ और दौसा जिलों के विधायकों एवं प्रत्याशियों के साथ मैराथन बैठकें कर बजट के सुझावों पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान महिला, युवा, किसान और गरीब सहित, सभी वर्गों के कल्याण से संबंधित योजनाओं और कार्यों के साथ-साथ संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई और बजट सुझावों पर मंथन किया गया। देर रात तक चली इन बैठकों में विधायकों और प्रत्याशियों ने बजट पर अपने सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देर रात तक चली बैठकों में अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना, कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, बहरोड़ व दौसा जिले के विधायकों व प्रत्याशियों के साथ बजट के सुझावों पर विस्तृत चर्चा की।

राज्य सरकार प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 8 करोड़ जनता को निरंतर विकास कार्यों की सौगात दे रही है। इन सभी विकास कार्यों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पूरा किया जा रहा है और हर योजना का लाभ लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा रहा है।

रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस का आयोजन आज

जयपुर, 5 जनवरी। राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के तीसरे एवं अंतिम दिन मंगलवार को राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन होगा। यह कॉन्फ्रेंस भारत के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है और राजस्थान को डिजिटल इनोवेशन एवं उभरती तकनीकों का हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग

- कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री राजस्थान की एआई/एमएल पॉलिसी 2026 को लॉन्च करेंगे।

राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की उपस्थिति में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस दौरान राज्य के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने, इनोवेशन को बढ़ावा देने तथा प्रमुख सेक्टर्स में एआई को तेजी से अपनाने के बारे में मंथन होगा और विभिन्न एमओयू भी किए जाएंगे।

इसके अलावा, राजस्थान की एआई/एमएल पॉलिसी 2026 को भी लॉन्च किया जाएगा। एआई तथा रोजगार एवं कौशल का भविष्य तथा राजस्थान के एआई स्टार्टअप एवं इनोवेशन इकोसिस्टम के उदय से संबंधित विविध विषयों पर विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।

एसआईआर के खिलाफ खुद कोर्ट में जिरह करेंगी ममताजी

गंगासागर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बारे में घोषणा की

कोलकाता, 05 जनवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि वे एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के खिलाफ खुद कोर्ट में जिरह करेंगी। ममता ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया के नाम पर लोगों के साथ अमानवीय बर्ताव हो रहा है। गंगासागर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि मंगलवार को कोर्ट खुलते ही टीएमसी दोबारा अर्जी लगाएगी। इस बार ममता खुद अपनी दलीलों से कोर्ट को समझाने की कोशिश करेंगी। उनके पास लॉ की डिग्री है और वह इसका इस्तेमाल अब

- ममता बनर्जी ने कहा ''मेरे पास लॉ की डिग्री है और मुझे कानून की पूरी समझ है। मैं बंगाल के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती हूँ।''

सियासी और कानूनी लड़ाई में करने जा रही हैं। ममता का कहना है कि गंभीर रूप से बीमार लोगों को भी लंबी लाइनों में खड़ा किया जा रहा है।

ममता बनर्जी के पास आर्ट्स, एजुकेशन और लॉ (एलएलबी) की डिग्री है। वे एक अनुभवी नेता होने के साथ-साथ कानून की समझ भी रखती हैं। ममता का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से दोषपूर्ण है। उनके मुताबिक, इस एक्सरसाइज की वजह से असली वोटर्स के नाम काटे जा रहे हैं। ममता ने चुनाव आयोग को भी चिट्ठी लिखकर इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी। अब वे सीधे अदालत में खड़े होकर इस मुद्दे पर बहस करना चाहती हैं। इस कदम से वे जताना चाहती हैं कि वे बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमण्डल विस्तार की अटकलें और तेज हुई

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्र.मंत्री मोदी की मुलाकात ने इन अटकलों को और बढ़ाया

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मुलाकात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में योगी प्रधानमंत्री को अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय शेष रह गया है और राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं जोरों पर हैं।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज नई दिल्ली में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। आपका पाथेय नये उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करने हेतु सदैव नवीन ऊर्जा

- योगी ने एक्स पर मुलाकात की फोटो शेयर की और कहा कि यह शिष्टाचार मुलाकात थी।

का संचार करता है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने भी मोदी से मुलाकात की। गुप्ता ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ शिष्टाचार भेंट में लद्दाख में जन कल्याण, मुख्य विकास प्राथमिकताओं, अवसंरचना, कनेक्टिविटी, पर्यटन और समावेशी विकास पर चर्चा की।

आंध्र प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लीक हुई गैस में तुरंत आग लग गई। ये देखकर आस-पास रहने वाले लोग और अधिकारी भी घबरा गए। गैस और धुएं का बादल सुमंडा और आसपास के इलाकों में घने कोहरे की तरह फैल गया। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत पास के गांव खाली करवा लिए।

कई लोग पहले ही घरों से भाग गए। वे अपने मवेशियों को भी सुरक्षित जगह पर ले गए। लोगों से बिजली का इस्तेमाल न करने, बिजली के उपकरण चालू न करने और चूल्हा न जलाने को कहा गया है। ओएनजीसी के कर्मचारी लीक को कंट्रोल करने और आग बुझाने के लिए मौके पर मौजूद हैं।

अधिकारियों ने पूरे इलाके को घेर लिया और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

प्र.मंत्री के चादर चढ़ाने के खिलाफ दर्ज याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स के दौरान अजमेर शरीफ दरगाह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चादर चढ़ाने से रोकने की मांग को लेकर पेश याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि याचिका में उठाया गया मुद्दा सुनवाई योग्य नहीं है। वैसे भी यह अप्रासंगिक हो गया है, क्योंकि चादर चढ़ाने का कार्यक्रम पहले ही हो चुका है।

पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा चादर चढ़ाने का कार्य हो चुका है इसलिए यह याचिका अप्रासंगिक हो गई है।

उसके आदेश का दरगाह से जुड़े अजमेर अदालत में चल रहे दीवानी मुकदमे पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न्यायालय ने कहा, ''मुकदमा लंबित है, उसे जारी रखें।''

पीठ ने यह भी कहा कि अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाना पुरानी परंपरा है। इसका पालन पिछले प्रधानमंत्रियों ने भी किया है।

यह याचिका हिंदू सेना के तत्कालीन अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की अजमेर अदालत में पहले से दायर लंबित मुकदमे का हिस्सा है, जिसमें दावा किया गया था कि अजमेर शरीफ दरगाह तोड़े गये शिव मंदिर की जगह पर बनायी गयी थी।

गुप्ता ने तर्क दिया था कि केंद्र सरकार ने जहां चादर चढ़ाने के लिए भेजा है, वह विवादित ढांचा है। उनका यह काम न्यायिक स्वतंत्रता और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है, जबकि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है।

हिंदुओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलग देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी और क्रिकेट को किसी बड़े राजनीतिक संदेश के लिए इस्तेमाल करने पर एक स्पष्ट रुख होता है।

इस बीच, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के ख़िलाफ़ हो रही आतंकी कार्यवाहियों तथा क्रूरता से भारतीय खिलाड़ी और पूरा देश दुखी एवं स्तब्ध है। खिलाड़ियों ने वहाँ हिंदुओं को दी जा रही यातनाओं और उनकी हत्याओं को लेकर गहरी चिंता और बेचैनी ज़ाहिर की है। यह भी देखा गया है कि बांग्लादेश की क़ानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों ने अल्पसंख्यक समुदायों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कुछ खास नहीं किया है।

साल के पहले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषित करने के साथ ही, जोधपुर और जयपुर में एक-एक मजिस्ट्रेट कोर्ट को इवनिंग कोर्ट के रूप में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू करने की घोषणा की गई थी।

हाईकोर्ट में इस साल के पहले कार्यदिवस पर जजों ने मुकदमों की सुनवाई की, लेकिन कोई भी वकील पैरवी के लिए नहीं आया। ऐसे में अधिकांश प्रकरणों में आगामी तारीख दी गई और सिर्फ उन्हीं प्रकरणों में सुनवाई हुई, जिसमें पक्षकार स्वयं पेश हुए। इस संबंध में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने कहा कि मुकदमों की सुनवाई मशीनी अंदाज में नहीं की जा सकती है। इसमें जज और वकील पूरी तरह से मस्तिष्क का उपयोग कर बहस और फैसला करते हैं। ऐसे में लगातार पांच दिन काम करने के बाद शनिवार को उन्हें अवकाश चाहिए होता है। रविवार को वकील सोमवार को लगने वाले मुकदमों की पैरवी की तैयारी करते हैं। ऐसे में उन्हें सिर्फ शनिवार का ही अवकाश मिल पाता है।

एसआई भर्ती- ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में एसओजी थाना जयपुर में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। इस मामले में पहले ही मुख्य आरोपी डालूराम मीणा और हरसनराम देवासी सहित, अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। वहीं, जांच के दौरान सामने आया कि इस प्रकरण में वांछित सहयोगी आरोपी सुनील कुमार विश्नोई निवासी सांचौर जिला जालोर (वर्तमान में निलंबित द्वितीय श्रेणी अध्यापक, विषय हिन्दी) की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद एसओजी ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। एडीजी एसओजी ने बताया कि आरोपी सुनील कुमार विश्नोई पूर्व में भी एसओजी जयपुर में शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 से जुड़े एक अन्य प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है। उस मामले में चयन कराने के बदले राशि लेने के आरोप थे। वर्तमान प्रकरण में भी उससे गहन पूछताछ कर नेटवर्क से जुडे अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। एसओजी ने स्पष्ट किया है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के मामलों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और जांच लगातार जारी है।

केन्द्र सरकार ने चार वकीलों को हाईकोर्ट में जज बनाया

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सिफारिश के अनुसार यह फैसला किया गया है

नई दिल्ली, 05 जनवरी। देश के विभिन्न हाई कोर्ट में जजों की कमी को दूर करने और न्यायिक कामकाज में तेजी लाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने सोमवार को एक अहम कदम उठाया। राष्ट्रपति ने पटना, इलाहाबाद और उत्तराखंड हाई कोर्ट में चार अधिवक्ताओं की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इसमें तीन वकीलों को स्थायी जज और एक वकील को अतिरिक्त जज के रूप में नियुक्त किया गया है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए अधिसूचना जारी की है।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर कहा कि सीजेआई से परामर्श के बाद अधिवक्ता रितेश कुमार और प्रवीण कुमार को पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है।

मंत्री ने बताया कि अधिवक्ता जय कृष्ण उपाध्याय को इलाहाबाद हाई कोर्ट

- केन्द्र सरकार ने इलाहाबाद, पटना, व उत्तराखंड हाईकोर्ट में ये नियुक्तियां की हैं।

का न्यायाधीश और अधिवक्ता सिद्धार्थ साह को उत्तराखंड हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। फरवरी 2025 में, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने रितेश कुमार सहित कई अधिवक्ताओं को पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

इसी प्रकार, अधिवक्ता जय कृष्ण उपाध्याय का नाम सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट में पदोन्नति के लिए अनुशंसित नामों में शामिल था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के घर पर हमला

वॉशिंगटन, 05 जनवरी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के ओहायो वाले घर पर हमला हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि हमले के वक्त उपराष्ट्रपति वैंस का परिवार घर पर नहीं था। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का मानना है कि हमलावर व्यक्ति उपराष्ट्रपति के घर में नहीं घुसा था।

स्थानीय समाचार आउटलेट्स की

- घर की खिड़कियों के शीशे टूटे, एक गिरफ्तार।

तस्वीरों में जेडी वेंस के घर की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा हुआ दिखा, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में क्या हुआ था। सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या कोई व्यक्ति वैंस या उनके परिवार को निशाना बना रहा था। वाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस भी इस घटना पर जानकारी देगा।

सीक्रेट सर्विस के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमलावर व्यक्ति, जो एक वयस्क पुरुष है और जिसकी पहचान नहीं हुई है को हिरासत में लिया गया है। यह घटना आधी रात के कुछ समय बाद हुई। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि घटना होने से पहले ही वैंस परिवार शहर छोड़ चुका था।

असम चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि संगठन को सुव्यवस्थित करने, अनुभवी वरिष्ठ नेताओं को आगे लाने की जरुरत है, साथ ही ऐसी टीम की ज़रूरत है, जो प्रभावी ढंग से फ़ैसले ले सके और भाजपा के दोनों बड़े नेताओं को चुनौती दे सके। असम, जहाँ जीत हासिल करना बहुत मुश्किल है, प्रियंका गांधी के लिए एक कड़ी परीक्षा है। कांग्रेस में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो प्रियंका को असफल होते देखना चाहते हैं, लेकिन पार्टी के अनुभवी नेताओं का कहना है कि चुनाव जीतने की कुंजी सही प्रबंधन में ही छिपी होती है।

'अब यही है मेरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन. वी. अंजनिया की पीठ ने कहा, ''जिन लोगों पर गैरकानूनी गतिविधि या आतंकवादी गतिविधि की योजना बनाने, उसे निर्देशित करने या उसे आगे बढ़ाने का आरोप है, उनकी कानूनी स्थिति उन लोगों से अलग होती है, जिनकी भूमिका केवल किसी और स्तर पर मदद करने या भाग लेने तक सीमित बताई गई है। ऐसे अंतर को नज़रअंदाज़ करना अपने आप में मनमाना फैसला होगा।''

ख़ालिद की साथी बानो ज्योत्सना लाहिरी ने एक्स पर लिखा कि कोर्ट के फ़ैसले के बाद जब उन्होंने ख़ालिद से बात की, तो उन्होंने खालिद को बताया कि वे मंगलवार को तिहाड़ जेल जाकर उनसे मुलाक़ात करेंगी, जहाँ वह बंद हैं।

उमर ने कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि बाकी लोगों को ज़मानत मिल गई। बहुत राहत महसूस हो रही है।'' जब लाहिरी ने बताया कि वे मंगलवार को तिहाड़ जेल में ''मुलाक़ात'' के लिए आएँगी, तो उमर ने कहा, ''ठीक है, आ जाना। अब यही ज़िंदगी है मेरी।''

'जरुरी न हो तो ईरान न जाएं'

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। भारत ने ईरान में पिछले कुछ दिनों से चल रहे व्यापक विरोध प्रदर्शनों और घटनाक्रमों के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को वहां की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक ईरान की गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें।

- ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने एडवाइज़री जारी की।

मंत्रालय ने कहा है कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को सावधानी बरतने, विरोध प्रदर्शन या प्रदर्शनों वाले इलाकों से बचने और खबरों के साथ-साथ तेहरान में भारतीय दूतावास की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल पर नज़र रखने की सलाह दी जाती है।

वक्तव्य में कहा गया है कि ईरान में रेजिडेंट-वीज़ा पर रहने वाले भारतीय नागरिकों को भी सलाह दी जाती है कि अगर उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है, तो वे भारतीय दूतावास में पंजीकरण करवा लें।

उमर खालिद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को चुनौती देते हुए, अलग-अलग स्पेशल लीव पिटीशंस दायर की थीं। उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि ''विरोध करने का अप्रतिबंधित अधिकार'' सार्वजनिक व्यवस्था पर असर डाल सकता है और यह माना था कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से प्रथम दृष्टया यह साबित होता है कि उन दंगों के पीछे एक समन्वित (को-ऑर्डिनेटेड) साजिश थी, जिनमें दिल्ली में 53 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।

ट्रंप ने क्यूबा, कोलंबिया और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोलंबिया पर एक तीखी टिप्पणी करते हुए, ट्रंप ने उसके नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वह बड़े पैमाने पर कोकीन का उत्पादन करवा रहा है, जिसे अमेरिका भेजा जाता है।

उन्होंने कहा, ''कोलंबिया भी बहुत बीमार है और एक बीमार आदमी द्वारा चलाया जा रहा है, जो कोकीन बनाना पसंद करता है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका को बेचना भी पसंद करता है।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या वॉशिंगटन प्रतिक्रिया में कोई ऑपरेशन शुरू कर सकता है, तो ट्रंप ने कहा, ''यह बात मुझे सुनने में अच्छी लगती है, वर्तमान स्थिति ज्यादा देर तक नहीं चलेगी। वह इसे बहुत समय तक नहीं कर पाएगा।''

ट्रंप ने कोलंबिया, वेनेज़ुएला और क्यूबा को एक क्षेत्रीय मादक पदार्थ नेटवर्क का हिस्सा बताया और कहा, ''हमारे पीछे ही एक ड्रग साम्राज्य था, अब अमेरिका इसे नष्ट कर रहा है।''

मैक्सिको पर, ट्रंप ने कहा कि शक्तिशाली मादक पदार्थ तस्कर गिरोह देश के बड़े हिस्सों पर कब्जा जमाए हुए हैं और उन्होंने मैक्सिको सरकार पर इनसे प्रभावी ढंग से निपटने में विफल होने का आरोप लगाया।

ट्रंप ने कहा, ''ये गिरोह ही मैक्सिको को चला रहे हैं, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं।''

उन्होंने दावा किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी से लड़ने के लिए मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शिनबाम को अमेरिकी सैन्य सहायता की बार-बार पेशकश की है। उन्होंने कहा, ''जब भी मैंने उनसे बात की, मैंने सैनिक भेजने की पेशकश की, पर उन पेशकशों को अस्वीकार कर दिया गया।''

ट्रंप बोले, ''वे चिंतित हैं। वे थोड़ी डर भी रही हैं।''

ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर मैक्सिको अधिक निर्णायक कदम नहीं उठाता है तो परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं, यह नोट करते हुए कि अवैध नशीली दवाएं मैक्सिकन क्षेत्र के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रही हैं। उन्होंने कहा, ''मैक्सिको को अपनी स्थिति ठीक करनी होगी।''

राष्ट्रपति ने कहा कि जरुरी हुआ तो वॉशिंगटन वेनेजुएला से बाहर ऑपरेशन का विस्तार करने के लिए तैयार है। वे बोले ''हम एक दूसरे हमले के लिए तैयार थे, यह विकल्प टेबल पर तो तैयार है, यदि क्षेत्रीय सरकारें सही तरीके से व्यवहार नहीं करतीं हैं तो।''

ट्रंप ने जोर दिया कि हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता है, न कि अधिग्रहण। हमारे आसपास के देशों से हमारा भारी सरोकार है।

यह टिप्पणी ट्रंप की इस तैयारी को रेखांकित करती है कि वे आर्थिक दबाव, सैन्य विकल्प और कठोर कूटनीतिक चेतावनियों का उपयोग करके उन देशों के साथ अमेरिकी रिश्तों को नए सिरे से आकार देना चाहते हैं, जिन्हें वे अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं।

दिल्ली में घना कोहरा, वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह घने कोहरे की चादर छायी रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब श्रेणी में बना रहा, जिससे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर उड़ान संचालन में बाधा आयी।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, सुबह आठ बजे तक दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 260-262 रहा और लगातार दूसरे दिन भी यह खराब श्रेणी में बना रहा। कई इलाकों में प्रदूषण स्तर चिंताजनक रहा।

घने कोहरे और धुंध से सुबह दृश्यता कम कर दी। इस कारण आईजीआई हवाईअड्डे पर कई उड़ानें देरी से उड़ीं। अधिकारियों ने यात्रियों को यात्रा से पहले उड़ान का शेड्यूल जांच करने की सलाह दी है।

अडानी पावर को सुप्रीम कोर्ट में मिली बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने अडानी पावर को राहत देने से इनकार करने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के 28 जून 2019 के फैसले को रद्द कर दिया है।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। उल्लेखनीय है कि यह मामला गुजरात के मुंद्रा स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईज़ैड) यूनिट से घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) को आपूर्ति की जाने वाली बिजली पर सीमा शुल्क लगाने से जुड़ा है।

न्यायालय इस बात की जांच कर रहा था कि क्या गुजरात उच्च न्यायालय का अपने 2015 के

- गुजरात सरकार ने एसई जैड से डीटीए को बिजली सप्लाई पर कस्टम ड्यूटी लगाई थी, इसके खिलाफ अडानी पावर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, याचिका को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था।

पुराने फैसले के प्रभाव को सीमित करना और 2010 के बाद एसीज़ैड से डीटीए को दी जाने वाली बिजली पर लगाये गये सीमा शुल्क को चुनौती देने वाली अदानी पावर की व्यापक याचिका को खारिज करना सही था।

अडानी पावर मुंद्रा एसीज़ैड के भीतर एक विशाल कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट चलाती है। यह इकाई एसीज़ैड के भीतर और गुजरात सहित अन्य राज्यों की वितरण कंपनियों को बिजली की आपूर्ति करती है। विवाद तब शुरू हुआ, जब सीमा शुल्क ढांचे में बदलाव कर एसीज़ैड से बाहर (घरेलू बाजार में) जाने वाली बिजली पर शुल्क लगा दिया गया, जबकि विदेशों से भारत में आयात होने वाली बिजली पर ऐसा कोई शुल्क नहीं था।

सुनवाई के दौरान अडानी पावर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी. चिदंबरम और अन्य वकीलों ने तर्क दिया कि यह शुल्क भेदभावपूर्ण है और एसीज़ैड ढांचे के सिद्धांतों के खिलाफ है। केन्द्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राघवेन्द्र पी. शंकर और अन्य वकीलों ने इस शुल्क का बचाव किया और उच्च न्यायलय के तर्क का समर्थन किया।

इससे पहले 2015 में, गुजरात उच्च न्यायालय ने शुल्क लगाने के तंत्र के एक हिस्से को रद्द कर दिया था और कहा था कि अडानी पावर जून 2009 से सितंबर 2010 के बीच की अवधि के लिए सीमा शुल्क से छूट पाने की हकदार है। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इनकार करने के बाद उस फैसले को अंतिम मान लिया गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908